आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
18.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.11
सूर्यास्त 06.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:16 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2083

रविवार, 22 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 210, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 5 रुपये

■ महंगी होगी हवाई यात्रा किराया बढ़ा सकती हैं एयरलाइंस - 12

■ पेट्रोलियम मंत्रालय ने 50 फीसदी तक बढ़ाया वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन - 12

■ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बोलीं- मोदी सबसे बड़ा घुसपैठ करने वाले - 13

■ केकेआर को बड़ा झटका चोटिल आकाशदीप आईपीएल सत्र से बाहर - 14

ईरान के परमाणु संयंत्र पर फिर हमला

रेडियोएक्टिव रिसाव की सूचना नहीं, हिंद महासागर में अमेरिकी बेस पर ईरान ने दागी मिसाइल

- इजराइली रक्षा मंत्री बोले- अगले सप्ताह हमलों में होगी वृद्धि, रूस ने नतांज संयंत्र पर हमले की निंदा की

दुबई, एजेंसी

ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र पर शनिवार को दूसरी बार हवाई हमले किए गए। ईरान ने कहा कि संयंत्र से कोई रेडियोधर्मी विकिरण नहीं हुआ है। लेकिन उसने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को इसकी जानकारी देकर विरोध दर्ज कराया है। उपग्रह चित्रों के अनुसार कई इमारतें क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही थीं।

तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित परमाणु संयंत्र को जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों के युद्ध में इजराइली हवाई हमलों और अमेरिका द्वारा निशाना बनाया गया था। वहीं, ईरान ने हिंद महासागर में स्थित अमेरिकी-ब्रिटेन संयुक्त हवाई अड्डे पर हमला किया। ब्रिटेन ने हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी हवाई सैन्य प्रतिष्ठान पर ईरान की सेना द्वारा मिसाइलें दागे जाने की निंदा की है। ब्रिटिश अधिकारियों ने नाकाम हमले के प्रयास का विवरण नहीं दिया है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। ईरान ने इस हमले की जानकारी अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को भी दी है।

इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमलों में काफी वृद्धि होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को समाप्त करने पर विचार करने की घोषणा किए जाने के कुछ घंटों बाद काट्ज ने शनिवार को यह टिप्पणी की। इजराइल ने कहा कि शनिवार सुबह भी ईरान उसकी ओर मिसाइलें दागता रहा, जबकि सऊदी अरब ने बताया कि उसने देश के पूर्वी हिस्से में कुछ ही घंटों में 20 ड्रोन मार गिराए।

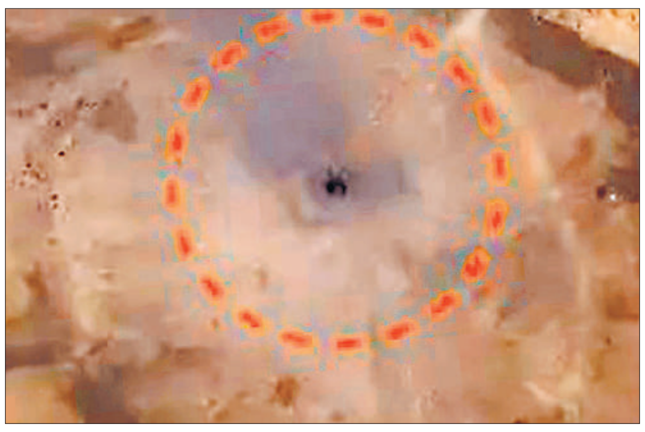

ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र **पर हमले की सेटेलाइट तस्वीर।**

युद्ध में अब तक 2328 की गई जान

लड़ाई में अब तक ईरान में 1,300 से अधिक, लेबनान में 1,000 से ज्यादा, इजराइल में 15 और इस क्षेत्र में 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। लेबनान और ईरान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। ईरान ने शनिवार को रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी के लिए जनाजा निकाला, जिन्हें एक दिन पहले इजराइली हमले में मार दिया गया था।

न्यूक्लियर क्षेत्र को नहीं बनाया निशाना: इजराइल

इजराइली आर्मी ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर प्लांट पर हमले से इनकार किया है। आईडीएफ ने कहा कि हमने यह हमला नहीं किया है और हमें नहीं पता यह किसने किया। हम अमेरिकी कार्रवाई पर कोई टिप्पणी नहीं करते। वहीं, ईरान की न्यूज एजेंसी तसनीम के मुताबिक, जिस जगह पर हमला हुआ उसका नाम 'अहमदी रोशन' है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले के बाद किसी भी तरह का खतरनाक रिसाव नहीं हुआ है और आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है।

अमेरिका ने पैट्रियट मिसाइलों को प. एशिया भेजा

लंदन। ईरान के खिलाफ युद्ध पर ध्यान केंद्रित करते हुए अमेरिका ने बड़ी संख्या में पैट्रियट मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है। संवेदनशील सैन्य मामलों पर गोपनीयता के कारण अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी है। वहीं, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका पश्चिम एशिया में तीन और हमलावर जहाज और लगभग 2,500 अतिरिक्त मरीन तैनात कर रहा है। दो अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने भी जहाजों की तैनाती की पुष्टि की, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कहां जा रहे हैं।

22 देशों ने होर्मुज को खोलने की अपील की

दुबई। दुनिया के 22 देशों ने शनिवार को ईरान से हमले रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की अपील की। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया समेत इन देशों ने पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों तथा तेल और गैस सुविधाओं पर ईरान के हमलों की निंदा की है। उन्होंने शनिवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा, ईरान की इन कार्रवाइयों का असर दुनिया के हर हिस्से के लोगों खासकर सबसे कमजोर तबके पर पड़ेगा।

अमेरिका ने ईरानी तेल से 30 दिन प्रतिबंध हटाया, ईरान बोला- नहीं है सरप्लस क्रूड

वाशिंगटन, एजेंसी

- विश्वस्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 30 दिन की छूट दी

अमेरिका ने विश्वस्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस अस्थायी कदम से 14 करोड़ बैरल ईरानी तेल वैश्विक बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा।

बेसेंट ने कहा, यह अस्थायी, अल्पकालिक अनुमति केवल उस तेल तक सीमित है जो पहले से ही रास्ते में है और इसमें नयी खरीद या उत्पादन की अनुमति नहीं है। युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो इस सप्ताह बढ़कर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। उन्होंने कहा, आज वित्त विभाग एक सीमित, अल्पकालिक अनुमति जारी कर रहा है, जिसके तहत समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री की इजाजत दी जा रही है। अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया कि फिलहाल प्रतिबंधित ईरानी तेल को चीन सस्ते दामों पर जमा कर रहा है। इस मौजूदा आपूर्ति को अस्थायी रूप से वैश्विक बाजार के लिए खोलने से लगभग 14 करोड़ बैरल तेल तुरंत बाजार में आएगा, जिससे ऊर्जा आपूर्ति बढ़ेगी और ईरान के कारण तेल आपूर्ति पर पैदा हुए अस्थायी दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। बेसेंट ने कहा, असल में हम ऑपरेशन एपिक फ्यूरी जारी रखते हुए कीमतों को कम रखने के लिए ईरानी तेल का ही इस्तेमाल तेहरान के खिलाफ कर रहे हैं। तेल टैंकरों में लदे ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में यह ढील शुक्रवार से लागू होगी और 19 अप्रैल तक जारी रहेगी। युद्ध से पहले अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें तीन डॉलर प्रति गैलन थीं, जो शनिवार तक बढ़कर 3.99 डॉलर प्रति गैलन हो गईं। वहीं, अमेरिकी छूट पर ईरान ने कहा है कि उसके पास अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए कोई सरप्लस क्रूड उपलब्ध नहीं है। ईरान के बयान ने पहले से ही अस्थिर तेल बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण व्यापार प्रवाह बाधित है। कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ईरान की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई जब भारत और अन्य एशियाई देश अस्थायी छूट के तहत ईरानी तेल की खरीद दोबारा शुरू करने पर मंथन करने में जुटे थे।

ट्रंप बोले- उनका प्रशासन पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को धीरे धीरे कम करने पर कर रहा विचार

दुबई। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को धीरे-धीरे कम करने पर विचार कर रहा है। हालांकि अमेरिका ने उस क्षेत्र में और युद्धपोत तथा मरीन सैनिक तैनात करने की घोषणा भी की है। ईरान ने भी दुनिया भर के पर्यटन स्थलों पर हमले की धमकी दी है। अमेरिका के ये मिले-जुले संकेत ऐसे समय में आए हैं जब तेल की कीमतों में फिर उछाल से अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट आई।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें... व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

चैत्र नवरात्र में भीड़ के बीच वैष्णो देवी यात्रा स्थगित की गई

जम्मू। चैत्र नवरात्र के कारण उमड़ी भीड़ के बीच शनिवार को वैष्णो देवी तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। शनिवार को शाम चार बजे तक 39,000 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की। 19 मार्च से शुरू हुए चैत्र नवरात्र के कारण भीड़ बढ़ गई है। नवरात्र पर्व 27 मार्च तक चलेगा और इस दौरान मंदिर बोर्ड को देश भर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस वाहनों के जरिए यात्रा स्थगित करने की घोषणा की गई और रविवार को सुबह 4 बजे से नए सिरे से पंजीकरण शुरू होगा।

पीएम मोदी ईरानी राष्ट्रपति से बोले- समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित रहने चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

- मसूद पेजेश्कियन को ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं
- क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि जहाजरानी मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। ईरानी राष्ट्रपति को मोदी ने ईद व नवरोज की शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि त्योहार का यह मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाए।

प्रधानमंत्री ने ईरान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ईरान के निरंतर समर्थन की भी सराहना की। मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और ईरान के राष्ट्रपति के बीच टेलीफोन पर यह दूसरी बातचीत थी। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने 12 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी को ईरान की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी और क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में उभर रही सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और भारत के इस रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया, जिसके जवाब में ईरान ने अपने पड़ोसी देशों और इजराइल को निशाना बनाया। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को भी नियंत्रित करता है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री परिवहन मार्ग है। इसके माध्यम से विश्व के 20 प्रतिशत ऊर्जा उत्पादों का परिवहन होता है। संघर्ष के बाद से, ईरान ने बहुत कम जहाजों को इससे गुजरने की अनुमति दी है।

2584 महिला परिचालकों की होगी भर्ती : दयाशंकर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। सीएम के निर्देश पर परिवहन निगम में 2584 महिला अभ्यर्थियों को सीधे संविदा परिचालक के पद पर रखा जाएगा। अभ्यर्थियों के अनुबंध के लिए उनका उप्र राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं उप्र कौशल विकास मिशन का सदस्य होना अथवा एनसीसी बी प्रमाण पत्र, एनएसएस एवं स्काउट गाइड संस्था के राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि भर्ती के लिए इण्टरमीडिएट की योग्यता के साथ सीसीसी प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। प्राप्तांकों की मेरिट निर्धारित करते हुए सीधे संविदा परिचालक के पद पर रखा जाएगा। अभ्यर्थियों को उनके गृह जनपद के नजदीक डिपो में नियुक्त किया जाएगा। परिचालक पद पर भर्ती के लिए 25, 28 और 30 मार्च, एवं 1 अप्रैल, 2026 को रोजगार मेले का आयोजन भी किया जाएगा।

राज्यसभा में सीएपीएफ से संबंधित विधेयक को कल पेश करेंगे शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश करेंगे जिसका उद्देश्य सीएपीएफ अधिकारियों की भर्ती, प्रतिनियुक्ति और पदोन्नति को विनियमित करना है। सभी सीएपीएफ -सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी अपने-अपने अधिनियमों द्वारा संचालित होते हैं।

उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय, हर गोशाला में भूसा बैंक व किसानों से चारे का समन्वय पर योगी सरकार का फोकस

गो आश्रयों को आत्मनिर्भर बनाने फील्ड में उतरें मंत्री : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में गो-रक्षा और गो-आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में व्यापक रणनीति लागू करने के निर्देश दिए हैं। गोसेवा आयोग के साथ हुई शनिवार को समीक्षा बैठक में उन्होंने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया और कहा कि गो-सेवा भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक खेती का महत्वपूर्ण आधार है।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक गोशाला में 'भूसा बैंक' स्थापित करने पर कहा कि चारे की कमी किसी भी स्थिति में न हो। इसके लिए स्थानीय किसानों से सीधा समन्वय स्थापित किया जाए और गोचर भूमि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने व्यवस्थाओं की निगरानी को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री ने सभी गो-आश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें कंट्रोल रूम से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही डीबीटी प्रणाली के माध्यम से समयबद्ध भुगतान, गोवंश की दैनिक गणना और रिकॉर्ड का डिजिटल संधारण अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने गोसेवा आयोग के पदाधिकारियों को 2-2 के समूह में मंडलवार भ्रमण कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। प्रत्येक दौरे की रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी।

लखनऊ में पशुधन मंत्री व अधिकारियों की बैठक लेते सीएम योगी।

7,527 गो-आश्रय स्थलों में 12.39 लाख गोवंश

योगी ने स्वयं सहायता समूहों और एनजीओ द्वारा गो-पेंट, वर्मी कम्पोस्ट, गो-दीप जैसे उत्पादों के निर्माण को आत्मनिर्भरता का सफल मॉडल बताते हुए इनके विस्तार पर जोर दिया। मुजफ्फरनगर का गो-अभयारण्य इस दिशा में एक आदर्श उदाहरण के रूप में सामने आया है। साथ ही पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए पशुपालकों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए गए। प्रदेश में वर्तमान में 7,527 गो-आश्रय स्थलों में 12.39 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत 1.14 लाख लाभार्थियों को 1.83 लाख गोवंश सौंपे गए हैं, जिनके सत्यापन और देखभाल के निर्देश दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

यूपीएसएसएससी ने जारी किए कई भर्तियों के परिणाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने विभिन्न लंबित भर्तियों के परिणाम जारी करते हुए चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। आयोग ने सम्मिलित तकनीकी सेवा (सामान्य चयन) परीक्षा-2016 के तहत अंतिम परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस भर्ती में नर्स, कंपाउंडर और हॉस्टल वार्डन के कुल 248 पदों के लिए पूर्व में विभागवार, पदवार व श्रेणीवार विवरण प्रकाशित किया गया था। अब इनमें से 7 पदों के सापेक्ष अंतिम रूप से 7 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों के नाम और कटऑफ अंक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। साथ ही आयोग ने अनुदेशक (सामान्य चयन) भर्ती-2015 के तहत स्टेनोग्राफी (हिंदी) के 8 पदों पर साक्षात्कार के बाद चयनित अभ्यर्थियों का परिणाम भी जारी किया है। वहीं, सीधी भर्ती (सामान्य चयन) 2016 के अंतर्गत सहायक प्रशिक्षक (एथलेटिक्स) पद के लिए भी अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया गया है। आयोग की ओर से अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे विस्तृत परिणाम, कटऑफ और अन्य जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर विवरण देखें।

'बीमारू' से सर्वोत्तम बना यूपी, कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव: शाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि योगी सरकार के नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश का कृषि क्षेत्र व्यापक बदलाव का गवाह बना है और प्रदेश 'बीमारू' छवि से निकलकर देश के अग्रणी कृषि राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि सरकार की नीतियों से किसानों की आय, उत्पादन और सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंत्री ने बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिली। गन्ना किसानों को अब तक 3.15 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जबकि पहले यह भुगतान वर्षों तक लंबित रहता था। सिंचाई के क्षेत्र में सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अधूरी परियोजनाओं को पूरा कर 30 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई से जोड़ा गया है। साथ ही 92 हजार से अधिक सोलर पंप लगाए गए हैं, जिन पर किसानों को 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया गया, जिससे निर्बाध सिंचाई संभव हुई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के 3 करोड़ से अधिक किसानों को 99,500 करोड़ रुपये सीधे खातों में भेजे गए हैं। उत्तर प्रदेश आज गन्ना, गेहूं, धान, दूध और खाद्यान्न उत्पादन में देश में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री बोले- प्रकृति को मां मानकर करें संरक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय वानिकी संवाद के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी, बोले- जन आंदोलन से मिली सफलता

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय वानिकी संवाद के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में प्रकृति को "मां" का दर्जा दिया गया है और उसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण असंतुलन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे समय में वनों का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने वैदिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः" का भाव हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराता है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय वन दिवस की थीम 'फॉरेस्ट एंड इकोनॉमिक्स' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वन केवल पर्यावरण संतुलन ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में वनाच्छादन बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं, जिनकी सफलता का आधार जनभागीदारी रही है।

सीएम योगी ने बताया कि वर्ष 2017 में जहां प्रदेश में केवल एक रामसर साइट थी, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है और इसे 100 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। रामसर साइट्स जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने पौधरोपण अभियान की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में 242 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। पहले जहां वन महोत्सव में 5.5 करोड़ पौधरोपण होता था, वहीं अब एक दिन में 37 करोड़ पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। इस वर्ष 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। दुधवा नेशनल पार्क में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने और वन आधारित ग्रीन इकोनॉमी मॉडल को विकसित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। प्रदेश में 2,467 ग्रीन उद्योग स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रखकर राज्य ने एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना के बाद गांगेय डॉल्फिन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। देश में वर्तमान में 6,327 डॉल्फिन हैं, जिनमें से 2,397 अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में भी राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

9 वर्षों में 242 करोड़ किया गया पौधरोपण

- रामसर साइट्स की संख्या 1 से बढ़कर 11, लक्ष्य 100
- दुधवा नेशनल पार्क में इको-टूरिज्म को बढ़ावा
- 2,467 ग्रीन इकोनॉमी आधारित उद्योग स्थापित
- यूपी में 2,397 गांगेय डॉल्फिन, देश में कुल 6,327
- 4 लाख रूफटॉप सोलर से 1,400 मेगावाट क्षमता विकसित
- 5 वर्षों में 22,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का लक्ष्य

दुग्ध व्यवसाय से बदली तस्वीर; 3.5 लाख महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर

अमृत विचार: प्रदेश में दुग्ध व्यवसाय के जरिए ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश की करीब 3.5 लाख महिलाएं मिल्क प्रोक्योरमेंट से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी हैं। इस उपलब्धि के साथ दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर पहुंच गया।

इस बदलाव की मुख्य धुरी उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बना है, जिसने गांव-गांव में महिलाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने का काम किया है। मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) से जुड़ी महिलाएं अब आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और परिवार की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

प्रदेश में दुग्ध मूल्य श्रृंखला (मिल्क वैल्यू चेन) विकसित होने से महिलाओं और किसानों को अब अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य मिल रहा है। साथ ही भुगतान व्यवस्था को पारदर्शी और नियमित बनाया गया है, जिससे उनकी आय में स्थिरता आई है और भरोसा बढ़ा है। दुग्ध व्यवसाय ने ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। छोटे स्तर पर शुरू हुआ यह कार्य अब एक संगठित आर्थिक मॉडल का रूप ले चुका है, जिससे न केवल महिलाओं की आय बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। सरकार की योजनाओं के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके चलते अब महिलाएं केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

पोक्सो के मामलों में घायल की चोटों का विवरण दर्ज करना अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पोक्सो अधिनियम के तहत आरोपी को बरी करने वाले निचली अदालत के फैसले पर गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा कि निचली अदालत ने अपने निर्णय में नाबालिग पीड़िता के शरीर पर पाई गई चोटों का न तो उल्लेख किया और न ही उनकी चर्चा की। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और अजय कुमार (द्वितीय) की खंडपीठ ने कहा कि यह "खेदजनक" है कि स्पष्ट न्यायिक निर्देशों के बावजूद चोट रिपोर्ट को निर्णय का हिस्सा नहीं बनाया गया। कोर्ट ने 1982 और 2002 के उच्च न्यायालयीय परिपत्रों का हवाला देते हुए कहा कि न्यायिक अधिकारियों के लिए घायल व्यक्ति की चोटों का विवरण दर्ज करना अनिवार्य है। मौजूदा मामला राज्य सरकार की अपील से संबंधित है, जिसमें अप्रैल 2025 में निचली अदालत द्वारा आरोपी को बरी किए जाने के आदेश को चुनौती दी गई थी।

कॉर्नियल दान को बढ़ावा देने के लिए यूपी में गठित हुई हाई लेवल टास्क फोर्स

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- अंधत्व रोकने की दिशा में बड़ा कदम, नेत्रदान व प्रत्यारोपण तंत्र होगा मजबूत

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने कॉर्नियल दान और प्रत्यारोपण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रो. राजेश हर्षवर्धन की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स में प्रदेश के प्रमुख नेत्र विशेषज्ञों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों के विभागाध्यक्ष शामिल हैं। यह निर्णय स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोट्टो) और पीजीआई के संयुक्त तत्ववाधान में बीते दिनों संपन्न 'नेत्रमंथन' कार्यक्रम में चर्चा के बाद लिया है।

प्रो. राजेश हर्षवर्धन।

नेत्रमंथन कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में रोके जा सकने वाले अंधत्व को समाप्त करना और नेत्र चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाना है।

गठित टास्क फोर्स राज्य में कॉर्नियल दान की स्थिति, आई बैंकिंग सिस्टम और प्रत्यारोपण की वर्तमान व्यवस्था का व्यापक मूल्यांकन करेगी। साथ ही, दान और प्रत्यारोपण में आने वाली सामाजिक, संस्थागत और तकनीकी बाधाओं की पहचान कर समाधान सुझाएगी। टास्क फोर्स जन-जागरूकता बढ़ाने, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण, आई बैंकों की क्षमता बढ़ाने और बेहतर समन्वय के लिए रणनीति तैयार करेगी। साथ ही अन्य राज्यों और देशों के सफल मॉडल का भी अध्ययन किया जाएगा। तत्पश्चात सरकार को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में अल्पकालिक और दीर्घकालिक सुझावों के साथ कार्यान्वयन की रूपरेखा भी शामिल होगी।

2028 तक मत्स्य उत्पादन में 18 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में 'नव निर्माण के 9 वर्ष' के तहत अब मत्स्य क्षेत्र में भी तेज़ी से बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और इससे जुड़े उद्योगों को विकसित करने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028 तक मत्स्य उत्पादन को 13.30 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 18 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचाना है। राज्य सरकार मत्स्य बीज और मत्स्य आहार के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए निवेश परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे उत्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता और आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत किया जा सके।

मत्स्य क्षेत्र में निवेश को लेकर उद्योग जगत का रुझान भी बढ़ा है। विभिन्न कंपनियां प्रदेश में कुल 1407 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने जा रही हैं। इससे दो हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। ये निवेश वाराणसी, बाराबंकी, अमेठी समेत कई जिलों में प्रस्तावित हैं। इससे मत्स्य उद्योग को संगठित रूप मिलेगा और निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

वन संरक्षण से ही सुरक्षित भविष्य : केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि वन हमारे जीवन का आधार हैं। ये न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि जैव-विविधता के संरक्षण, जलवायु संतुलन तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मानव तथा पृथ्वी के अस्तित्व के लिए वन एवं वन्यजीवों का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से जनसामान्य में जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे अधिकाधिक वृक्षारोपण करें तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि हम सभी को हरित, स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों को भी स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्राप्त हो सके।

मौर्य के हाथों मिली ट्रैक्टर संचालित मोबाइल यूनिट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बस डिपो परिसर, मंझनपुर कौशाम्बी में "गौरव प्रतिमा अनावरण" महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अन्तर्गत 10 लाभार्थियों-अश्वनी कुमार यादव, मुलायम सिंह पटेल, अबु सलीम, विनोद कुमार, आशीष सिंह, अभिलाषा देवी, शंकर दयाल सिंह, अंजली गुप्ता, गोविन्द सिंह एवं प्रहलाद मौर्य को ट्रैक्टर संचालित मोबाइल यूनिट प्रदान किया एवं हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना के अन्तर्गत बैंको के माध्यम से चार लाख 5000 का महिन्द्रा ट्रैक्टर एवं 90 हजार रूपए में मिनी फ्लोर मिल या ऑयल मिल या मसाला मिल या राइस मिल सहित कुल चार लाख 95 हजार ऋण के माध्यम से चार साल तक 100 प्रतिशत ब्याज मुक्त कोलेटरल गारण्टी मुक्त ऋण के साथ 10 प्रतिशत सब्सिडी दिया जा रहा है, जबकि यही परियोजना बाजार में ब्याज सहित लगभग 09 लाख रूपए में उपलब्ध होती है।

बरेली की नसरीन बी बनीं मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की योजनाओं के प्रभाव से बरेली की नसरीन बी ने न सिर्फ अपनी जिंदगी बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार का रास्ता खोल दिया। बरेली जिले के फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के घंघोरा-घंघोरी गांव की रहने वाली नसरीन बी ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने सफर की शुरुआत की।

"जनता" स्वयं सहायता समूह के माध्यम से उन्होंने बेकरी व्यवसाय शुरू किया, जो आज उनकी सफलता की पहचान बन चुका है। उन्होंने अपने साथ 10 महिलाओं को जोड़कर उन्हें रोजगार दिया। नसरीन को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत आर्थिक सहायता मिली। वर्ष 2022 में समूह को 15 हजार रुपये की प्रारंभिक सहायता और बाद में एक लाख रुपये की वित्तीय मदद दी गई, जिससे उनके व्यवसाय को मजबूत आधार मिला। आज उनके बेकरी यूनिट में रस्क, फैन और क्रीम रोल जैसे उत्पाद तैयार किए जाते हैं। क्रीम रोल बनाने की मशीन लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ी और कारोबार का विस्तार हुआ। उनके उत्पाद अब बरेली शहर तक सप्लाई हो रहे हैं, जिससे आय में लगातार वृद्धि हो रही है। बेकरी उत्पादों के अलावा अब यह समूह पापड़, मसाले और चिप्स जैसे अन्य उत्पाद भी बना रहा है, जिससे आय के नए स्रोत विकसित हुए हैं।

मेरठ स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को मिली रफ्तार, यूपी बनेगा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. में उद्योग आधारित विकास की रफ्तार अब वैश्विक पहचान की ओर बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में क्लस्टर आधारित औद्योगिक मॉडल ने मेरठ को देश के प्रमुख स्पोर्ट्स इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में मजबूत किया है। अब सरकार की नीतियों और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के सहारे यह क्षेत्र ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में भी पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टरों के आधुनिकीकरण पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि मेरठ जैसे केंद्रों को आधुनिक तकनीक और नीतिगत सहयोग मिले, तो भारत स्पोर्ट्स गुड्स निर्यात में कई गुना वृद्धि कर सकता है।

मेरठ लंबे समय से क्रिकेट बैट, फुटबॉल, बॉक्सिंग ग्लव्स और जिम उपकरण जैसे उत्पादों का प्रमुख उत्पादन केंद्र रहा है। यहां 250 से अधिक निर्यात इकाइयों के साथ हजारों सूक्ष्म उद्यम सक्रिय हैं। सरकार इन पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक तकनीक, वित्तीय सहायता और स्किल डेवलपमेंट से जोड़ रही है, जिससे गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता दोनों में सुधार हो रहा है। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, सड़क नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के विस्तार ने उद्योगों को नई गति दी है। खासतौर पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और ग्रेटर नोएडा का उभरता लॉजिस्टिक्स हब इस क्षेत्र के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। इससे निर्यात लागत कम होगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच तेज होगी। केंद्र सरकार के बजट में स्पोर्ट्स गुड्स सेक्टर के लिए विशेष प्रावधान और क्लस्टर विकास पर जोर ने इस उद्योग को नई ऊर्जा दी है। राज्य सरकार सिंगल विंडो सिस्टम, प्रोत्साहन और नीतिगत सरलता के जरिए उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रही है।

सौहार्द के साथ अदा हुई ईद की नमाज, सियासी चेहरे भी पहुंचे

एक साथ दिखे अखिलेश-अजय राय, बहुगुणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी लखनऊ में ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को पूरे उत्साह और सौहार्द के साथ मनाया गया। ऐशबाग ईदगाह समेत विभिन्न मस्जिदों में हजारों नमाजियों ने एक साथ नमाज अदा कर देश में अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और पूर्व मंत्री रीता बहुगुणा जोशी सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

ऐशबाग ईदगाह पर सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां करीब 50 से 60 हजार लोगों ने नमाज अदा की। भीड़ अधिक होने के कारण कई लोग आसपास के इलाकों और गलियारों में खड़े होकर नमाज पढ़ते नजर आए। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर सियासी दलों के कई प्रमुख चेहरे भी नजर आए। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और भाजपा नेता रीता बहुगुणा जोशी ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को बधाई दी। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए। पुराने लखनऊ सहित संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा और सीसीटीवी के जरिए निगरानी की गई। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए 27 मार्गों पर डायवर्जन लागू किया गया।

अलग-अलग धर्म-जाति के लोगों का एक साथ त्योहार मनाना ही हिन्दुस्तानियत है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राजधानी के ऐशबाग ईदगाह में ईद की नमाज के बाद एकत्र मुस्लिम भाईयों को ईद की बहुत-बहुत मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार खुशियां लेकर आता है। ईद खुशियों का त्योहार है। सेंवई खाओ, गले मिलो, आपस में प्रेम से रहो, ताकि दूरियां कम हो।

सपा प्रमुख ने शनिवार को कहा कि कुछ दिन पूर्व होली का त्योहार मनाने के बाद आज सभी देशवासी आपस में मिलजुल कर ईद का त्योहार मना रहे हैं। हमारी यही हिन्दुस्तानियत है। जहां अलग-अलग धर्म-जाति के लोग मिलकर एक साथ त्योहार मनाते है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले दिनों भाजपा का नाटक देखा। शंकराचार्य लखनऊ आए, तमाम भाजपाइयों ने कहा था हम उनके सामने लेट जाएंगे। साष्टांग होकर सम्मान करेंगे। शंकराचार्य आए तो वे अदृष्य हो गए। वटुकों के पैर छूकर दक्षिणा दी जाती है पर यहां तो उनकी चुटिया पकड़ कर खींचा गया, उन्हें अपमानित किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लिए बेईमान शब्द छोटा दिखता है। जो गंगा मईया के साथ बेईमानी कर सकता है वह किसी के साथ भी ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता अकेले लड़ेंगी तो भी वह जीत जाएंगी। वह अकेले लड़कर भी सबका मुकाबला कर रही है। भाजपा षडयंत्रकारी पार्टी है वह तनाव न पैदा कर दे? किसी को पता नही।

आयोजन | अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर वनकर्मियों, संगठनों व किसानों को भी मिला सम्मान

सीएम ने अच्छेलाल और तनु सिंह की वीरता को किया सलाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में साहसिक कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित किया। तेंदुए के हमले से खुद और अपने परिवार को बचाने वाले बच्चों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मुख्यमंत्री ने बहराइच के 10 वर्षीय अच्छेलाल और प्रयागराज की 18 वर्षीय तनु सिंह को उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया। अच्छेलाल ने 6 दिसंबर 2025 को गन्ने के खेत से निकले तेंदुए के हमले का डटकर सामना किया और साहस दिखाते हुए खुद को सुरक्षित बचाया। वहीं, तनु सिंह ने 8 जनवरी 2026 को झूंसी क्षेत्र में घर में घुसे तेंदुए के दौरान अद्भुत सूझबूझ दिखाई। उन्होंने दो छोटे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और तेंदुए को कमरे में बंद कर दिया, जिससे बिना किसी जनहानि के उसका रेस्क्यू संभव हो सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे साहसिक कार्य समाज को प्रेरित करते हैं और नई पीढ़ी को हिम्मत व सूझबूझ का संदेश देते हैं। इस अवसर पर वानिकी एवं वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन विभाग के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर तनू सिंह को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुरादाबाद के उप क्षेत्रीय वन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह, हमीरपुर के वन रक्षक सुनील कुमार गौंड, रामपुर के वन रक्षक शिवम कुमार और एटा की माली रीना शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा, वानिकी क्षेत्र में योगदान देने वाले सामाजिक संगठनों को भी सम्मान मिला। लोकभारती के बृजेंद्र पाल सिंह और हेल्पिंग हैंड्स सेवा संस्थान, झांसी के सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्बन क्रेडिट प्रोजेक्ट के अंतर्गत कुशीनगर के ईश्वर चंद और रायबरेली की सुनीता को चेक वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व वन विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस मौके पर वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अप्रैल से शुरू होंगे 25 नए वन स्टॉप सेंटर, मिशन शक्ति को मिलेगी गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अप्रैल में वन स्टॉप सेंटर की कुल संख्या बढ़कर 121 होगी।
- लखनऊ, जौनपुर, सोनभद्र और गौतमबुद्ध नगर में 2-2 सेंटर
- मिशन शक्ति अभियान को मिलेगी मजबूती।
- एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी, काउंसलिंग व पुलिस सहायता।
- प्रत्येक केंद्र पर आपातकालीन वाहन की व्यवस्था।
- अब तक 2.39 लाख मामलों में दी जा चुकी है सहायता।

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अप्रैल से 25 नए वन स्टॉप सेंटर शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश में इन केंद्रों की कुल संख्या 96 से बढ़कर 121 हो जाएगी।

सरकार की यह पहल मिशन शक्ति अभियान को और गति देने वाली मानी जा रही है। खास बात यह है कि लखनऊ, जौनपुर, सोनभद्र और गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में दो-दो नए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे इन जिलों में महिला सुरक्षा तंत्र को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए एकीकृत सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करते हैं, जहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। प्रदेश सरकार ने इन केंद्रों का विस्तार व्यापक स्तर पर किया है। लखनऊ, जौनपुर, सोनभद्र और गौतमबुद्ध नगर के अलावा अयोध्या, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा समेत कई जिलों में एक-एक नया केंद्र खोला जाएगा। साथ ही प्रत्येक वन स्टॉप सेंटर पर आपातकालीन सहायता के लिए वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे जरूरतमंद महिलाओं तक तुरंत पहुंचा जा सके।

न्यूज ब्रीफ

सास व पत्नी को दामाद ने किया लहूलुहान

बिठूर। नारामऊ निवासी नीरज सोनकर की पत्नी का हाल ही में प्रसव हुआ था। शुक्रवार को सायं वह नवजात के साथ घर लौटी, उसके साथ उसकी मां रामकुमारी भी आई थीं। इसी दौरान नीरज ने पत्नी से आधार कार्ड मांगा। पत्नी द्वारा फोटो कॉपी देने पर वह भड़क गया और मारपीट शुरू कर दी।पत्नी को बचाने पहुंची सास रामकुमारी को भी आरोपी ने पीट दिया, जिससे वो लहूलुहान हो गई। पीड़िता रामकुमारी ने आरोपित दामाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

बदले मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता

घाटमपुर। शुक्रवार सुबह अचानक बदले मौसम ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस समय क्षेत्र में सरसों की कटाई जोरों पर है और कई किसानों की फसल खेतों में ही कटी पड़ी है। ऐसे में बारिश से फसल के भीगने की आशंका बढ़ गई है, जिससे दानों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और बाजार में उचित मूल्य मिलने में दिक्कत आ सकती है। वहीं गेहूं और चना की फसल भी पककर तैयार है। तेज हवा और बारिश के चलते फसल गिरने का खतरा बना हुआ है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह बना रहा तो भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सिरफिरे युवक ने युवती पर हमला कर खुद को किया लहूलुहान, भर्ती

घटना उत्तरीपुरा चौकी क्षेत्र के एक गांव की, पुलिस कर रही मामले की जांच

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। जनपद के बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत उत्तरीपुरा में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पर एक सिरफिरे युवक ने घर में घुसकर एक युवती की गर्दन पर ब्लेड से कई वार कर दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद युवक ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और आत्मघाती कदम उठाते हुए खुद को भी गंभीर चोटें पहुंचाईं।

घटना उत्तरीपुरा चौकी क्षेत्र के एक गांव की है। बताया जा रहा है कि युवती अपने घर की साफ-सफाई कर रही थी, तभी उत्तरी गांव का निवासी अरविंद (पुत्र रामखेलावन) घर का दरवाजा खुला देखकर भीतर घुस आया। आरोप है कि युवक ने युवती को घसीटने का प्रयास किया, जब उसने इसका विरोध किया तो पास रखे ब्लेड से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

युवती की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी और राहगीर मौके पर पहुंचे, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों ने आनन-फानन में घायल युवती को नदिया रोड स्थित एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस बल व अन्य। अमृत विचार

- पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को किया गिरफ्तार

सूचना मिलने पर जब पुलिस आरोपी के घर पहुंची, तो उसने खुद को अंदर कैद कर लिया था। उसने सूजा और ब्लेड से अपनी गर्दन और हाथों पर वार कर खुद को भी गंभीर रूप से घायल कर लिया। उत्तरीपुरा चौकी प्रभारी अमित कुमार ने कड़ी मशक्कत के बाद दरवाजा खुलवाया और लहूलुहान युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। एसीपी मंजय सिंह ने बिताया कि युवक मौका पाकर युवती के घर में दाखिल हुआ और उस पर हमला कर दिया। इसके बाद उसने स्वयं को भी घायल कर लिया। पुलिस को प्रार्थना पत्र मिल गया है, जिसके आधार पर जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

छात्रा के साथ की छेड़छाड़, विरोध करने पर की मारपीटः

चौबेपुर। कस्बे के शिवपुरी मोहल्ले से विद्यालय पढ़ने गई छात्रा के साथ कुछ लड़कों ने छेड़छाड़ कर दी।

कस्बे के शिवपुरी मोहल्ला निवासी पीड़िता ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसके जेठ की पुत्री बंदी माता मार्ग स्थित एक विद्यालय में कक्षा 6 की छात्रा है। बताया कि निकट के गांव नोनहा कला गांव निवासी अर्जुन का बेटा उसका आए दिन पीछा करता है। गत गुरुवार दोपहर 12:00 बजे पीछा करते हुए वह घर तक आ पहुंचा। जिस पर जेठ व जेठानी ने डांट फटकार कर उसे समझा दिया। इसके बाद शाम करीब 6:30 बजे अर्जुन अपने गांव के दीपक, अजय ठाकुर, गोलू व अज्ञात साथियों के साथ दोबारा घर पर आ धमका और गाली गलौज की। पति विशाल ने विरोध किया तो मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। इतना ही नहीं घर पर ईंट पत्थर भी चलाए और धमकी देते हुए भाग निकले।

ईद पर नमाज पढ़ कर मुल्क के लिए मांगी अमन-चैन की दुआ

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र में शनिवार को ईद-उल- फितर का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर स्थानीय लोगों के अलावा आसपास गांवों से बड़ी संख्या में कस्बा पहुंचे लोगों ने यहां की बड़ी मस्जिद ईदगाह में ईद की नमाज अदा कर मुल्क में अमन,चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। भीड़ अधिक होने से नमाज दो शिफ्ट में अदा कराई गई। नमाज के दौरान किसी तरह की दिक्कत उत्पन्न न हो, इसके लिए ईदगाह के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

शुक्रवार को ईद का चांद नजर आने के बाद शनिवार को ईद- उल-फितर का पर्व हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया। इस मौके पर कस्बे की जीटी रोड स्थित मस्जिद ईदगाह में सुबह से ही स्थानीय लोगों के अलावा आसपास गांवों से मुस्लिम समुदाय के लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। पर्व को लेकर बच्चे,युवा व वृद्धजनों के चेहरों पर खासा उल्लास नजर आया। ईदगाह में स्थान अधिक न होने व भीड़ अधिक होने से नमाज दो शिफ्ट में अदा हुई। सर्वप्रथम 7:45 बजे पेश इमाम कारी रईश द्वारा ईद की नमाज अदा कराई गई। तत्पश्चात दूसरी शिफ्ट में 8:45 बजे पेश इमाम शफी उर रहमान ने नमाज अदा कराई। इस दौरान लोगों ने अल्लाह से मुल्क में अमन चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। तत्पश्चाप आपसी गिले शिकवे भुलाकर लोगों ने एक दूसरे को गले लगा ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के दौरान जीटी रोड पर आवागमन व किसी तरह की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए ईदगाह के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को मुबारकबाद देते लोग। अमृत विचार

मस्जिद के पास सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद पुलिस बल। अमृत विचार

वृद्ध पर हमला करने वाले सांड़ को भेजा गौशाला

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर नगरपालिका क्षेत्र में अन्ना मवेशियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को सिंह वाहिनी मंदिर के समीप एक खूंखार सांड़ ने एक बुजुर्ग पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और उसे पकड़ कर गौशाला भेजा गया।

गुरुवार को कस्बे के वरिष्ठ अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव के बुजुर्ग चाचा क्षेत्र से गुजर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद एक हिंसक सांड़ ने उन पर अचानक हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह पटक दिया। हमले में बुजुर्ग को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए उप जिलाधिकारी संजीव कुमार दीक्षित ने तत्काल नगर पालिका प्रशासन को सांड़ पकड़ने के कड़े निर्देश दिए। सांड़ को पकड़ना टीम के लिए बड़ी चुनौती साबित हुआ।

नगर पालिका की पूरी टीम ने जाल और रस्सियों के सहारे कई घंटों तक कड़ी मशक्कत की। तब कहीं जाकर सांड़ को पकड़ा जा सका। इसके बाद सांड़ को नंदी गौशाला, कानपुर भेज दिया गया है। इस मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज पटेल, ईओ अंजनी मिश्रा और नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

मां कूष्मांडा देवी मंदिर में दीपोत्सव आज

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन कूष्मांडा देवी मंदिर में आज भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से पूरा परिसर आस्था और भक्ति के रंग में रंग गया है। शाम होते ही दीपों की लौ से मंदिर परिसर आलोकित होगा, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

शनिवार सुबह से ही मां चंद्रघंटा के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। आसपास के गांवों और दूर-दराज इलाकों से लोग विभिन्न साधनों से मंदिर पहुंचे पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर परिसर में नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन भंडारे का आयोजन भी जारी है, जहां बड़ी संख्या में भक्त प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। इसके अलावा कई श्रद्धालु मनोकामना पूरी होने पर दंडवत यात्रा करते हुए मंदिर पहुंच रहे हैं। वहीं मुंडन और कर्ण छेदन जैसे पारंपरिक संस्कार भी पूरे विधि-विधान के साथ कराए जा रहे हैं।

'सपनों की उड़ान' में बच्चों ने बिखेरी सांस्कृतिक छटा

संवाददाता, चौबेपुर

- श्री पवन तनय शिक्षा निकेतन के वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

अमृत विचार। क्षेत्र के शेरपुर बैरा स्थित श्री पवन तनय शिक्षा निकेतन में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'सपनों की उड़ान' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया। शिव तांडव की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने 'देश मेरा', 'पापा मेरे' और 'सूरज के मुंह पर मलाई' जैसे गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विद्यालय परिवार को अपना विशेष शुभकामना संदेश प्रेषित कर बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रबंधक मनीष कुमार श्रीवास्तव एवं शैलेश श्रीवास्तव ने आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से रिटायर्ड आईपीएस रतन श्रीवास्तव, अनूप मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला, धर्मेंद्र कुमार सिंह एवं रीना पांडेय उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता है और उनमें आत्मविश्वास का संचार होता है।

पर्व को लेकर बच्चों में दिखा गजब का उत्साह। अमृत विचार

रसूलाबाद में ईदगाह में नमाज अदा करते लोग। अमृत विचार

देश में अमन-चैन की दुआ को उठे हजारों हाथ

जिलेभर में उत्साह के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर, घरों में सेवइयां-दहीबड़ा से हुआ मेहमानों का इस्तकबाल

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः ईद-उल-फितर का त्योहार जिले भर में जोश के साथ मनाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में नमाजियों ने मस्जिदों में नमाज अदा की। मुल्क में अमन-ओ-अमान के लिए दुआएं मांगी। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाया और फिर ईद की मुबारक बाद दी। घरों में त्योहार की खास सेवइयां और दही-बड़े बने। मेहमानों का इस्तकबाल इन्हीं से किया गया। देर शाम तक मेहमान की आवाजाही बनी रही।

मुकद्दस रमजान का आखिरी जुमा कल था। शुक्रवार की शाम चांद की तस्दीक होने के बाद शनिवार को ईद मनाने का ऐलान हुआ। इसके बाद जोश-ओ-खरोश के साथ तैयारियां हुई। सुबह 9 बजे जिले की अलग-अलग मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। पेश इमाम और शहर काजियों ने त्योहार की नमाज अदा कराई। मुस्लिमों ने देश की शांति और समृद्धि के लिए दुआ मांगी। नमाज के बाद बाहर निकले लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर त्योहार की शुभकामनाएं दीं।

व्यवस्था जांचने को अकबरपुर की बड़ी ईदगाह पहुंचीं एसपी। अमृत विचार

- सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगह जगह तैनात रही पुलिस

मस्जिदों में छोटे-छोटे बच्चे आकर्षण का केंद्र रहे। बढ़िया पोशाकें पहन कर आए बच्चों में ज्यादातर ने तरह-तरह के चश्मे लगा रखे थे। अदब के साथ उन्होंने बड़ों को सलाम कहा और फिर उन्हें ईद मुबारक बोला। बड़ों का पहनावा भी खास रहा। कुर्ता-पायजामा के साथ सफारी सूट, शेरवानी, पैंट-शर्ट सब कुछ दिखा।

माहौल खुशनुमा बनाने को तरह-तरह के इत्र लगाकर भी लोग पहुंचे। मस्जिद के बाद घरों को पहुंचे लोगों ने त्योहार के खास पकवानों के खूब चटखारे लगाए। मेहमान पहुंचे तो उनका भी लजीज पकवानों से स्वागत किया गया।

पूर्व सभापति पहुंचे टोडरपुर, दी मुबारकबाद

ईद मिलन को जाते पूर्व सभापति का टोडरपुर में हुआ स्वागत।

- विधान परिषद के पूर्व सभापति सुखराम सिंह यादव भी ईद मिलन के कार्यक्रम में शामिल हुए। भोगनीपुर के टोडरपुर गांव में जीतेंद्र यादव के नेतृत्व में युवाओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पूर्व सभापति ने नमाज के बाद मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद दी। श्री यादव ने कहा कि खुशियों का त्योहार सभी के जीवन में शांति और समृद्धि लेकर आए, यही कामना है। सुलेमान, गुफरान खान, जसीन खान, मुहम्मद साजिद, अतर हुसैन, अनवर, हरि ओम सिंह यादव आदि रहे।

नमाज के दौरान रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

- त्योहार को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के तगड़े इंतजाम रहे। अकबरपुर की अलविदा मस्जिद में मुख्य नमाज होती है। इस लिहाज से यहां ज्यादा ध्यान दिया गया। यातायात पुलिस ने नमाज और बाद निकलती भीड़ की व्यवस्था को लेकर वाहनों की आवा जाही रोके रखी। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, एएसपी राजेश पांडेय सहित सीओ और इंसपेक्टर फोर्स के साथ पूरे समय मौजूद रहे।

मुबारकबाद देने को पहुंचे नेता

- खुशी के त्योहार ईद की बधाइयां देने को नेता भी पहुंचे। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राठौर, सपा जिलाध्यक्ष अरूण यादव बब्लू राजा, सपा नेता पारूल तिवारी, नीरज सिंह गौर, व्यापारी नेता महेश चंद्र अग्रवाल आदि पहुंचे।

एक-दूसरे को गले लगा दी ईद की मुबारकबाद

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः ईद-उल-फितर का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ईद की नमाज नगर काजी अब्दुल रऊफ बकाई ने अदा कराई। नवाज अदा कराने के पहले उन्होंने भाईचारे का पैगाम दिया और कहा कि यह पर्व आपसी भाईचारे को बढ़ाता है। कस्बे के पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने नमाज के दौरान खुत्बा सुनाया। उन्होंने नमाज के पहले कहा कि ईद का पर्व भाईचारे और आपसी मोहब्बत से जिंदगी गुजारने का पैगाम देता है उन्होंने लोगों को ईद उल फितर की मुबारकबाद दी।

ईद को लेकर नन्हे-मुन्ने बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। ईदगाह के बाहर मेला जैसा माहौल रहा। एक दूसरे को गले लगाकर अपने-अपने अंदाज में बधाई दी। इस बार ईद की नमाज में तादाद पहले से कहीं ज्यादा देखने को मिली।जहां एक ओर ईदगाह का पूरा कैंपस भर गया था तो जिससे ईदगाह को जाने वाले मुख्य मार्ग पर लोगों ने सफें बनाकर नमाज अदा की। रसूलाबाद तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण अंचलों कहिंजरी, असालतगंज, पहाड़ीपुर,उसरी,सेन नाय मोहम्मद नगर, ढकपुरवा, बिरहुन सहित कई गांव में भी ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। ईद की नमाज अदा हो जाने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस मौके पर एसडीम सर्वेश सिंह,सीओ आलोक कुमार , थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह, नायब तहसीलदार सुदर्शन सिंह,कानूनगो कुंवर सिंह,लेखपाल राधेश्याम गौतम सहित अन्य अधिकारी ईदगाह के बाहर मौजूद रहे और लोगों से मिलकर उन्हें ईद की बधाई दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हाफिज साजिद, हाजी महताब,अकील अहमद पट्टा, हाजी फैजान खान, हाजी आफताब आलम मंसूरी, अतहर खान भुट्टो,मुबीन सिद्दीकी राजा, सभासद मो.मशरूफ नवाज, फरहान मिनी, सोहेल अहमद, हाशिम खान, डॉ मु.मुस्तकीम, एहतिशाम खान भोलू,शिक्षक वसीम अहमद, अख्तर हुसैन, सिराज अहमद,सरताज अशरफ,आजाद अली, रहीस निजामी, आरिफ गफ्फरी, खुर्शीद आलम,एबाब खान, सारिक, आसिफ, शानू अहमद,इमरान नियाजी,सिराज अहमद,वारिस मंसूरी मौजूद रहे।

शिवली की ईदगाह मस्जिद में हजारों लोगों ने अदा की नमाज

- **शिवली :** शिवली कस्बा समेत आसपास क्षेत्र में ईद का त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया। ईद के अवसर पर शिवली कोतवाल ने ईदगाह मस्जिद पर जाकर लोगों के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान जामा मस्जिद पर उपजिलाधिकारी व शिवली कोतवाल भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। अरबी भाषा में ईद का अर्थ खुशी माना गया है और इस मौके पर खुशी की अभिव्यक्ति को ही ईद कहा जाता है। शनिवार को कस्बा शिवली स्थित ईदगाह मस्जिद पर सुबह से ही काफी संख्या में मुसलमानों ने एकत्र होकर ईद की नमाज अदा की। इस मौके हाजी मोहम्मद हनीफ मौलाना अब्दुल वाजिद मौलाना नूरमोहम्मद इरफान अहमद,यूनुस अली,शोएब खान,रियाज अहमद,फरजान राइन, रिजवान राईन, वसीम, सफीक मंसूरी आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

रनियां में अवैध कैसीनो पर छापामारी, संचालक सहित चार हिरासत में

रनियां : रनियां पुलिस ने शनिवार को कस्बे में अवैध रूप से संचालित एक कैसीनो में छापामारी की। इस दौरान वहां अफरातफरी मच गई। पुलिस ने घेराबंदी कर कथित संचालक सहित चार युवकों को कैसीनो मशीन में जुआ खेलते पकड़ा है। पुलिस ने मौके से करीब आठ हजार रुपये बरामद किए हैं। सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई है। रनियां पड़ाव पर स्थित एक मार्केट के अंदर कमरें में काफी दिनों से अवैध रूप से कैसीनो मशीन में जुआ खिलाया जाता है। शनिवार की दोपहर मुखबिर की सूचना पर उप निरीक्षक देवेन्द्र पाल सिंह ने पुलिस बल के साथ कैसीनो में छापेमारी की। इस दौरान वहां संचालक सहित तीन अन्य लोग मशीन में जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने सभी को पकड़ा और कैसीनो मशीन व बरामद रुपयों सहित रनिया थाने ले गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने बताया कि छापेमारी के दौरान करीब 8 हजार रुपये तथा एक कैसीनो मशीन बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एसडीएम और सीओ ने किया पैदल मार्च

रनियां। रनियां कस्बे में शनिवार को एसडीएम व सीओ सदर के नेतृत्व में पुलिस ने पैदल मार्च किया। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का आभास कराया और जनता से बातचीत की। लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की सलाह दी गई। एसडीएम सुरभि शर्मा व सीओ सदर संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ किशरवल रोड पर पैदल गश्त कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान अफसरों ने कस्बा वासियों को आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की । माहौल बिगाड़ने वाले लोगों को स्पष्ट चेतावनी दी, कि ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों के मनोरंजन के लिए फनडे कैंप का आयोजन

शिवली। नगर पंचायत शिवली स्थित रामेश्वर पब्लिक स्कूल में एडवेंचरस स्पोर्ट्स फनडे कैंप का आयोजन रविवार को किया जाएगा। फनडे इंजॉय कैंप में विद्यालय की ओर से बच्चों के मनोरंजन के लिए किया जाएगा। कस्बा शिवली स्थित रामेश्वर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डॉ रामशरण तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 मार्च रविवार को विद्यालय में एडवेंचरस स्पोर्ट्स फनडे कैंप का आयोजन किया जाएगा। फंडे कैंप में जिसमें बच्चों की खेलकूद की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा साथ ही साथ बच्चों के मनोरंजन का इंतजाम किया गया है।

बालिका के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कानपुर देहात। थाना रसूलाबाद की पुलिस नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को धर दबोचा। मामले में कार्रवाई करते हुए थाना पुलिस आरोपी अजय कुमार पुत्र स्व0 राजेन्द्र कुमार निवासी ग्राम माल का पुरवा, थाना रसूलाबाद को माल का पुरवा मोड थाना रसूलाबाद से गिरफ्तार किया। एक फरवरी को हुई घटना के संबन्ध में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना के क्रम में साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 64(1) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई।

किसान मेले में दी नैनो यूरिया, डीएपी के प्रयोग की जानकारी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूरे होने पर शनिवार को कृषि विभाग की ओर से रसूलाबाद में किसान समृद्धि एवं त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत किसान मेले का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। अधिकारियों ने उन्हें नई तकनीक और उपज बढ़ाने के तौर-तरीकों के बारे में जानकारी दी। कृषि के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में भी बताया। इफको से आए अधिकारी अक्षय राज ने किसानों को नैनो यूरिया एवं नैनों डीएपी के प्रयोग की जानकारी दी। पूर्व अपर जिला कृषि अधिकारी अमर सिंह पाल ने विभाग के द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के बारे में जानकारी दी जब कि त्वरित मक्का विकास के संबंध में कुलदीप वर्मा ने किसानों को विधिपूर्वक समझाया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार ने किसानों को सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए पात्र लोगों को उनका लाभ दिए जाने की बात कही। कृषि विभाग से आए उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव, जिला कृषि अधिकारी डॉक्टर उमेश कुमार गुप्ता , खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

सड़क पर जाम लगाने पर दो दर्जन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शिवली। बीते दिनों हुए हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत के बाद उत्तेजित ग्रामीणों द्वारा मंगलवार को शिवली रूरा मार्ग पर जाम लगाकर हंगामा किया था। इस पर पुलिस द्वारा दो दर्जन लोगों को नामजद करते हुए एक सैकड़ा अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि 14 मार्च की रात तिगांई गई बारात से वापस आते समय रूरा थाना क्षेत्र के गहलों गांव के पास सड़क दुर्घटना में जुगराजपुर शिवली निवासी रूपेंद्र, अनुराग, सुमित गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। 17 मार्च को भूरा, धर्मराज पाल, मनीष पाल, राहुल, अरविंद, प्रमोद, मनोज, सुशील, अंशु, धर्मेंद्र, सोनू, रामकुमर, नरेश, बडेलाल, पप्पल देवीपुर गांव के दीपू, लालता प्रसाद,बाबू,बैजूपुरवा निवासी मोनू, ग्राम लाटा निवासी विपिन,जयप्रकाश, सूरजपुर निवासी सूरजपाल, बढईनपुरवा निवासी ज्ञान सिंह व सुरेश पाल के अलावा एक सैकड़ा अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शिवली रूरा मार्ग पर सीएचसी के सामने सुमित के शव को बीच सड़क पर रखकर जाम लगा दिया गया था। ठससे यातायात बाधित हो गया था। जाम लगाकर सरकारी कार्य में बाधा डालने को लेकर मुकदमा कायम किया गया है।

रातभर हुआ सांवरे श्याम का गुणगान

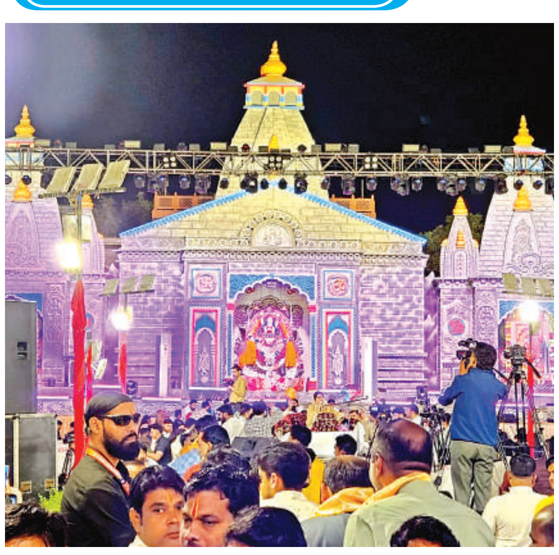
केदारनाथ थीम पर सजा मंच : अकबरपुर का जनकपुरी मैदान शनिवार की रात श्री श्याम मय हो गया। श्री श्याम परिवार द्वारा आयोजित पंचम श्री श्याम महोत्सव में भारी भीड़ उमड़ी। बरेली की अंजली द्विवेदी, श्री धाम वृंदावन की पूनम और कानपुर के श्याम लाडला की प्रस्तुतियों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंच की साज-सज्जा ने सभी को मंत्र मुग्ध किया। केदारनाथ थीम पर आधारित सजावट देखते ही बन रही थी। रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा पंडाल रात भर जगमगता रहा।

स्वल्पाहार करा बालिकाओं को वितरित कीं कॉपी और किताबें

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः प्रयागराज की संस्था विशाल संकल्प संस्थान ने नवरात्र के अवसर पर माती मुख्यालय के पास स्थित गांव नबीपुर में कन्या पूजन का विशेष कार्य क्रम आयोजित किया। इसमें तीन दर्जन से ज्यादा लड़कियों ने भाग लिया। स्वल्पाहार के साथ बच्चियों को दक्षिणा में किताब-कॉपी व स्वच्छता किट वितरित की गई।

संस्थान की संचालिका डॉ अंजली केसरी ने बताया कि संस्था कार्यक्रम के माध्यम से बच्चियों में आत्मविश्वास पैदा करने की मंशा है। लड़कियां और नारीशक्ति की शिक्षा और सम्मान सुरक्षित हो और वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकें, इसके लिए संस्था प्रयासरत है। सामूहिक कोशिशों से काफी बेटियां संस्था से जुड़ कर अपने जीवन में बदलाव ला चुकी हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाज सेविका कंचन मिश्रा ने कार्यक्रम की प्रसन्शा की और बच्चो को निरंतर पढ़ने और बढ़ने का संकल्प भी दिलाया।

नबीपुर गांव में हुए कार्यक्रम में पहुंचीं कंचन मिश्रा। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में जहां छोटे छोटे बच्चे मोबाइल में समय बिता रहे हैं वहीं वह बच्चों को सनातन से जोड़ रहीं है। बच्चों को सभी मंत्रोच्चार और हनुमान चालीसा, सूर्य नमस्कार आदि सिखाया जा रहा है। बहुत नेक कार्य किया जा रहा है। मुख्य अतिथि ने यहां प्रतिदिन शाम को नानी की संस्कारशाला में सीखी गई बातों को देखा, बेटियों को उच्च शिक्षा की ओर बढ़ने को प्रेरित किया।

बेमौसम बारिश से किसानों की बढ़ीं मुश्किलें, कटाई प्रभावित

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः मौसम के अचानक बदले तेवरों एवं हुई बूंदाबांदी व बारिश से किसान परेशान है । इस बेमौसम बारिश ने गेहूं, चना , सरसों और आलू सहित धनियां आदि की फसलों के नुकसान को लेकर किसने की चिंता बढ़ा दी है।

अनेक क्षेत्रीय किसानों ने बताया कि इस बेमौसम बारिश से गेहूं, चना, लाही (सरसों), धनिया और आलू जैसी प्रमुख फसलों में बारिश और नमी के कारण नुकसान हो रहा हैं। लगातार फुहारों और खेतों में बढ़ी नमी से फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना है। नमी बढ़ जाने से हवाओं के चलने पर गेहूं की फसलों के गिरने से उसकी पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। स्थानीय किसानों ने बताया कि अब तक लगभग 30 प्रतिशत फसल प्रभावित हो चुकी है। उनका कहना है कि यदि बारिश जारी रही तो पूरी फसल प्रभावित हो सकती है।

मौसम में अचानक आए बदलाव के बाद फसल को सुरक्षित करता किसान।

गुणवत्ता में खामी

83 लाख से अधिक की आई लागत, 18 मार्च को हुआ डामरीकरण

डामरीकरण के बाद ही उखड़ने लगी सड़क, अनियमितता का आरोप

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः लोक निर्माण विभाग द्वारा 18 मार्च को बनाई गई सड़क 19 मार्च को ही उखड़ने लगी है। इसी मार्ग पर बनाई गई पुलिया में भी दरार आ गई है। लोगों ने निर्माण में निर्धारित मानकों के अनदेखी का आरोप लगा इसकी शिकायत अवर अभियंता से की है। ग्रामीणों की शिकायत पर अवर अभियंता अधिशासी अभियंता के साथ मौके पहुंचे और उसके नमूने लेकर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

तहसील क्षेत्र के गजेनपुर खास-करकरापुर गांव में लोक निर्माण विभाग द्वारा 83 लाख 20 हजार 371 रुपये की लागत से बनाई जा रही लगभग 2 किलोमीटर लंबी सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठे। सिंहपुर लिंक रोड से टाड़ापुर गांव तक की इस सड़क के निर्माण में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि 18 मार्च को सड़क पर डामरीकरण किया गया था। अगले ही दिन जब लोगों ने इस पर चलना शुरू किया, तो सड़क की परत पैर से उखड़ने लगी। आरोप है कि मिट्टी के ऊपर बिना किसी मजबूत आधार के सीधे सूखा डामर और गिट्टी डालकर रोलर चला दिया। इससे सड़क टिकाऊ नहीं बन पाई है। इसके साथ ही जल निकासी के लिए बनाई गई पुलियों के निर्माण में भी घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार, पुलियों में सीमेंट की जगह अधिक बालू का प्रयोग किया गया।

सड़क की गुणवत्ता दिखाते ग्रामीण। हाल ही में निर्मित पुलिया में पड़ी दरार।

इस पर क्षेत्रीय ग्रामीणों पप्पू तिवारी, परमेश्वर दयाल, विनोद पांडे, अमित चौबे, मोनू सविता, राकेश तिवारी, अनूप तिवारी, छुन्ना शुक्ला, रमाकांत व्यास, दिव्यांशु दुबे, छिट्टू तिवारी और सोनू तिवारी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने आशंका व्यक्त की है कि बारिश के मौसम में यह सड़क पूरी तरह जर्जर हो जाएगी और पुलियां भी क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जब ग्रामीणों ने ठेकेदार से निर्माण की गुणवत्ता सुधारने के लिए कहा तो उन्होंने ग्रामीणों की बात को नजरअंदाज कर दिया। इस पर ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पीडब्ल्यूडी के जेई तारिक कमर से की। जेई तारिक कमर ने बताया कि मामले की ग्रामीणों द्वारा उन्हें सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर वे तत्काल मौके पर अधिशासी अभियंता सुनील कुमार के साथ गए और निर्मित सड़क का सैंपल लिया। उन्होंने बताया है कि यदि जांच में आरोप सही पाए गए तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एडवोकेट चैंबर के पास मजदूर की गई जान, नशे में मौत की चर्चा

संवाददाता, रसूलाबाद

- घर से मजदूरी करने को निकला था रसूलाबाद के शास्त्री नगर का निवासी, जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचारः रसूलाबाद तहसील परिसर में शनिवार को संदिग्ध हालत में एक अधिवक्ता के चेंबर के पास नशेबाज मजदूर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी भिजवाया जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

कस्बा के शास्त्री नगर निवासी सुनील दिवाकर 50 वर्ष पुत्र गेंदन लाल नशेबाज प्रवृत्ति का मजदूर था। वह शनिवार सुबह घर से मजदूरी पर जाने की बात कह कर निकाला था लेकिन शाम करीब 6बजे वह तहसील परिसर में एक अधिवक्ता के चेंबर के पास अचेतावस्था में पड़ा मिला। उसे देख लोगों ने सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे कस्बा इंचार्ज प्रमोद कुमार दीक्षित उसे अपने सरकारी वाहन से सीएचसी ले गए जहां ईएमओ डॉक्टर प्रणयवीर कुशवाहा ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना से परिजनों में कोहराम गया। घटना की सूचना पर सीएचसी पहुंची दिव्यांग पत्नी मंजू, बेटी काजल, बेटा शिवा समेत अन्य परिजन बिलखने लगे । ग्रामीणों की माने तो सुनील शराब के साथ-साथ इंजेक्शन का भी नशा करता था। नशे की अधिकता के कारण लोग मौत होने का अनुमान लगा रहे हैं ।

महिलाओं-बालिकाओं को किया जागरूक

कानपुर देहात। मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत शनिवार को महिला पुलिस कर्मियों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को बाजारों, सार्वजनिक स्थानों में जागरूक किया गया। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों तथा अपराधों से बचाव के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं ने सोशल मीडिया पर व्याप्त साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक जानकारी दी गई। महिलाओं को उनके कानूनी अधिकार पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, साइबर अपराधों से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की जानकारी प्रदान की गई।

चतुर्थ कूष्मांडा

नवरात्र में चौथे दिन देवी को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब इसी देवी ने ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है। माँ कूष्माण्डा की पूजा से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र... माँ कूष्मांडा: ऐं ह्री देव्यै नम:

सेंट्रल नहीं आएंगी स्वर्ण शताब्दी और अयोध्या की वंदे भारत एक्स.

शुक्लागंज (बायां) रेल पुल की मरम्मत के कारण लिया जाएगा मेगा ट्रैफिक ब्लॉक

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। रेलवे ने लखनऊ और अयोध्या रूट की दो प्रीमियम ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया है। रेलवे ने शुक्लागंज (गंगा पुल बायां किनारा) के मेंटेनेंस के कारण अप्रैल और मई में रूट डायवर्जन किया है। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि शुक्लगंज गंगा पुल पर स्लीपर बिछाने का काम कराया जाना, यात्री सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी है।

अयोध्या की वंदे भारत एक्सप्रेस नई दिल्ली में आनन्द विहार से चलकर गाजियाबाद के रास्ते कानपुर नहीं आकर 2 अप्रैल से 12 मई तक मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर के रास्ते लखनऊ होकर अयोध्या जाएगी। इसी तरह स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस नई दिल्ली से गाजियाबाद होकर कानपुर नहीं आएगी और मुरादाबाद, बरेली होकर संचालित की जाएगी।

इन ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन

- 12103/04 पुणे वीकली सुपरफास्ट 13 मई तक
- 22121/22 एलटीटी-लखनऊ वीकली सुपरफास्ट 9 मई तक
- 54335/36 बालामऊ पैसेंजर उन्नाव में 2 अप्रैल से 13 मई तक कानपुर नहीं आकर उन्नाव तक चलेगी
- 12107 एलटीटी-सीतापुर सुपरफास्ट साढ़े तीन घंटे लेट चलेगी

प्रयागराज होकर डायवर्ट की गईं ट्रेनें

- 13168 आगरा कैंट –कोलकाता वीकली एक्सप्रेस
- 12876 नीलांचल एक्सप्रेस
- 19053 सूरत – मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस
- 15270 जनसाधारण एक्सप्रेस
- 09465 दरभंगा क्लोन स्पेशल
- 13238/40 कोटा – पटना एक्सप्रेस
- 15734/44 फरक्का एक्सप्रेस

गोरखपुर व अयोध्या रूट की ट्रेनें जो कानपुर से प्रतापगढ़, अयोध्या होते गोरखपुर जाएंगी

- 11079 लोकमान्य तिलक – गोरखपुर
- 15066 पनवेल – गोरखपुर
- 15046 ओखा – गोरखपुर
- 22534 यशवंतपुर – गोरखपुर
- 12598 गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस
- 15030 पुणे – गोरखपुर एक्सप्रेस

- पहली अप्रैल से 13 मई तक प्रभावित रहेगा कानपुर से लखनऊ रूट
- 18 अन्य ट्रेनें निरस्त की गईं, 7 ट्रेनों का परिचालन आंशिक संशोधित

रद्द की गईं अन्य ट्रेनें

- 64701/02 वीएलबी झांसी-लखनऊ मेमू 2 अप्रैल से 13 मई तक दोनों छोर से निरस्त रहेगी।
- 54154/53 रायबरेली पैसेंजर 2 अप्रैल से 13 मई तक निरस्त रहेगी।
- 64212 कानपुर-लखनऊ मेमू 2 अप्रैल से 13 मई तक नहीं चलेगी।
- 64255 उतरेटिया-कानपुर मेमू 3 अप्रैल से 14 मई तक रद्द रहेगी।
- 54101/02 प्रयागराज संगम- अनवरगंज पैसेंजर 2 अप्रैल से 13 मई तक निरस्त की गई है।
- 54325/26 सीतापुर-कानपुर पैसेंजर 1 अप्रैल से 12 मई तक नहीं चलेगी।
- 55345/46 कासगंज पैसेंजर का 2 अप्रैल से 14 मई तक संचालन नहीं होगा।
- 64203 लखनऊ मेमू 2 अप्रैल से 14 मई तक और
- 64214 लखनऊ मेमू 1 अप्रैल से 13 मई तक नहीं चलेगी।
- 11109/10 वीएलबी झांसी-लखनऊ इंटरसिटी 2 अप्रैल से 13 मई तक रद्द रहेगी।
- 14101/02 प्रयागराज संगम-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस 2 अप्रैल से 13 मई तक नहीं चलेगी।

गूगल सर्च से नंबर लेकर अपॉइंटमेंट पड़ा महंगा

कानपुर। नजीराबाद में गूगल सर्च इंजन पर नंबर तलाशकर डॉक्टर से अपॉइंटमेंट महंगा पड़ा। गूगल से मिले नंबर पर कॉल करने पर साइबर ठग ने पांच रुपये का टोकन लेकर नंबर लगाने की सलाह दी। जिस पर पीड़ित ने पांच रुपये ऑनलाइन भुगतान कर दिया। इसके बाद साइबर ठग ने पीड़ित के दो बैंक खाते से 11.44 लाख रुपये पार कर दिए। घटना के बाद पीड़ित एक साल मुकदमा दर्ज कराने के लिए भटका। अब जाकर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

कौशलपुरी निवासी विष्णु मोहन ठक्कर ने बताया कि बीते साल अस्वस्थ होने के कारण 16 मार्च 2025 को उन्होंने सनातन धर्म चिकित्सालय में कॉल की। कॉल रिसीव नहीं होने पर उन्होंने गूगल सर्च इंजन पर चिकित्सालय का नाम व नंबर सर्च किया। उससे मिले मोबाइल नंबर पर संपर्क कर डॉक्टर के बारे में पूछा, तो उन्हें दूसरे दिन डॉक्टर के मिलने की जानकारी दी गई। इस बीच उन्हें सलाह दी गई। अगर अभी पांच रुपये में टोकन नंबर लेते हैं तो नंबर लग जाएगा। लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। भीड़ से बच जाएगे। इस पर पांच रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करने को कहा। जिसके बाद उन्होंने पांच रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके कुछ देर बाद उनके दो बैंक खाते से 11.44 लाख रुपये निकल गए। नजीराबाद थाना प्रभारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

नारेबाजी करते गौरक्षा व बजरंग दल के कार्यकर्ता। अमृत विचार

ईद पर माहौल बिगाड़ने का प्रयास, पशु का गला काटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गौरक्षा दल, बजरंग दल ने किया हंगामा, पुलिस ने पशु को दफनवाया

अमृत विचार। नौबस्ता के हंसपुरम में ईद के अवसर पर माहौल बिगाड़ने का प्रयास हुआ। घर के बाहर बंधे पशु को पार्क में ले जाकर उसका गला काट दिया गया। मार्निंग वॉक करने निकले लोगों ने रक्तरंजित पशु पड़े देखा तो हड़कंप मच गया। पुलिस ने मृत पशु ले जाकर दफना दिया। बजरंग दल, गौरक्षा दल के कार्यकर्ता पहुंच गए। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने पशु पालक की तहरीर पर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की है।

मछरिया निवासी अशोक कुमार तिवारी के घर पर तीन पशु पले हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात दो पशु लापता हो गए। शनिवार तड़के जब वह उठे तो दोनों को गायब पाकर उनकी खोजबीन करने लगे। बाद में आवास विकास सिक्स-ए स्थित पार्क में एक पशु कटा मिला। दूसरा पशु सुरक्षित मिला। प्रत्यक्षदर्शी ठेकेदार अनिल सिंह चौहान ने बताया कि शनिवार सुबह करीब छह बजे वह रोज की तरह मार्निंग वॉक के लिए निकले थे। तभी उन्होंने पार्क में गर्दन कटा पशु पड़े देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस मृत पशु लेकर चली गई। ईद के दिन और मिलीजुली आबादी वाले इलाके में कटा पशु मिलने से हड़कंप मच गया। बजरंग दल और गोरक्षा दल कार्यकर्ता मौके पर और फिर चौकी पहुंच गए।

सीसीटीवी में दिखे दो संदिग्ध

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि दो संदिग्ध सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। आवास विकास हंसपुरम पार्क के पास ही स्थित एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी तड़के 3 .33 बजे दोनों संदिग्धों की हलचल कैद हुई है।

शहर में आज

- **सत्संग :** निरंकारी मिशन द्वारा सत्संग व माता सुदीक्षा जी महाराज का प्रवचन सुबह 11 बजे से।
- **कथा :** विश्वविद्यालय सभागार में श्री हनुमान कथा का आयोजन दोपहर साढ़े तीन बजे।
- **समारोह :** स्वरूप नगर मधुराज हॉस्पिटल के पास समर्पण में काव्य सम्मान समारोह शाम को पांच बजे।
- **होली मिलन :** जेके कॉलोनी वेलफेयर सेंटर पार्क जाजमऊ में होली मिलन समारोह शाम पांच बजे।
- **शोभा यात्रा :** श्री सनातन धर्म सभा द्वारा मोहन मंदिर ब्लाक नंबर पांच गोविंद नगर से शोभा यात्रा शाम छह बजे।
- **महोत्सव :** श्रीलखदातार परिवार द्वारा श्री श्याम महोत्सव दि ब्रिज होटल जीटीरोड में शाम को सात बजे।

आज यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। दादा नगर के 125बी औद्योगिक क्षेत्र में सुबह 10 बजे से शाम को छह बजे तक, धनकुट्टी, चावलमंडी, जनरलगंज, हालसी रोड, मेस्टन रोड, मनीराम बगिया, गंगागंज व रतनपुर में सुबह 11 बजे से शाम को चार बजे तक बिजली नहीं रहेगी। इसके अलावा पॉलीमर औद्योगिक क्षेत्र में दोपहर 12 बजे से ढ़ाई बजे तक, नौरेया खेड़ा में सुबह सात बजे से 10 बजे तक और मीतासराय के एलपीजी दो व तीन में बिजली सुबह साढ़े 10 बजे से शाम को साढ़े तीन बजे तक नहीं रहेगी।

अभी रेलवे के सुपरएप 'रेलवन' से नहीं मिल रही पूरी सुविधा

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- रिटायरिंग रूम व डॉरमेट्री बुक करने के लिए आईआरसीटीसी एप का करना पड़ रहा इस्तेमाल
- दोनों एप के लिए यात्रियों को करना पड़ रहा है अलग-अलग आईडी बनाने की समस्या का सामना

अमृत विचार। रेलवे का सुपरएप 'रेलवन' अभी सिर्फ टिकट बुक करने और खाने का ऑर्डर देने के काम आ रहा है। यात्रा के बाद गंतव्य स्टेशन पर पहुंचने के बाद रिटायरिंग रूम बुक नहीं हो रहे हैं। डारमेट्री बुक करने के लिए यात्रियों को आईआरसीटीसी एप का ही सहारा लेना पड़ रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जिस फोन नंबर और आधार संख्या से आईआरसीटीसी की आईडी रजिस्टर्ड है, उस फोन नंबर से रेलवन की आईडी सत्यापित नहीं हो रही है। ऐसे में यात्रियों के सामने समस्या है कि टिकट बुक करने और रिटायरिंग रूम बुक करने के लिए दो आईडी का प्रयोग क्यों और कैसे किया जाए? रेलवन एप सिर्फ टिकटिंग का जरिया भर रह गया है। इसके सिवा रेल मदद, पीएनआर स्टेट्स, फूड का आर्डर, ट्रेन का स्टेट्स चेक करने के लिए हैं। दूसरी ओर सामान्य यात्रा की टिकट ली जा सकती है जिसमें तीन प्रतिशत की छूट प्राप्त हो रही है। यात्रियों की समस्या पर रेल अधिकारी ने बताया कि डॉरमेट्री व रिटायरिंग रूम का विकल्प भी जल्द ही सुपरएप में जोड़ा जाएगा। आधार सत्यापन पर अधिकारी ने बताया कि क्रिस (रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र) के सामने ये समस्या रखी जाएगी।

नई दिल्ली का वंदे भारत टिकट रेलवन एप से मिल रहा सस्ता

- आईआरसीटीसी व रेलवन एप के सुविधा शुल्क में अंतर है। सुपर एप रेलवे का अलग एप है, जबकि आईआरसीटीसी रेलवे का उपक्रम है। वंदेभारत एक्सप्रेस से अगर कानपुर से नई दिल्ली की टिकट रेलवन एप से ली जाए तो चेयरकार के लिए 1273 .60 रुपये किराया लग रहा है। इसमें जीएसटी शून्य व आईआरसीटीसी का सुविधा शुल्क 23 .60 रुपये लग रहा है। अब अगर आईआरसीटीसी से यही टिकट ली जाए तो 1285 .40 रुपये की पड़ रही है। इसमें आईआरसीटीसी का सुविधा शुल्क 35 .40 रुपये शामिल है।

गुड न्यूज | डिफेंस कॉरिडोर में 12,803 करोड़ का निवेश, गोला-बारूद, बैलिस्टिक मैटेरियल्स का निर्माण

डिफेंस-लेदर इंडस्ट्री से रोजगार को रफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डिफेंस और लेदर इंडस्ट्री कानपुर में औद्योगिक निवेश को नई दिशा दे रही है। एक समय पारंपरिक उद्योगों तक सीमित रही शहर की पहचान डिफेंस कॉरिडोर, रमईपुर मेगा लेदर क्लस्टर और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत मिले निवेश के प्रस्तावों से बदलती नजर आ रही है। बुनियादी ढांचे का विकास होने से निजी निवेशकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है, इससे उद्योगों के विस्तार और रोजगार के नए अवसरों की उम्मीद मजबूती पा रही है।

डिफेंस कॉरिडोर ने औद्योगिक निवेश की मजबूत नींव रखी है। यहां 12,803 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। कई कंपनियों को जमीन आवंटित हो चुकी है। अदानी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नॉलाजीज लिमिटेड 1500 करोड़ रुपये लागत वाली अपनी गोला-बारूद निर्माण यूनिट में उत्पादन कर रही है। एआर पॉलिमर्स ने 48 करोड़ से डिफेंस टेक्सटाइल्स तथा आधुनिक मटेरियल्स एंड साइसेंज ने 38.58 करोड़ से बैलिस्टिक मटेरियल्स का उत्पादन शुरू किया है। शुरू में सरकार ने यहां करीब 23.94 करोड़ रुपये खर्च करके बुनियादी ढांचा तैयार किया था, जिसके बाद निजी निवेशकों ने तेजी से दिलचस्पी दिखाई। रमईपुर में 5,850 करोड़ रुपये के निवेश से प्रस्तावित मेगा लेदर क्लस्टर परियोजना के जरिए पारंपरिक चमड़ा उद्योग को आधुनिक और प्रदूषण नियंत्रित स्वरूप देने की तैयारी है। इसके विकसित होने पर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर बनने की उम्मीद है। पिछली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में कानपुर नगर और देहात के लिए करीब 1.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव (एमओयू) साइन किए गए थे। इनमें टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल और प्लास्टिक जैसे सेक्टर शामिल हैं, जिनसेऔद्योगिक विकास का दायरा और बढ़ने वाला है।

अडानी डिफेंस कॉरिडोर। अमृत विचार

अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस डिफेंस कॉरिडोर साढ़ में 500 एकड़ में फैले गोला-बारूद बनाने के अपने कारखाने को विस्तार देने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए 7,000 करोड़ रुपये निवेश की तैयारी है। कंपनी का लक्ष्य सेना, केंद्रीय जांच एजेंसियों, पुलिस और स्पेशल यूनिट्स को गोला-बारूद की जरूरत का एक चौथाई हिस्सा सप्लाई करना है। कॉरिडोर में पहले से ही कंपनी छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का उत्पादन कर रही है। इस यूनिट में उत्पादन क्षमता 15 करोड़ राउंड से बढ़ाकर 50 करोड़ राउंड करने की भी योजना है।

नगर निगम करेगा 18 कार्य मिली प्रशासनिक स्वीकृति

थीम पार्क, प्रवेश द्वार, सुरक्षा व ट्रैफिक पार्क की स्थापना होगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम शहर में अवस्थापना निधि के अंतर्गत सांस्कृतिक व थीम पार्कों का निर्माण, पर्यटन व ऐतिहासिक स्थलों का विकास और बड़े नालों पर क्रैश बैरियर एवं कवरिंग, मॉडल रोड का विकास समेत 18 विकास कार्य करेगा। इन प्रस्तावित 18 विकास कार्यों का परीक्षण शासनादेशों व निधि नियमों के अनुरूप गठित समिति ने कर रिपोर्ट जिलाधिकारी को दी, जिसपर जिलाधिकारी ने प्रशासनिक स्तर पर स्वीकृति प्रदान कर दी है।

नगर निगम पर्यावरण संरक्षण, योग, स्वास्थ्य जागरूकता के लिए सांस्कृतिक एवं थीम पार्कों का निर्माण करेगा, जिसके तहत मॉडल टाउन में मेडिटेशन थीम पार्क, झांसी रानी पार्क में सेंसरी व हाईजीन थीम पार्क के निर्माण से लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित व शिक्षाप्रद वातावरण प्राप्त हो सकेगा। पर्यटन एवं ऐतिहासिक स्थलों का विकास के तहत फूलबाग क्षेत्र में गो-कार्टिंग ट्रैक, परेड रामलीला मैदान में बेहतर प्रवेश द्वार और नगर के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर भव्य द्वारों का निर्माण किया जाएगा, जिससे नगर की सांस्कृतिक पहचान और बेहतर होगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा व स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके अलावा जेके कैंसर अस्पताल परिसर में प्रतीक्षालय का निर्माण, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर स्टील बेंच व शेड की स्थापना, सिद्धनाथ घाट श्मशान स्थल पर अतिरिक्त शेड, शेखपुर ग्राम में सामुदायिक केंद्र का पुनर्निर्माण नगर निगम द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा बड़े नालों पर क्रैश बैरियर एवं कवरिंग, मॉडल रोड का विकास, ट्रैफिक पार्क की स्थापना व धोबीघाट की स्थिति सही होने से नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यातायात अनुशासन व स्वच्छता को भी बढ़ावा मिलेगा।

वहीं, नगर निगम में हाईटेक कॉन्फ्रेंस रूम व जलकल कार्यालय की प्रणाली को और अधिक मजबूत करने से प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी। वहीं, म्युनिसिपल बॉन्ड संबंधी परियोजनाएं नगर निगम की आय में वृद्धि कर नगर को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

11905.70 लाख का आएगा खर्च

- नगर निगम के नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के मुताबिक कुल प्रस्तावित धनराशि 11905.70 लाख है, जिसमें से लगभग 62 प्रतिशत राशि आय सृजन से संबंधित परियोजनाओं पर और लगभग 75 प्रतिशत राशि स्थायी प्रकृति के निर्माण कार्यों पर व्यय की जाएगी। यह पहल नगर के समग्र विकास, आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक संरक्षण व जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन परियोजनाओं के माध्यम से नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ, सुव्यवस्थित व आधुनिक नगरीय वातावरण उपलब्ध होगा।

सिटी ब्रीफ

मंदिर में चार महिलाओं की चेन चोरी

कानपुर। नवरात्र पर काली मठिया मंदिर शास्त्रीनगर में दर्शन करने पहुंचीं चार महिलाओं की गले से चेन चोरी हो गई। एक श्रद्धालु ने आरोपी महिला को रंगेहाथ पकड़ पुलिस के हवाले किया। लोगों के अनुसार दो दिन में चार महिलाओं की चेन व मंगलसूत्र चोरी हुए हैं। विजय नगर निवासी कोमल गुप्ता ने बताया कि शनिवार सुबह वह काली मठिया मंदिर में दर्शन करने गई थी। तभी भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला ने उनकी चेन तोड़ ली। हालांकि उन्होंने आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया। महिला को पीटने के बाद मंदिर में मौजूद मिशन शक्ति की टीम को सौंपकर मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं शास्त्री नगर निवासी वात्सेय त्रिपाठी के अनुसार शुक्रवार को उनकी मां मंजू मंदिर गई थी। जहां उनकी चेन गले से तोड़ ली गई। उनके अलावा तीन अन्य महिलाओं की चेन चोरी हुई है। काकादेव थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने बताया कि पीड़िता कोमल गुप्ता की शिकायत पर आरोपी सुनीता निवासी अजगैन उन्नाव को जेल भेजा गया है।

घर के बाहर नशेबाजी का विरोध, महिला को पीटा

कानपुर। रेलबाजार में महिला ने आरोप लगाया है कि पड़ोस का युवक घर के बाहर नशेबाजी कर गाली-गलौज कर रहा था। मना करने पर उसने अपने परिवार के साथ मिलकर उन्हें मारापीटा। रेलबाजार के मीरपुर कैंट निवासी 45 वर्षीय महिला गुड्डन के अनुसार उनका पड़ोसी युवक विवेक आएदिन शराब के नशे में उनके घर के बाहर खड़े होकर गाली-गलौज करता है। जिस पर वह विरोध करती हैं। महिला ने बताया कि बीती दस मार्च को वह अपनी एक साल की पोती को लेकर दरवाजे के बाहर बैठी थीं, तभी विवेक नशे की हालत में आया और पीड़िता को बाल पकड़कर घसीटा। इसके बाद आरोपी पीटने लगे। शोर सुनकर उनकी बहू बीच बचाव करने आई तो उसके परिजन अन्नू, मुकदर और प्रिया आ गए। इसके बाद सभी ने मिलकर मारपीट की। धमकी देकर चले गए। थाना प्रभारी अमान सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

अपराधी पर धमकाने का मुकदमा दर्ज

कानपुर। जूही पुलिस ने यूट्यूबर को फोन कर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू की है। यूट्यूबर सोनू गुप्ता ने दी तहरीर में बताया कि वह वीडियो बनाकर खबर के तौर पर प्रसारित करते हैं। बीती चार मार्च की रात करीब सवा दस बजे एक अंजान नंबर से मंगल सोनकर नामक युवक ने कॉल कर उसे धमकाया। आरोपी ने खुद को शातिर अपराधी टार्जन सोनकर का बहनोई बताया और उसके खिलाफ वीडियो बनाना बंद करने को कहा। ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी। सोनू का दावा है कि उसके पास इसकी रिकॉर्डिंग है। जूही थाना प्रभारी केके पटेल ने बताया कि आरोपों की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

चोर गिरफ्तार, माल बरामद किया

कानपुर। बर्रा पुलिस ने सेवानिवृत्त बैंक कर्मी के बंद घर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए शनिवार को एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ है। पकड़ा गया आरोपी जरौली फेज-वन निवासी आशीष गौतम उर्फ भोलू है। वह पहले भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है। बर्रा इंस्पेक्टर रविंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि जे ब्लॉक विश्वबैंक निवासी हर्ष सक्सेना के घर चोरी हुई थी। इसकी रिपोर्ट नोएडा निवासी उनकी बेटी वैशाली श्रीवास्तव ने दर्ज कराई थी। 10 जनवरी को हर्ष सक्सेना इलाज के लिए नोएडा गए थे और घर बंद था। इसी दौरान चोर ने दरवाजे और खिड़कियां तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय पड़ोसी ने छत पर युवक को भागते देखा था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया है। उसके पास से प्लास्टिक की बोरी में चोरी का माल बरामद हुआ है। आरोपी को जेल भेजा गया है।

अश्लील टिप्पणी का पोस्टर लगाया

कानपुर। कचहरी परिसर में महिला अधिवक्ता का अश्लील टिप्पणी के साथ पोस्टर लगाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता के अनुसार बीती 19 मार्च को उन्हें जानकारी हुई कि उनकी फोटो के साथ अश्लील टिप्पणी करते हुए पोस्टर लगे हैं। जिसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत जिला जज से की। आरोप है कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर अनुराग सिंह सेंगर और रितिक पांडेय पोस्टर लगाते हुए दिखे।

प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म, अश्लील फोटो से ब्लैकमेल

कानपुर। किदवईनगर में युवती ने युवक पर प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म, ब्लैकमेल और बंधक बनाने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि युवक ने पहले उसे प्रेम में फंसाकर अश्लील फोटो व वीडियो बना ली। फिर वायरल करने की धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारपीट व गाली-गलौज की। बदनामी के डर से पीड़िता चुप रही। बाद में आरोपी ने उससे शादी की, लेकिन उसे पत्नी का दर्जा नहीं दिया और किराए के मकान में रखा। ससुराल ले जाने की बात करने पर दुर्व्यवहार किया। आरोप है कि इसी दौरान युवक के बड़े भाई ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता का कहना है कि जब उसने ससुराल जाकर अधिकार की मांग की तो उसे कमरे में बंद कर बंधक बना लिया गया, जान से मारने व अश्लील सामग्री वायरल करने की धमकी दी गई। उसने किसी तरह सहेली के जरिए परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने उसे वहां से निकाला। किदवईनगर इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

पुलिस अधिकारियों को दी गई जानकारी। अमृत विचार

पुलिस अधिकारियों ने सीखी साइबर सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीथ्रीआई हब और कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने आयोजित की कार्यशाला
- साइबर ठगों को पकड़ने के लिए नए टूल्स और साफ्टवेयर से अवगत कराया गया

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के सीथ्रीआई हब ने कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के सहयोग से पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा संबंधी टिप्स दिए। इस दौरान उन्हें साइबर ठगों को पकड़ने के लिए नए टूल्स से भी अवगत कराया गया। उन्हें कई सॉफ्टवेयर व उसकी कार्यप्रणाली सहित एआई की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ओपन सोर्स इंटेलिजेंस, डिजिटल फॉरेंसिक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बुनियादी पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से स्पेशल इंटेलिजेंस सेल के 30 पुलिस अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत चंद्रकांत मीणा (आईपीएस), और सुनील कुमार शर्मा डीएसपी स्पेशल इंटेलिजेंस विभाग ने की।

इस मौके पर सीथ्रीआई हग के सीएसओ डॉ. आनंद हांडा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आईआईटी कानपुर में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की साइबर क्षमताओं को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। यह पहल राज्य स्तर पर साइबर सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दहेज के लिए महिला को घर से निकाला

कानपुर। रेलबाजार में दहेज की मांग पूरी न होने पर आरोपी पति समेत ससुरालियों ने महिला को मारापीटा और घर से भगा दिया। कुछ समय बाद पीड़िता ससुराल पहुंची तो पति के दूसरी शादी की जानकारी हुई। पीड़िता ने पुलिस कमिश्नर के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। रेलबाजार निवासी निशा परवीन के अनुसार उनका विवाह 2022 में सुजातगंज निवासी अनीस रजा के साथ हुआ था। शादी के कुछ समय बाद आरोपी ससुरालीजन दहेज में बाइक और पांच लाख रुपये की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसे शारीरिक व मानसिक प्रताड़ित करने लगे। 2024 में वह गर्भवती हुईं तो ससुरालीजनों ने दहेज की मांग को लेकर मारापीटा और घर से भगा दिया। इसके बाद जून 2024 उसने बच्चे को जन्म दिया। जिसका पूरा खर्चा मायके पक्ष ने उठाया। लोगों के समझाने के पति वापस ले गए। उसके बाद कुछ दिन उनके साथ अच्छा बर्ताव किया, लेकिन फिर से दहेज की मांग को लेकर परेशान करने लगे। बीती जनवरी 2025 माह में दोबारा भगा दिया। तब से वह बच्चे को लेकर मायके में ही रह रही हैं। महिला ने बताया कि बीती दस मार्च 2026 को वह बच्चे को लेकर ससुराल पहुंची तो जानकारी हुई कि पति ने दूसरी शादी कर ली है। जिसके बाद पुलिस कमिश्नर से शिकायत की।

नौबस्ता-बर्रा में अपहरण की अफवाह से हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एक में युवती पर बच्ची ले जाने का आरोप, दूसरे में तीन बच्चों के गायब होने से फैली दहशत

अमृत विचार। ईद के मौके पर नौबस्ता और बर्रा थाना क्षेत्र में बच्चों के अपहरण की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस महकमा अलर्ट हो गया। दोनों जगह पुलिस की कई टीमें दौड़ा दी गईं, लेकिन जांच में दोनों ही मामले अफवाह निकले। जिसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली।

नौबस्ता के हंसपुरम ए सेक्टर में एक महिला ने सूचना दी कि उसकी 10 वर्षीय बच्ची को एक युवती अगवा कर ले जा रही थी। जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती को पकड़कर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह बर्रा की रहने वाली है और दादानगर की फुटवियर फैक्ट्री में काम करती है।

वह अपने प्रेमी से मिलने आई थी और शक से बचने के लिए रास्ते में खेल रही बच्ची को साथ लेकर उसके घर तक जा रही थी। इसी बीच लोगों ने उसे बच्ची का अपहरण करने वाली समझ लिया। पुलिस ने प्रेमी को बुलाकर पुष्टि कराई तो मामला साफ हो गया।

उधर बर्रा के हरदेव नगर इलाके में तीन बच्चे बिना बताए दामोदरनगर स्थित वैष्णो देवी मंदिर चले गए थे। बताया कि एक बच्चे की मां अपने छज्जे पर खड़ी थी। इसी दौरान एक बच्चे की मां ने दो बच्चों को युवक को कार पर बैठाते देखा। जिसमे लाल शर्ट में सड़क पर देखा और शक जताया कि कार सवार उसे अगवा कर ले गए हैं।

सूचना पर पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही थी। तभी तीनों बच्चे खुद लौट आए और मंदिर जाने की बात बताई। जिसके बाद मामला फर्जी निकला।

आजादी के बाद मिलेगी जलभराव-गंदगी से निजात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर नगर निगम के वार्ड 64 के अंतर्गत राजाजीपुरवा व लोहरनभट्टा में आजादी के बाद अब पहली बार सीवर लाइन पड़ने जा रही है। इसके लिए नगर निगम करीब 90 लाख रुपये खर्च करेगा। सीवर लाइन डालने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। अप्रैल माह से यहां पर सीवर लाइन डालने का कार्य शुरू हो जाएगा। सीवर लाइन पड़ने के बाद यहां रहने वाले हजारों लोगों को जलभराव, बजबजाती नालियों व गंदगी से छुटकारा मिलेगा।

देश को आजाद हुए 78 वर्ष बीत गए है, लेकिन कानपुर नगर निगम के वार्ड 64 के अंतर्गत आने वाले राजापुरवा व लोहरनभट्टा मलिन बस्ती में सीवर लाइन की सुविधा नहीं है। जबकि यहां पर 20 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। वर्तमान पार्षद नीरज बाजपेयी ने क्षेत्र की लोगों की समस्या को समझते हुए नगर निगम सदन में इस मुद्दे को प्रमुखता से रखा था, जिसका संज्ञान लेकर नगर निगम ने यहां पर करीब 90 लाख रुपये से आठ सौ मीटर लंबी सीवर लाइन डालने की संस्तुति दे दी है। कृष्णा कंट्रक्शन एंड सप्लायर को यहां पर सीवर लाइन डालने का टेंडर मिला है। कंपनी फंड ऑफिस चौराहा से जेके मंदिर चौकी तक 500 मीटर तक सीवर लाइन डालने का काम करेगी। इसके साथ ही पहाड़ी वाली गली से तलाब तक तीन सौ मीटर तक सीवर लाइन डालेगी।

आजादी से लेकर अब तक इसी तालाब में जा रहा था गंदा पानी। अमृत विचार

अभी यहां तालाब में जाता है गंदा पानी

- लोहरनभट्टा व राजाजीपुरवा समेत क्षेत्र के कई हातों का गंदा पानी वर्तमान में यहां पर बने तालाब में एकत्र होता है। तालाब अब पूरी तरह से भर गया है। गंदे पानी के निकासी की सुविधा नहीं होने पर यहां की नालियां गंदगी से बजबजा रही है और कीडे.व मच्छर पनप रहे हैं। बारिश में तो इन क्षेत्र का गंदा पानी लोगों के घरों तक घुस जाता है।

बोले लोग.. अब मिलेगी राहत

वर्षों से यहां पर रह रहे हैं, लेकिन जलनिकासी की सुविधा नहीं होने से गंदगी का सामना करना पड़ता है, अब यहां पर सीवर लाइन की उम्मीद जागी है, जिससे राहत मिलेगी। -मदन चंद्र वर्मा

घर के बाहर गली में अधिकांश जलभराव रहता है, लोगों से निकलने के लिए गंदे पानी में ईट बिछाई हैं, जिससे होकर बाहर निकलने पर कई बार ईट खिसकने से लोग चुटहिल तक हो जाते हैं। -बउआ मिश्रा

यहां की नालियां गंदे पानी से जब और अधिक भर जाती हैं तो उसका गंदा पानी बाहर घरों के अंदर घुसने लगता है, सीवर लाइन पड़ने से इससे काफी निजात मिलेगी। -सूरज यादव

तालाब में न सिर्फ वर्तमान में काफी गंदा पानी एकत्र है, बल्कि कूड़ा व मलबा भी कुछ लोगों द्वारा डाल दिया जाता है, जिसकी वजह से और जलभराव की समस्या हो गई है, निदान जरूरी है। -विभा झा

अप्रैल में शुरू होगा सीवर लाइन का काम

पार्षद नीरज बाजपेई ने बताया कि बस्ती का तलाब 12 महीने खासतौर पर बरसात में लबालब भर जाता है, जिसके कारण बस्ती की गलियों व घरों में गंदा पानी भरने से कई प्रकार की बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है। इसलिए आरसीसी सीवर लाइन के संबंध में नगर निगम सदन में प्रस्ताव रखा था।

शो योर टैलेंट के तहत रैंप पर वॉक

मेट्रो स्टेशन पर रैंप वॉक करती किशोरी।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बड़ा चौराहा के मेट्रो स्टेशन पर हुआ आयोजन युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

अमृत विचार। बड़ा चौराहा स्थित मेट्रो स्टेशन में शनिवार को शो योर टैलेंट के तहत मॉडल रैंप वॉक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मॉडलिंग के प्रति रुचि रखने वाले युवा प्रतिभागियों ने रैंप वॉक कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों व युवाओं ने अलग-अलग रैंप वॉक किया। रैंप वॉक के दौरान भारतीय व पश्चिमी दोनों शैलियों में प्रभावी प्रस्तुति के गुर भी समझाए गए। प्रतिभागियों के रैंप वॉक को दर्शकों ने खूब सराहा। प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी अब 23 मार्च को रतन लाल शर्मा स्मारक स्टेडियम में आयोजित मिस्टर एंड मिस आईकॉन प्रतियोगिता के फिनाले में भाग लेंगे। जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्रा के मुताबिक कानपुर मेट्रो सुविधाजनक परिवहन साधन है, बल्कि यह शहर में सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र बनकर भी उभर रहा है। 23 मार्च को आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में विजेता को सम्मानित किया जाएगा।

छत-जीने से गिरकर दो की गई जान

कानपुर। रावतपुर और रायपुरवा इलाले में जीने व छत से गिरकर दो की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा। परिजनों में कोहराम मच गया। रावतपुर में जयप्रकाश नगर एम-ब्लाक निवासी 57 वर्षीय राजू नगरनिगम में नगर स्वास्थ्य अधिकारी के ड्राइवर थे। बेटे सोनू ने बताया कि 18 मार्च को ऊपर कमरे से उतरते समय पिता जीने में लड़खड़ाकर गिर गए थे। चीख सुनकर पहुंचे परिजनों ने उन्हें हैलट में भर्ती कराया था, जहां शुक्रवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, रायपुरवा में मजदूरी करते समय छत से गिरे अधेड़ की जान चली गई। नौबस्ता के पशुपतिनगर निवासी 50 वर्षीय राजू बाथम मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी विद्या हैं। भाई राजकुमार ने बताया कि गंगामेला के दो दिन पहले राजू काम करने गए थे। वहां छत से गिर गए। हैलट में भर्ती कराया था। जहां मौत हो गई।

जेके मंदिर के सामने पाइप लाइन लीकेज से गड्ढे

कानपुर। जेके मंदिर के सामने वाली गली के मुख्य मार्ग पर शनिवार को जल निगम की टीम ने लीकेज को खोजने के लिए दो जगह गड्ढा कर दिया, जिनमे से एक जगह पेयजल लीकेज तो ठीक हो गया, लेकिन गलत जगह खोदे गए गड्ढे में सीवर लाइन लीकेज होने की समस्या उत्पन्न हो गई। क्षेत्रीय पार्षद ने जल निगम की टीम से बैरिकेडिंग लगवाई।

जेके मंदिर के सामने वाली गली के मुख्य द्वार पर पेयजल लाइन लीकेज होने से गड्ढा हो गया था और जलभराव के साथ ही मिट्टी का कटान भी अंदर ही अंदर होने लगा था। क्षेत्रीय पार्षद नीरज बाजपेई ने जानकारी जल निगम को दी। शनिवार को जल निगम ने लीकेज का पता लगवाने के लिए दो जगह पर गहरी खोदाई कर दी। लीकेज पकड़ में आने के बाद मरम्मत कार्य शुरू किया। लेकिन गलत स्थान पर खोदे गए गड्ढे में सीवर लाइन लीकेज हो गया, जिसकी वजह से कार्य अब बढ़ गया है।

खुलासा

विधवा महिला व दो बच्चों की मां को फंसाने के लिए रचा था नाटक

58 लाख लूट की फर्जी कहानी रचने वाला हत्थे चढ़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

500

सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर रायपुरवा पुलिस ने किया खुलासा

अंतिम सोनी।

अमृत विचार। तीन शादियां कर चुके शातिर ने चौथी बार दूल्हा बनने के लिए साजिश रची। दो बच्चों की मां को झांसे में लिया। उससे शादी करने के लिए 58 लाख रुपये के लूट की फर्जी रची। लेकिन क्राइम ब्रांच से नहीं बच सका। 500 सीसीटीवी फुटेज देखने पर उसकी फर्जी कहानी उजागर हो गई। रायपुरवा पुलिस व क्राइम ब्रांच ने मेरठ के ब्रह्मपुरी सोनर धर्मशाला के पास रहने वाले सराफा कारोबारी अंतिम सोनी को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि लाखों की लूट बताने वाले शातिर के बैंक खाते में केवल 1710 रुपये हैं। जिसमें 1500 रुपये उसने किसी को ऑनलाइन उधार लिया है।

मेरठ के ब्रह्मपुरी सोनर धर्मशाला निवासी सराफा कारोबारी अंतिम सोनी शहर की दो बच्चों की मां से चार माह पहले समाज शादी डाटकाम के जरिए मिला था। डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को लिखाई गई फर्जी लूट की कहानी का खुलासा करते बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी संगम एक्सप्रेस से 4.08 पर स्टेशन पर उतरा था। 4.21 बजे स्टेशन से बाहर निकला। फिर सिगरेट पी, इस बीच उसका बैग 10 मीटर की दूरी पर रखा था। जो सीसीटीवी में दिखा। तभी संदेह हुआ कि इतनी रकम के बाद भी बैग लापरवाही से कैसे कोई छोड़ सकता है। आरोपी 4.56 बजे खुद को अफीमकोठी पर होना बताया जबकि सर्विलांस टीम की जांच में उसकी पनकी पड़ाव में लोकेशन मिली। वहां के कैमरे खंगाले गए तो बैग लेकर टहलते नजर आया। इस पर आरोपी ने बहाना बनाया कि लुटेरे बैग से नकदी व जेवर लूटने के बाद उसे बांधकर ले गए थे। बैग में कपड़े व्यवस्थित मिले तो पुलिस का शक गहराया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी टूट गया। उसने बताया कि महिला को जाल में फंसाने के लिए लूट की साजिश रची थी। एडीसीपी अर्चना सिंह ने बताया कि आरोपी ने लुटेरों का जो हुलिया बताया था वह महिला के बेटों से मिलता था।

नवरात्र में होनी थी सगाई

- डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि दोनों की नवरात्रि में सगाई होनी थी। महिला को फंसाने के लिए उसने 65 लाख में फ्लैट खरीदने की बात कही थी। महिला से 30 लाख रुपये व आठ लाख के जेवर लेकर शहर आने की बात कही थी। इसके बाद अंतिम ने सीसामऊ पुलिस को अपने साथ लूट होने की जानकारी दी। पुलिस ने जब घटनास्थल पूछा तो उसने अफीमकोठी पुल के पास बताया, जिसके बाद रायपुरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई।

क्राइम ब्रांच भी कर रही तलाश

- डीसीपी ने बताया कि आरोपी की तलाश इंदौर क्राइम ब्रांच टीम भी कर रही है। वहां उसने नकली सोना रखकर डेढ़ लाख का लोन लिया था। मेरठ में भी आरोपी ने पीतल पर सोने की परत चढ़ाकर कई लोगों को ठगा है। उसके इंस्टाग्राम व फेसबुक आईडी पर करीब 15 महिलाओं से बातचीत और चैट मिली है। फर्जी सूचना से लूट का मुकदमा दर्ज कराने वाले अंतिम को लूट की धारा में आरोपी बनाया गया है। साथ ही फर्जी साक्ष्य गढ़ने की धारा भी बढ़ाई जाएगी।

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, BAREILLY
STAFF REQUIRED
Pharmacy Supervisor
Qualification:- Graduate & Exp. in Relevant Field
Floor Supervisor
Qualification:- Graduate & Exp. in Hospital
Junior Accountant
Qualification:- Min. B.Com. & Good Excel Knowledge
Computer Operator
Qualification: Min. Intermediate & Good MS Office Knowledge & Good Typing Speed
Pharmacist
Qualification: Min. D. Pharma & Good Computer Knowledge
PRO
Qualification: Graduation
Salary No Bar for Deserving Candidates
How to apply : Mail your CV at hrrmch@gmail.com or hard copy to the address given below.
HR OFFICE, RMCH Hospital Building, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
Contact : 9548624286

सिटी ब्रीफ

10 हजार करोड़ रुपये रेवेन्यू का पड़ाव पाया

कानपुर। पीएन गाडगील ज्वेलर्स ने आर्थिक वर्ष 2025-26 में 10 हजार करोड़ रुपये के रेवेन्यू का पड़ाव हासिल किया है। इसके साथ ही गुढ़ी पड़वा पर्व पर कंपनी ने 170.7 करोड़ रुपये की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है।

एमडी डॉ. सौरभ गाडगील।

सोने का विभाग रेवेन्यू वृद्धि के लिए मुख्य चालक रहा है, जिसके रेवेन्यू में वर्षागणिक 35 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही हीरे और चांदी के विभाग में 61 प्रतिशत और 118 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। पीएन गाडगील ज्वेलर्स के अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगील ने कहा कि 10 हजार करोड़ रुपये के रेवेन्यू का आंकड़ा पार करना हमारे सफर का एक महत्वपूर्ण क्षण है।

आज से विश्वविद्यालय में हनुमान कथा

कानपुर। सीएसजेएमयू के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में रविवार से श्री हनुमान कथा का आयोजन किया जाएगा, जो 29 मार्च तक संचालित की जाएगी। कथा में संत पूज्य विजय कौशल जी महाराज हनुमान कथा सुनाएंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ.उमेश पालीवाल ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम को साढ़े छह बजे तक आयोजित की जाएगी।

बारिश से गई बिजली

कानपुर। केस्को के अहिरवां व वाजिदपुर क्षेत्र में शनिवार तड़के तीन बजे बारिश की वजह से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। वहीं, एयरपोर्ट गेट फीडर की बिजली भी तेज हवा व बारिश की वजह से इंसुलेटर खराब होने से सुबह सात बजे से नौ बजे तक गुल रही।

भाजपा के जिला पदाधिकारी घोषित

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की सहमति पर लंबे अरसे बाद की गई पदाधिकारियों की घोषणा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उत्तर इकाई में अनुराग शर्मा को पुन: मीडिया प्रभारी बनाए गए

अमृत विचार। भाजपा की उत्तर, दक्षिण व ग्रामीण इकाई जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की स्वीकृति के बाद उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित और दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह और ग्रामीण इकाई अध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने कार्यकारिणी की घोषणा की। यह जानकारी क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने दी। उत्तर इकाई में अनुराग शर्मा को पुनः मीडिया प्रभारी बनाया गया।

दक्षिण इकाई में विनय मिश्र, शशांक मिश्र, पवन दीक्षित, वीरेंद्र दिवाकर, अंकित गुप्ता, जितेंद्र सचान, वंदना गुप्ता, सुरेंद्र चौहान को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। गणेश शुक्ला, जसविंद सिंह और अर्जुन बेरिया को जिला महामंत्री बनाया गया है। विक्रम पंडित, मधु तिवारी, सुषमा चौहान, ममता राजपूत, सुरेंद्र प्रताप सिंह चौहान, एलवी पटेल, पंकज दीक्षित, प्रवीन गुप्ता को मंत्री बनाया गया है। इसी तरह शिवम मिश्रा को कोषाध्यक्ष, प्रवीन मिश्रा को सहायक कोषाध्यक्ष, संजीव बेरी को जिला मीडिया प्रभारी और बिंदु अग्रवाल को सहायक मीडिया प्रभारी व दिलीप मिश्रा को कार्यालय मंत्री बनाया गया है। हरिजीवन को सह कार्यालय मंत्री बनाया गया है। इसी तरह उत्तर जिला इकाई की कार्यकारिणी में जन्मेजय सिंह, आकाश शुक्ला, धीरज वाल्मीकि, शिवांग मिश्रा, सत्यम गुप्ता, नवाब सिंह, सीमा कमल, रोहित साहू को उपाध्यक्ष बनाया गया है। अवधेश सोनकर, प्रमोद विश्वकर्मा, अभिनव दीक्षित को जिला महामंत्री बनाया गया है। पारस मदान, मोनेंद्र राजपूत, वार्ष्णेय त्रिपाठी, किरण तिवारी, विनोद पाल, रीता पासवान, सुरेंद्र गुप्ता, शालिनी कटियार को मंत्री बनाया गया। रमिंदर सिंह को कोषाध्यक्ष, शैल शुक्ला को सहायक कोषाध्यक्ष, रामजी गुप्ता सहायक कोषाध्यक्ष, सुनीता गौर को कार्यालय मंत्री, पूनम कंवर व सुरेंद्र गुप्ता को सहायक कार्यालय मंत्री बनाया गया है। अनुराग शर्मा को मीडिया प्रभारी, प्रशांत त्रिपाठी व आशीष वाजपेयी को सहायक मीडिया प्रभारी बनाया गया है। प्रभाकर अवस्थी को आईटी संयोजक व अभिराज सिंह चंदेल, अभिषेक दीक्षित को सहायक आईटी संयोजक बनाया गया है। उपेंद्र शुक्ला को सोशल मीडिया संयोजक, यश जायसवाल व जीतू कश्यप को सहायक सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है।

ग्रामीण इकाई की बात करें तो गीता गुप्ता, अनिरुद्ध शुक्ला, रणविजय सिंह, पुष्कर शुकला, सूर्य ब्रह्म सिंह, संदीप वाजपेयी, रवींद्र सिंह, राजेश यादव को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है।

समरजीत सिंह, जयप्रकाश कटियार और वेदव्रत सचान जिला महामंत्री बनाए गए। जिला मंत्री के लिए अमरनाथ राजपूत, श्याम सिंह चंदेल, एमपी सलोनिया, प्रियंका राजपूत, श्याम सिंह, अंजली तिवारी, सौरभ कुशवाहा और दीप्ति पटेल के नाम हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए अतुल कुमार वाजपेयी, सह कोषाध्यक्ष पद पर अभय शंकर मिश्र, जिला कार्यालय मंत्री पद पर धर्मेंद्र पाल, मीडिया जिला संयोजक मयंक अवस्थी, सह संयोजक मीडिया दिग्विजय सिंह को बनाया गया।

परीक्षा से वंचित छात्रों की आज शाम तक दें सूचना

कानपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की ओर से सभी शासकीय, अशासकीय तथा वित्तविहीन विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश जारी किए गए हैं कि यदि किसी विद्यालय में कोई परीक्षार्थी प्रयोगात्मक (प्रैक्टिकल) परीक्षा से वंचित रह गया है तो उसकी सूचना अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। विद्यालयों को ऐसे छात्रों की जानकारी रविवार को शाम चार बजे तक राजकीय इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज में स्थापित परीक्षा कंट्रोल रूम को देनी होगी। यह सूचना निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध करानी होगी, ताकि वंचित छात्रों की स्थिति स्पष्ट हो सके और आगे की कार्रवाई समय पर की जा सके। वहीं डीआईओएस संतोष कुमार राय ने सभी प्रधानाचार्यों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

कविता पाठ करते कवि। अमृत विचार

कवि सम्मेलन में कवियों ने बांधा समां

कानपुर। इस्पात नगर व्यापार मंडल की ओर से शनिवार को इस्पात नगर में वार्षिक व्यापारी सम्मेलन एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवयित्री नीरू श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना पढ़ कर शुरुआत की। संचालक कवि मुकेश ने पढ़ा लहर-लहर लहराए तिरंगा लहर-लहर लहराए। कवि करतल किशोर ने कृष्ण सी तुम गई तो मेरी जिंदगी जल में डूबी हुई द्वारिका बन गई पढ़ कर तालिया बटोरीं। उन्नाव से आए कवि प्रशांत द्विवेदी मृदुल ने पढ़ा वो जिसका है पिता चप्पल बनाता उसी के पांव में चप्पल नहीं है। विकास पाल ने प्रेम पर कविता पढ़कर तालियां बटोरीं। विनय शर्मा माधव ने पढ़ा राम कृष्ण गौतम की धरती वाला देश महान बनेगा। कार्यक्रम में विधायक सुरेंद्र मैथानी, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, विधायक अभिजीत सिंह सांगा, उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा, भाजपा नेता विजय कपूर आदि ने शिरकत की। आयोजक विनोद पाल (इस्पात नगर उद्योग व्यापार मंडल), राजेश पाल, एचबी सिंह, तेज सिंह, अजय द्विवेदी, रविंद्र शुक्ला आदि मौजूद रहे।

जीवन में सही सोच रखना है जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, कानपुर चैप्टर की ओर से आईआईए भवन में कार्यशाला आयोजित हुई। 'बेहतर जीवन जीने की कला' विषय पर हुई कार्यशाला में तनाव दूर करने के तरीके भी बताए गए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर अरुण ऋषि ने जीवन को सरल, संतुलित एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक एवं तनावपूर्ण वातावरण में व्यक्ति अक्सर भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में मानसिक शांति, स्वास्थ्य एवं पारिवारिक संबंधों की उपेक्षा कर देता है। जिसके परिणामस्वरूप जीवन में असंतुलन उत्पन्न हो जाता है। उन्होंने सही सोच, सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मानुशासन एवं समय प्रबंधन को जीवन में सफलता एवं संतुलन का आधार बताया। कार्यक्रम में कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष आरके अग्रवाल, महामंत्री हर्षल अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य, आलोक अग्रवाल, आरके अग्रवाल, जय हेमराजानी, दिनेश बरासिया, मनमोहन राजपाल, हर्षल अग्रवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। अमृत विचार

समावेशन से डाउन सिंड्रोम बच्चों का समग्र विकास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बीमारी से पीड़ित बच्चों के किसी तरह का भेदभाव न करें और न करने दें
- भारतीय बाल रोग अकादमी ने शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य पर दिया बल

अमृत विचार। शास्त्री नगर स्थित एक स्कूल में भारतीय बाल रोग अकादमी ने शनिवार को विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। समाज में जागरूकता बढ़ाने, समावेशी सोच को अपनाने, डाउन सिंड्रोम से प्रभावित बच्चों व वयस्कों के शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य के समग्र विकास पर विशेष बल दिया। अकादमी के सदस्यों ने कहा कि समावेशन से ही डाउन सिंड्रोम बच्चों का समग्र विकास संभव है।

भारतीय बाल रोग अकादमी के जिलाध्यक्ष डॉ. जेके गुप्ता ने बताया कि डाउन सिंड्रोम एक आनुवंशिक अवस्था है, जो मुख्य रूप से ट्राइसॉमी 21 के कारण होती है और लगभग 95 फीसदी मामलों में यही प्रकार पाया जाता है। भारत में यह स्थिति लगभग हर 800–1000 जीवित जन्मों में एक बच्चे में देखी जाती है, जिसके अनुसार देश में प्रतिवर्ष लगभग 30,000 से 37,000 बच्चों का जन्म डाउन सिंड्रोम के साथ होता है। यह जोखिम मातृ आयु बढ़ने के साथ बढ़ता है। कहा कि जन्म के तुरंत बाद पहचान, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्पीच थेरेपी, फिजियोथेरेपी व विशेष शिक्षा जैसी सेवाओं से बच्चों के विकास में उल्लेखनीय सुधार संभव है। सही मार्गदर्शन से ये बच्चे अधिक आत्मनिर्भर और सक्षम बन सकते हैं। सचिव डॉ. शैलेन्द्र गौतम ने कहा कि समावेशन इन बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार है, इससे सामान्य विद्यालयों में पढ़ाई से सामाजिक एवं संचार कौशल विकसित होते हैं, समान गतिविधियों में भागीदारी से आत्मविश्वास बढ़ता है, समाज से जुड़ाव से अवसाद व अकेलापन कम होता है। वहीं, डाउन सिंड्रोम से प्रभावित व्यक्तियों के लिए भावनात्मक स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्योंकि सहयोगी वातावरण उन्हें सुरक्षित और आत्मविश्वासी बनाता है।

समाज के लिए अकादमी की अपील

- डाउन सिंड्रोम से प्रभावित बच्चों को समान अवसर और सम्मान दें।
- उन्हें विद्यालय, खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करें।
- परिवारों को सहयोग और सकारात्मक समर्थन प्रदान करें।
- भेदभाव और गलत धारणाओं को दूर करने में अपनी भूमिका निभाएं।

टेनरी कर्मी की संदिग्ध हालात में मौत, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भल्ला स्टेट स्थित टेनरी का मामला, पुलिस ने भीड़ को शांत कराया

अमृत विचार। जाजमऊ स्थित टेनरी में काम करने के दौरान कर्मचारी की संदिग्ध परीस्थितियों में मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने मुआवजा देने की मांग को लेकर हंगामा किया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मूलरूप से बिहार के पटना बख्तियारपुर निवासी 40 वर्षीय कारूराम भल्ला स्टेट स्थित रॉयल इंटरनेशनल टेनरी में काम करते थे। परिवार में पत्नी सरिता देवी व तीन बेटे गौतम कुमार, गंभीर कुमार, रंधीर कुमार व बेटी अनुराधा हैं। कारूराम छबीलेपुरवा में किराए के मकान में परिवार के साथ रहते थे। पत्नी सरिता ने बताया कि ईद के कारण टेनरी बंद थी। शनिवार सुबह टेनरी संचालक ने उन्हें फोन कर टेनरी में आकर देखभाल करने को कहा। इसके बाद कारूराम सुबह आठ बजे टेनरी पहुंचे। दोपहर में उनका बड़ा बेटा गौतम खाना देने टेनरी पहुंचा। कारूराम ने बेटे को पानी लाने को कहा। जब गौतम पानी लेकर लौटा तो पिता को जमीन पर बेसुध पड़ा पाया। उसने कई बार उठाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। गौतम ने तुरंत अपनी मां व टेनरी संचालक को इसकी सूचना दी। टेनरी संचालक ने कारूराम को निजी अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन पहुंचे और 15 लाख रुपये मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। थाना प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि टेनरी में काम करने के दौरान कर्मी की मौत हुई है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। टेनरी संचालक से पूछताछ की जा रही है।

घर में अकेले युवक ने फंदे से लटक कर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काकादेव में घर पर अकेले युवक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिजनों के लौटने पर जब एकलौते बेटे का शव फंदे से लटका देखा तो चींख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पांडुनगर बीमा अस्पताल कालोनी निवासी परमेंद्र ईएसआई हॉस्पिटल में वार्ड ब्वाय हैं। परिवार में पत्नी रेखा, बेटी रिया व 18 वर्षीय बेटा प्रेम था। चाचा धर्मेंद्र ने बताया कि भाभी रेखा का नवाबगंज में मायका है। वहां शादी समारोह में शामिल होने वह बेटी के साथ गई थीं। शनिवार सुबह भाई ड्यूटी पर थे। इस बीच करीब 11 बजे भतीजा प्रेम घर पर अकेला था। तभी उसने बहन के दुपट्टे से फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि प्रेम पढ़ाई छोड़ चुका था। घर पर कबूतर पाले था, इसलिए कहीं आता-जाता नहीं था। छत पर कबूतरों की देखभाल करता था। जब उसके साथियों ने उसे छत पर नहीं देखा तो संदेह जताया। कमरे में पहुंचने पर उसका शव लटका देखा। इस पर पिता समेत अन्य परिजनों को घटना की जानकारी दी। शव फंदे से उतारा गया तब तक उसकी सांसे थम चुकी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम भिजवाया। परिजनों के अनुसार उसने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने उसका मोबाइल कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

चैत्र या शारदीय नवरात्रि यानी नवदुर्गा में चौथे दिन चतुर्थी की देवी मां कूष्मांडा का पूजन किया जाता है। इसके बाद उनकी पौराणिक कथा या कहानी पढ़ी या सुनी जाती है। आओ जानते हैं माता कूष्मांडा की पावन कथा, पूजा, आरती, मंत्र सहित सभी कुछ।

चतुर्थी देवी कूष्मांडा की पूजा विधि और भोग
चतुर्थी देवी कूष्मांडा का बीज मंत्र और आरती
चतुर्थी देवी कूष्माण्डा की पौराणिक कथा

देवी कूष्मांडा का मंत्र :

सरल मंत्र- 'ॐ कूष्माण्डायै नम : ।।'

श्लोक :

कुत्सित कूष्मा कूष्मा-त्रिविधतापयुत संसार, स अण्डे मांसपेश्यामुदररूपायां यस्या सा कूष्मांडा।

माता कूष्मांडा का भोग : माता कूष्मांडा को मालपुए का भोग लगाकर किसी भी दुर्गा मंदिर में ब्राह्मणों को इसका प्रसाद देना चाहिए।

देवी कूष्मांडा देवी का स्वरूप : इस देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए अष्टभुजा कहलाईं। इनके सात हाथों में क्रमश: कमण्डल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है। इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृति में कुम्हड़े को कुष्मांड कहते हैं इसलिए इस देवी को कूष्मांडा। इनके शरीर की कांति और प्रभा सूर्य की भांति ही दैदीप्यमान है। इनके ही तेज से दसों दिशाएं आलोकित हैं।

कानपुर पंचायत मनाएगी 223वां कानपुर दिवस

कानपुर। शहर की साहित्यिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संजोने वाली संस्था कानपुर पंचायत आगामी 24 मार्च को कानपुर दिवस समारोह का आयोजन करेगी। संस्था की तरफ से ये कानपुर के 223वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम होगा। शुक्रवार को मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश में आयोजित प्रेस वार्ता में संस्था के संयोजक व सचिव धर्म प्रकाश गुप्त ने बताया कि 24 मार्च 1803 को कानपुर आधिकारिक रूप से जिले के रूप में स्थापित हुआ था। बताया कि इसका प्रमाण कोलकाता स्थित फोर्ट विलियम के दस्तावेजों में है। हर साल ये कार्यक्रम होता आया है इस बार भी हर्षोल्लास के साथ आयोजन होगा। बता दें कि संस्था पूर्व में कानपुर डायरी, कानपुर लूडो और कानपुर पजल का प्रकाशन भी कर चुकी है। प्रेस वार्ता में डॉ. इन्द्र मोहन रोहतगी, स्वतंत्र सिंह और सुदीप गोयनका आदि रहे।

नरवल में 20 वर्षों से लंबित नाली विवाद सुलझाया

राहत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जिलाधिकारी के जनता दर्शन में आया था विवाद
- उपजिलाधिकारी नरवल को तत्काल मौके पर भेजा

अमृत विचार। तहसील नरवल के ग्राम भूखनाही में करीब 20 वर्ष से लंबित नाली निर्माण का विवाद जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से सुलझ गया। मामला जनता दर्शन में सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी नरवल को तत्काल मौके पर पहुंचकर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम भूखनाही में ग्राम पंचायत की ओर से नाली निर्माण कार्य प्रस्तावित था लेकिन कुछ ग्रामीणों द्वारा लगातार अवरोध उत्पन्न किए जाने के कारण यह कार्य वर्षों से ठप पड़ा हुआ था। ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर समाधान की मांग की थी। उपजिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने एसीपी चकेरी और खंड विकास अधिकारी सरसौल के साथ संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण किया। टीम ने दोनों पक्षों को मौके पर बुलाकर उनकी बात सुनी और विवाद के मूल कारणों का परीक्षण किया।

प्रशासनिक टीम ने कड़ाई के साथ अवरोध को समाप्त कराया और दोनों पक्षों को ग्राम हित में सहमति के लिए तैयार किया। इसके बाद संयुक्त टीम की मौजूदगी में तत्काल नाली निर्माण कार्य शुरू कराया गया और पूरी नाली की खुदाई कराते हुए जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधानकिया गया। उपजिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि ग्राम हित को सर्वोपरि रखते हुए मौके पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनाकर नाली निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया है।

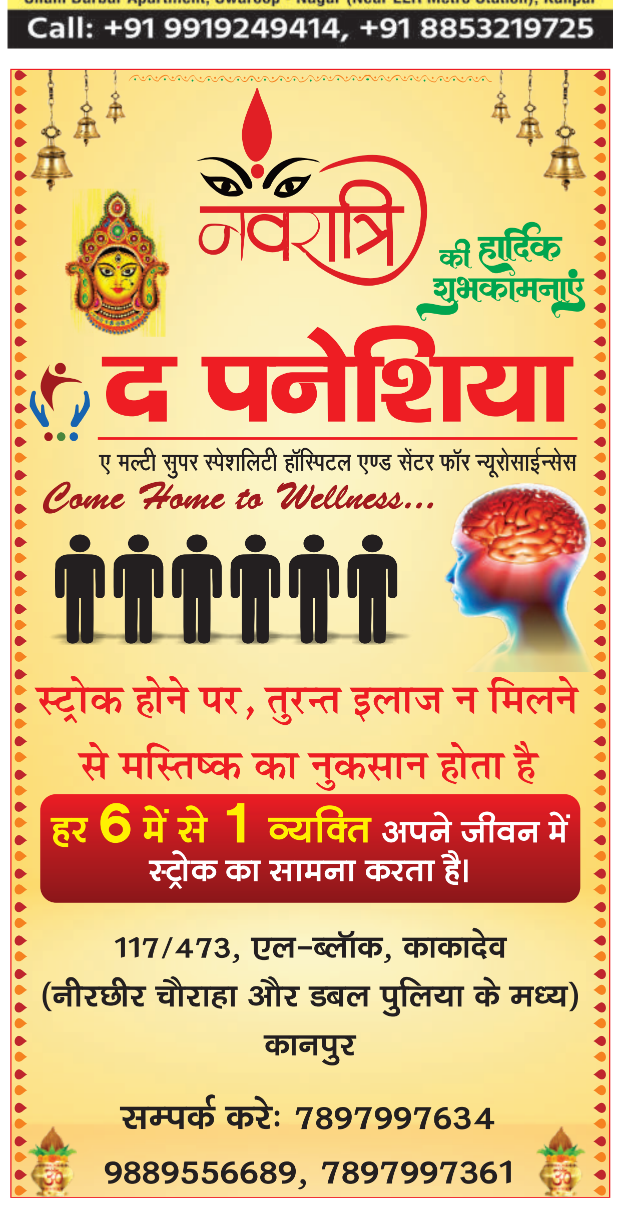

सिटी ब्रीफ

अब हटेंगे बादल बढ़ेगी गर्मी

कानपुर। शहर में शनिवार को मध्यम धूप खिली। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अब शहर में पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म् हो गया है। इस स्थिति में तापमान बढ़ने की संभावना है। आने वाले दिनों में शहर में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तापमान में बढोतरी दर्ज हो सकती है। शनिवार को शहर में अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस व न्यनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गोल्डेन जुबली श्रृंखला में विश्व वानिकी दिवस पर प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में युवाओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस दौरान वन एवं आर्थिक विकास विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों एवं आमजन के बीच वनों के महत्व, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत पर्यावरणीय प्रथाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

विधायक की चलती कार में लगी आग से मचा हड़कंप

कानपुर। जाजमऊ के डिफेंस कॉलोनी में शनिवार देर शाम को अचानक चलती कार के बोनट में आग लग गई। जिससे कार सवार दो लोग कार सड़क पर खड़ी कर चले गये। इसके बाद इलाके लोगों ने दकमल के आने से पहले पानी डालकर आग को बुझा दिया। वहीं कार कैंट विधानसक्षा क्षेत्र के विधायक मोहम्मद हसन रूमी की है। उनके रिश्तेदार कार लेकर ईद के त्यौहार के चलते निकले थे। जाजमऊ के डिफेंस कॉलोनी निवासी शमशाद, सूफियान आदि ने बताया शनिवार देर शाम को एक चलती कार के बोनट में अचानक से आग लग गई। जिसके बाद कार सवार दो युवक कार को सड़क पर खड़ा करके उतर गये। इसके बाद आग लगी देख लोगों की भीड़ जमा हो गई। आनन फानन क्षेत्रीय लोगों ने दमकल को सूचित कर समर्सिबल पंप से पानी डालकर आग को बुझाने का प्रयास शुरू किया। वहीं दमकल के पहुंचने से पहले ही लोगों ने आग को बुझा लिया। वहीं घटना से डरकर कार सवार कार छोड़कर चले गये। कार में सपा का झंडा लगा हुआ था। जो कैंट विधानसक्षा क्षेत्र के विधायक मोहम्मद हसन रूमी की है। मामले में थाना प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि आग को बुझा लिया गया है। किसी प्रकार की कोई हताहत नहीं हुई है। वहीं विधायक मोहम्मद हसन रूमी ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से बोनट में आग लगी थी। कार में उनके रिश्तेदार ईद के चलते कार लेकर घूमने निकले थे।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

कानपुर। बिठूर में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कल्याणपुर के बैरी निवासी 40 वर्षीय देवी प्रसाद सरिया का जाल बांधने का काम करते थे। परिवार में पत्नी शिवकांती, तीन बेटियां, बेटा शिवम हैं। साला बिठूर बूढ़पुर निवासी छम्मीलाल ने बताया कि उनके घर पर पूजन का कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने बहनोई देवी प्रसाद आए थे। कार्यक्रम के बाद शुक्रवार रात करीब नौ बजे वह घर के लिए लौट रहे थे, तभी ब्लू वर्ल्ड के पास पीछे से आए तेज रफ्तार किसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया।

बगाही ईदगाह में नमाज पढ़ते लोग। अमृत विचार

फेथफुलगंज में महिलाओं ने नमाज पढ़ी। अमृत विचार

ईद की नमाज में इजरायल-अमेरिका को कोसा

शिया लोगों ने काली पट्टी बांधकर पढ़ी नमाज-किया प्रदर्शन, कहा, ईरान पर हमला करने वाले जालिम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ईरान के स्कूल पर बम गिराने वाले जालिम ही नहीं, शैतान भी हैं
- पूरी दुनिया में आतंक के आका हैं अमेरिका और इजरायल, सब करें बॉयकाट
- बड़ी करबला समेत कई स्थानों पर काली पट्टी बांधकर अदा की नमाज
- सिलेंडर हो या कुछ और जमाखोरी हराम, मॉब लिंचिंग की कड़ी निंदा

अमृत विचार। शनिवार को ईद-उल-फितर की नमाज अदा की गई जिसमें अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की चिंगारी देखने को मिली। कहीं काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई तो कहीं अमेरिका और इजरायल की निंदा की गई।

शनिवार को शहर की विभिन्न ईदगाहों एवं मस्जिदों में ईद की नमाज दो बार अदा की गई। पहली नमाज कारी व हाफिज व कारी सुब्हान इलाही नक्शबंदी जबकि दूसरी नमाज हाफिज व कारी अकरम इलाही ने अदा कराई। मसवानपुर ईदगाह में शहरकाजी मौलाना मुश्ताक मुशाहिदी ने नमाज अदा कराई। गद्दियाना ईदगाह में मौलाना हाशिम अशरफी ने नमाज अदा कराने से पूर्व अपनी तकरीर में सिलेंडर जमाखोरी को हराम करार दिया और मॉब लिंचिंग की निंदा की। उन्होंने अमेरिका और इजरायल को कोसा। उन्होंने कहा कि ईरान में 160 स्कूली मासूम बच्चों को मौत के घाट उतारने वाले जालिम ही नही, शैतान भी हैं। उन्होंने पानी और खाने की फिजूलखर्ची से बचने की नसीहत दी और हर इंसान से अपनी जिंदगी में कम से कम एक पेड़ लगाने की गुजारिश की।

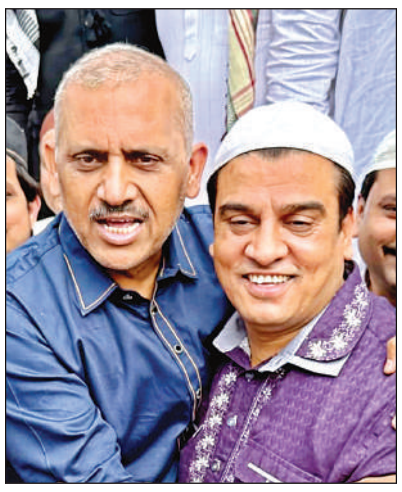

गले मिलते अमिताभ और इरफान। अमृत विचार

इसी प्रकार बगाही ईदगाह, रावतपुर ईदगाह, उसमानपुर ईदगाह, मछरिया, चमनगंज, बेकनगंज, फेथफुलगंज, रेल बाजार, बेगमपुरवा, बाबूपुरवा समेत शहर की सभी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। बड़ी ईदगाह में कमिश्नर, डीएम, पुलिस कमिश्नर सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे और राजनीतिक दलों ने अपने-अपने कैंप लगाए जहां पार्टियों के तमाम नेता मौजूद रहे।

फेथफुलगंज-सुजातगंज में महिलाओं ने अदा की नमाज : ईदगाह मास्टर अब्दुल फेथफुलगंज और सुजातगंज ईदगाह में पुरुषों के साथ साथ पर्दे में रहकर महिलाओं ने ईद की नमाज अदा की। इस दौरान पर्दे का विशेष ख्याल रखा गया था। इस मौके पर मौलाना शाहिद इमाम बाकरी, हाजी वाजिद अली रिजवी, शकील अब्बास, ऐमन रिजवी, मुन्तजिर हसन, ताज कानपुरी, जावेद, एहसान हुसैन, डॉ. जुल्फिकार अली रिजवी, डॉ. अयाज हैदर रिजवी, फुरकान कानपुरी, हसन आलम जाफरी और अली इमाम शम्मू, शहाब रिजवी, दानिश रिजवी, नायाब आलम, मोहम्मद रजा, जमील हुसैन, शहादत रिजवी, शारिब अब्बास आदि थे।

सिविल डिफेंस के अधिकारी और वार्डन रहे: ईदगाह में पुलिस-प्रशासन की मदद के लिए उनके साथ सिविल डिफेंस के कानपुर चीफ राजीव सिंह की अगुवाई में डिप्टी चीफ वार्डन आशीष वाजपेयी, धनन्जय सिंह, विजेंद्र कुमार, मनोज सिंह, अब्दुल सलाम जाफरी, स्वतंत्र कुमार सिंह, दिनेश कुमार विश्वकर्मा, हंसराज यादव, संजय तिवारी आदि थे।

शिया समुदाय ने ईद सादगी से मनाई, काली पट्टी बांधी

- शिया समुदाय ने इस बार ईद पर नया कपड़ा नहीं पहना और न ही घरों में सिंवई बनवाई ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई और मासूम लोगों की शहादत की वजह से बेहद सादगी से मनाई गई। अमेरिका और इजरायल के विरोध में काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद अमेरिका-इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। मौलाना अलमदार हुसैन ने कहा कि अमेरिका और इजरायल खुलेआम अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी हुई है। सूटरगंज स्थित मस्जिद में मौलाना शाहिद इमाम बाकरी ने कहा कि ईरान में मैदानों और चौराहों पर लोग अपने शुहदा (मृतकों) की हिमायत में खड़े हैं। इसी प्रकार शिया जुमा मस्जिद ग्वालटोली, जूही लाल कालोनी पटकापुर, नवाब दूल्हा हाता, छोटे मियां हाता समेत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में काली पट्टी बांधकर लोगों ने नमाज अदा की।

सीएसजेएमयू में क्वांटम टेक्नोलॉजी पढ़ सकेंगे छात्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज में होगा कार्स, शैक्षणिक परिषद की स्वीकृति

अमृत विचार। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के तहत भौतिकी विभाग द्वारा प्रस्तावित एमएससी (क्वांटम टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की अनुमति मिल गई है।

वर्तमान समय में क्वांटम कम्प्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, क्वांटम सेंसरिंग तथा क्वांटम मैटेरियल्स जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर प्रगति हो रही है। प्रस्तावित दो वर्षीय (चार सेमेस्टर) पाठ्यक्रम में उन्नत क्वांटम यांत्रिकी, क्वांटम सूचना एवं संगणन, क्वांटम ऑप्टिक्स, क्वांटम सामग्री एवं उपकरण, तथा संगणकीय तकनीकों जैसे विषयों का समावेश किया गया है। अंतिम सेमेस्टर में शोध परियोजना/डिसर्टेशन अनिवार्य होगी, जिससे विद्यार्थियों को शोध एवं उद्योगोन्मुख अनुभव प्राप्त होगा। भौतिकी विभाग के अनुभवी एवं शोध-सक्रिय संकाय सदस्यों तथा उपलब्ध आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के आधार पर इस पाठ्यक्रम का संचालन किया जाएगा। इसके साथ ही भविष्य में क्वांटम सिमुलेशन एवं कम्प्यूटिंग प्रयोगशाला की स्थापना की भी योजना है। बताया गया कि इस नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ होने से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध संस्थानों, रक्षा संगठनों, उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों एवं शिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट करियर अवसर प्राप्त होंगे।

नौकरीपेशा लोग भी ले सकेंगे सीएसजेएमयू से दो डिग्रियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू में नौकरीपेशा भी दो डिग्रियों को हासिल कर सकेंगे। यह डिग्रियां वे दूरस्थ ऑनलाइन कोर्स के जरिए हासिल हो सकेंगी। इन कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन लिए जाने शुरू हो गए हैं। रजिस्ट्रेशन को विश्वविद्यालय की ओर से ऑलाइन मोड पर 30 मार्च तक स्वीकार किए जा सकेंगे।

विश्वविद्यालय की ओर से नए सत्र के लिए 8 कोर्स लिए ड्युअल डिग्री प्रोग्राम चलाया जा रहा है। इसके तहत बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम, बीबीए, एमबीए, बीसीए व एमसीए कराए जा रहे हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय की ओर से यह कोर्स ऐसे लोगों के लिए शुरू किए गए हैं जो किन्ही वजह से विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने नहीं आ सकते। इस स्थिति में वे इस प्रक्रिया के तहत अपने घर से ही ऑनलाइन मोड के जरिए पढ़ाई कर अपनी डिग्री हासिल कर सकते हैं। खास बात यह है कि विश्वविद्यालय की ओर से कराए जाने वाले इन कोर्स को यूजीसी की ओर से भी मान्यता हासिल हैं। कोर्स में रजिस्ट्रेशन के लिए विश्वविद्यालय के पोर्टल पर छात्र सभी तरह की जानकारी हासिल कर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे लोगों को भी जोड़ा जा रहा है जो पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए हैं। इनमें नौकरीपेशा के साथ ही जेल में बंद कैदी व कैंट क्षेत्र में निवास करने वाले नागरिक भी शामिल हैं।

शोभायात्रा में चलीं सजी-धजी महिलाएं। अमृत विचार

धूमधाम से निकली गणगौर की शोभायात्रा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चावल मंडी से घूमनी बाजार तक गूंजे भजन, जगह-जगह फूलों की वर्षा से हुआ स्वागत

अमृत विचार। गौड़ ब्राह्मण युवा मंडल (रजि.) एवं गौड़ ब्राह्मण महिला मंडल की ओर से रविवार को गणगौर पर्व के अवसर पर भगवान शंकर-पार्वती की भव्य शोभायात्रा बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई। यात्रा चावल मंडी स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर से प्रारंभ हुई, जहां सुसज्जित रथ पर विराजमान शंकर-पार्वती की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर भाग लिया और पारंपरिक भजनों के साथ गणगौर माता की आराधना की। यह पर्व कुंवारी कन्याओं के अच्छे वर की कामना तथा विवाहित महिलाओं के सौभाग्य की कामना से जुड़ा माना जाता है। यात्रा चावल मंडी से कमला टावर, फीलखाना, रानी सती मंदिर, सिरकी मोहल्ला होते हुए घूमनी बाजार स्थित प्राचीन गणगौर कुएं पर हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम में संरक्षक पंडित आनंद गौड़ सहित अदिति गौड़, विमला गौड़, चेतना, नीलम, कुसुम, निकी, नंदनी, श्रेया गौड़, आशीष गौड़, श्रीश गौड़, शुभम गौड़, शिखा और प्रियंका समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

सड़क पार कर रही महिला को बाइक सवारों ने लूटा

कानपुर। मंगला विहार प्रथम स्थित मामा पीसीओ के पास शनिवार शाम को बाइक सवार लुटेरों ने सड़क पार कर रही महिला सिविल डिफेंस कर्मी के गले में झपट्टा मारकर मंगलसूत्र लूट लिया और भाग निकले।

चकेरी के मंगला विहार प्रथम न्यू पीएसी लाइन निवासी अनीता श्रीवास्तव के अनुसार वह महिला सिविल डिफेंस कर्मी हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह वह आईआईटी में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गई थीं। उसके बाद वह ऑटो से छप्पन भोग चौराहे पर उतरीं। जहां से वह ई रिक्शे में बैठकर अपने घर जाने लगीं। उसके बाद मामा पीसीओ के पास उन्होंने कुछ सामान लेने के चलते रिक्शा वहीं पर रुकवा दिया और रिक्शे से उतर गईं। फिर वह सड़क पार कर रही थीं। तभी दूसरे तरफ से आ रहे बाइक सवार दो युवकों ने अचानक उनके गले में झपट्टा मारा और मंगलसूत्र लूटकर भाग छप्पन भोग चौराहे की तरफ भाग निकले। घटना के बाद अनीता ने शोर मचाया तो लोग जमा हो गये।

आईआईटी में मौजूद छात्र। अमृत विचार

छात्रों ने सीखे विज्ञान के नए-नए तथ्य

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 10 सरकारी स्कूलों के सौ छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

अमृत विचार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के रंजीत सिंह रोजी शिक्षा केंद्र में बच्चों ने विज्ञान के विभिन्न तथ्य समझे। शहर के 10 स्कूलों के सौ से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। कक्षा 9 से 12 तक के इन छात्रों ने उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा समर्थित विज्ञान लोकप्रियकरण एवं संचार कार्यक्रम के तहत भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी कानपुर के छात्र स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित इंटरैक्टिव और प्रायोगिक सत्र से हुई। इसमें पनडुब्बी (सबमरीन) के मॉडल का प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहा। इसके बाद प्रो. संतोष मिश्रा और उनके पीएचडी छात्र तमोजित सान्त्रा द्वारा 'बायोलॉजी अराउंड अस' विषय पर व्याख्यान दिया गया। छात्रों ने कई सवाल पूछे, जैसे कि दर्द निवारक स्प्रे तुरंत कैसे असर करते हैं, क्या लंबाई बढ़ाई जा सकती है और पानी सामान्यतः तरल रूप में क्यों होता है। वक्ताओं ने इन सवालों के जवाब आसान उदाहरणों के जरिए दिए। कार्यक्रम में डॉ. किरण प्रजापति (समन्वयक, जिला विज्ञान क्लब), प्रो. सुधांशु एस. सिंह (मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग), रीता सिंह (प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव ऑफिसर) और शुभी शुक्ला (समन्वयक, शिक्षा कार्यक्रम,) मौजूद रहीं।

स्प्रिंग डेल्स पब्लिक स्कूल में मिलेगा सिर्फ 21 बच्चों को एडमिशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शताब्दी नगर कपली स्थित राम गंगा एन्क्लेव फेज-3 में शनिवार को स्प्रिंग डेल्स पब्लिक स्कूल का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। प्ले ग्रुप से लेकर हाईस्कूल तक की पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। बच्चों के खेलने के लिए पर्याप्त मैदान और कंप्यूटर शिक्षा के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की भी व्यवस्था की गई है। विद्यालय के प्रबंधक अजय प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार को ध्यान में रखते हुए स्कूल की स्थापना की गई है। प्रबंधन ने फिलहाल केवल 21 बच्चों के प्रवेश का निर्णय लिया है, जबकि अन्य बच्चों को अगले सत्र में प्रवेश देने की योजना है। मुख्य अतिथि सतीश महाना ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और ऐसे विद्यालय उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। विधायक नीलिमा कटियार राकेश सोनकर, पू सुरेश गुप्ता, रवि दीक्षित, हरिशंकर गुप्ता, हर्षवर्धन सिंह, राहुल सिंह, अंजनी निगम , संजय प्रकाश, आदित्य सिंह राना सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समारोह में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

महोत्सव

कहा गया, ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश की प्रतिष्ठा पूरे विश्व में बढ़ी

टेककृति में रोबोट, ड्रोन और संगीत का रहा जलवा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के वार्षिक तकनीकी एवं उद्यमिता महोत्सव टेककृति के तीसरे दिन युवाओं ने अपनी प्रतिभा बिखेरी। रोबोट, ड्रोन और रॉक बैंड जैसे इवेंट की युवाओं की बड़ी भागेदारी रही। एयर मार्शल बालाकृष्णन मणिकांतन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत की प्रतिष्ठा पूरे विश्व में बढ़ी है।

टेककृति के तीसरे दिन की शुरुआत वुमेन पैनल से हुई। जिसमें शैलजा डोनेमपुडी (सीएसआईआर), दीप्ति सौदागर और तरणजीत कौर (बीआईआरएसी) ने भाग लिया। एक प्रमुख आकर्षण एडब्लूएस की मौना नीलकंठा का कीनोट सत्र रहा। उन्होंने पारंपरिक एआई मॉडल्स से आगे बढ़कर स्वायत्त, क्रियाशील एआई एजेंट्स की अवधारणा पर प्रकाश डाला उन्होंने एजेंटिक रीजनिंग, मेमोरी और सेल्फ-डायरेक्टेड व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को सरलता से समझाया। एयर मार्शल बालाकृष्णन मणिकांतन, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, सेंट्रल एयर कमांड, ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना के मिशनों की सटीकता, रणनीति और नेतृत्व के पीछे की वास्तविक कहानियां साझा कीं। बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत की प्रतिष्ठा पूरे विश्व में बढ़ी है। वहीं एडब्लूएस हैकाथॉन, आईएआरसी, स्ट्रैटेजी स्प्रिंट और पिच प्रीमियर जैसे आयोजनों में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इनमें टेककृति ग्रां प्री (टीजीपी) विशेष आकर्षण रहा। एक रोमांचक आरसी कार प्रतियोगिता, जिसमें टीमों ने खुद से डिजाइन किया। आईसी इंजन-आधारित कारों को चुनौतीपूर्ण ट्रैकों पर दौड़ाया, जो इंजीनियरिंग कौशल और नवाचार का शानदार प्रदर्शन था।

एयर मार्शल बालाकृष्णन। अमृत विचार

रोबोट का प्रदर्शन करते छात्र। अमृत विचार

रॉक नाइट में झुमे युवा: शाम को रॉक नाइट का आयोजन हुआ। इस शो में तेज संगीत और लाइट ने युवाओं को आकर्षित किया। रॉक नाइट में ओमकार बैंड ने प्रोनाइट ग्राउंड पर अपनी ऊर्जावान प्रस्तुति दी। जिससे दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद अंकित के फिलर और एआर कलाकार की प्रस्तुतियों ने देर रात तक माहौल को जीवंत बनाए रखा।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

न्यूज ब्रीफ

आज होगा अंडर-16 का जनपदीय ट्रायल

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के सत्र 2026-27 के अंतर्गत जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट ट्रायल 22 मार्च को सुबह 9 : बजे से राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज उन्नाव में संपन्न होंगे। इसमें सभी पंजीकृत खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। खिलाड़ियों को अपने पंजीकरण की रसीद लाना अनिवार्य होगा।

समाचार पत्र वितरकों का होली मिलन आज

शुक्लागंज (उन्नाव)। रविवार को राजमार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में समाचार पत्र वितरक समिति शुक्लागंज द्वारा होली मिलन समारोह होगा। इसमें फूलों की होली खेली जाएगी। जिसमें सभी सदस्य उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। समारोह में फगुआरों द्वारा पारंपरिक होली गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। जिससे माहौल रंगीन व सांस्कृतिक बनेगा। इसके बाद मौजूद लोगों को ठंडाई बांटी जाएगी। कार्यक्रम में समाचार पत्र वितरकों के साथ नगर के गणमान्य लोग भी शामिल होंगे। समिति अध्यक्ष मुकेश तिवारी ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य आपसी भाईचारा व सौहार्द बढ़ाना है।

अग्निकांड की घटनाओं को लेकर एडवायजरी

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। क्षेत्र में गेहूं की फसल पककर तैयार होने के साथ ही आग लगने की घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए डीएम कपिल सिंह के निर्देश पर किसानों के लिए विस्तृत सुरक्षा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बताया गया कि वर्तमान समय फायर सीजन का है। इसमें खेतों और खलिहानों में छोटी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। कहा गया कि किसान फसलों की कटाई करके उन्हें बिजली के तारों और पोल से दूर रखें। खलिहान बिजली लाइनों से और आबादी से कम से कम 20 से 100 फीट की दूरी पर रखें। लापरवाही न बरतें।

बड़ी ईदगाह में ईद की नमाज अदा करते लोग। अमृत विचार

बड़ी ईदगाह में नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते डीएम व एसएसपी।

एक-दूसरे के गले मिल ईद की बधाई देते बच्चे। अमृत विचार

हर्षोल्लास के साथ जिले भर में मनी ईद

मुल्क में अमन-चैन की दुआ को झुके हजारों सिर , नमाज के बाद गले मिल दी एक दूसरे को मुबारकबाद

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। ईद का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर की बड़ी ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने ईद की नमाज अदा कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी और एक-दूसरे से गले मिलकर पर्व की मुबारकबाद दी।

बड़ी ईदगाह में शनिवार दो पालियों में सुबह 7.30 बजे व 8:15 बजे शहर काजी मौलान निसार अहमद मिस्बाही ने नमाज अदा कराई। इसमें उन्होंने लोगों से अल्लाह के बताए रास्ते पर चलने की अपील की। साथ ही अन्य मुल्कों के लिए नजीर बनी कौमी एकता को और मजबू बनाने के लिए कहा। नमाज के बाद लोगों ने गरीबों को जकात बांटी। डीएम गौरांग राठी व एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने ईद की नमाज के समय शांति व सुरक्षा व्यवस्था के उद्देश्य से क्षेत्र में भ्रमण किया। कोतवाली सदर क्षेत्र स्थित ईदगाह सहित कई स्थानों पर शांति व्यवस्था के लिए लगाई गई पुलिस कर्मियों की ड्यूटी चेक की। छोटी ईदगाह, कंजी मस्जिद, मदीना मस्जिद तकीनगर, अताउल्लाह मस्जिद, जामा मस्जिद, जन्नतुल मस्जिद तालिब सराय व काजी बुद्दनशाह स्टेशन रोड मस्जिद में नमाज अदा कराई गई। इस दौरान बड़ी ईदगाह में सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव, सपा नेता राजेश मिश्रा, मंजीत यादव सहित अन्य ने लोगों को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

अल्लाह की बारगाह में अदा की ईद की नमाज

बांगरमऊ। ईद उल फितर का त्योहार नगर व ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास व भाईचारे के के साथ मनाया गया। ईदगाह में ठीक 8 :30 बजे इमामे ईदगाह काजी शहर सैय्यद जियाउल आरफीन ने नमाज अदा कराई। ईदगाह में मौलाना फैसल बिलाल जामई, मौलाना अनस कमर, मुफ्ती रियाज, हाफिज फिरोज खान, मो. खालिद, कुर्बान अली, अरकान सिद्दीकी, मौलाना रहमान, हाफिज फुजैल, पूर्व चेयरमैन इजहार खान, पूर्व विधायक बदलू खान सहित हजारों लोगों ने अल्लाह की बारगाह में ईद की नमाज अदा कर मुल्क में अमन-चैन, तरक्की व आपसी सौहार्द की दुआ मांगी। ईदगाह के बाहर सपा नेता सुरेश पाल, सलीमुर्रहमान, संजीव त्रिवेदी, इमरान सिद्दीकी, शशांक शेखर शुक्ला, आलोक त्रिपाठी, राधेलाल निषाद, कांग्रेस नेता शमीम खान, समाजसेवी रामपाल यादव, व ऋषि बाजपेई द्वारा लगाए गए स्वागत शिविरों में नमाजियों को कोल्डड्रिंक, पानी व अन्य जलपान कराकर व गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

नमाज अदा कराते मौलाना। अमृत विचार

घरों में जाकर दी मुबारकबाद

उन्नाव। ईद के पर्व पर लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर ईद की बधाई दी। महिलाएं व युवतियों ने भी अपनों के यहां जाकर ईद की मुबारकबाद दी। साथ ही सेवइयां व पकवानों का आनंद लिया। देररात तक लोगों का एक-दूसरे के घर आना-जाना लगा रहा। परिवार के बड़े बुजुर्गों ने बच्चों को ईदी दी। शहर के निराला पार्क में खूब भीड़ रही।

काली पट्टी बांधकर अदा की ईद की नमाज

सफीपुर। क़स्बे की ईदगाह में पेश इमाम अब्दुल्ला ने सुबह 8 :30 बजे नमाज अदा कराई। इसके बाद मौलाना इफ्तिखार हुसैन ने देश की सलामती, खुशहाली, तरक्की व आपसी भाईचारे के लिए दुआ कराते हुए कहा कि जिस दिन इंसान से कोई गुनाह न हो, वही दिन उसके लिए ईद के समान होता है। इसी तरह मखदूम शाह सफ़ी, हाताबाजार, मदीना मस्जिद, खादिम शाह सफ़ी मजार आदि स्थानों पर भी नमाज अदा की गई। हाताबाजार स्थित मीर बख्शिश अली मस्जिद में शिया समुदाय के लोगों ने विश्व धर्मगुरु आयतुल्ला खामनेई की शहादत के शोक में हाथों पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की। इसमें मौलाना इफ्तिखार हुसैन ने उनके निधन को बड़ी क्षति बताया। त्योहार के मद्देनजर प्रशासन मुस्तैद रहा। ईदगाह में चेयरमैन पुत्र देवांग बाजपेई, पूर्व चेयरमैन नसीम अहमद, एसडीएम शिवेंद्र वर्मा, कोतवाल एसएन त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

ईद पर की देश में शांति व खुशहाली की दुआ

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

- डीएम, एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

अमृत विचार। शनिवार सुबह उत्साह व श्रद्धा के साथ ईद का त्योहार मनाया गया। राजमार्ग स्थित जामा मस्जिद सहित नगर की विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की गई। जहां नमाजियों ने देश में अमन, शांति, तरक्की की दुआ मांगी।

शनिवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे जामा मस्जिद में ईद की मुख्य नमाज अदा की गई। इस दौरान नगर के अलीनगर, रहमत नगर, अहमद नगर, चंपापुरवा, मदनीनगर, आलम नगर, मनोहर नगर, इन्द्रानगर समेत अन्य क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नमाजी नमाज अदा करने पहुंचे। भारी भीड़ के चलते मस्जिद परिसर पूर्ण रूप से भर गया। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बैरीकेडिंग कर भीड़ नियंत्रित की। कई चरणों में नमाज संपन्न कराई गई। जामा मस्जिद के पेश इमाम शमीम अहमद ने नमाज अदा करवाई। वहीं मौलाना गुलाम मोहम्मद, फुजैल अहमद, अब्दुल गफूर, मुजीबुर्रहमान, कारी मुस्लेह उद्दीन, हाफिज असगर अली, इस्लाम रजा, अब्दुल हलीम, मो. साजिद रजा, मो. इरफान, आकिब बरकाती, अफजल बरकाती, अख्तर रजा, मो. आरिफ, तहसीन रजा कादरी, मो. अनस रजा खान, गुलाम गौस, इजहार बरकाती और अब्दुल मुस्तफा मिस्बाही आदि ने भी विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा कराई। इस दौरान डीएम गौरांग राठी व एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गंगाघाट पुलिस, पीएसी व दमकल विभाग की टीमें मुस्तैद रहीं। पोनी रोड तिराहा, झंडा चौराहा, कंचन नगर व मरहला चौराहा सहित संवेदनशील स्थानों पर भारी फोर्स तैनात रहा। साथ ही पुलिस द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार गश्त की जाती रही। जिससे कहीं भी अव्यवस्था न हो। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। घरों में सेवईयां व अन्य पकवान बनाकर मेहमानों का स्वागत किया गया। वहीं मदनीनगर, रहमत नगर, अहमदनगर, अलीनगर और रसीद कॉलोनी समेत कई स्थानों पर युवाओं ने डीजे पर जश्न मनाया। देर रात तक पूरा नगर ईद की खुशियों में सराबोर नजर आया।

पत्नी ने सुपारी देकर करवाई थी पति की हत्या

फालोअप

संवाददाता, नवाबगंज (उन्नाव)

- पत्नी के अनुसार, पति नशे में उसे व उसके बच्चों को आए दिन पीटता था
- पुलिस ने पत्नी समेत 3 आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा है, मामले की जांच-पड़ताल शुरू

अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र में 3 दिन पहले खेत में मिले युवक के शव की घटना का पुलिस ने 48 घंटे में खुलासा कर दिया। शराब की लत व आएदिन की मारपीट से तंग आकर पत्नी ने ही साथियों के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतारने की सुपारी दी थी। पुलिस ने पत्नी समेत 3 आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा है।

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के थानखेड़ा गांव के मजरा चमरौली निवासी श्रीकांत (35) का शव बीते गुरुवार राजेश यादव के खेत में मिला था। पुलिस मां सुन्दारा की तहरीर पर मृतक की पत्नी व अज्ञात साथियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही थी। पुलिसिया पूछताछ में मृतक की पत्नी सुखरानी ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि श्रीकांत नशे में उससे व बच्चों से मारपीट करता था। साथ ही उसका किसी दूसरी महिला से संबंध भी था। इससे तंग आकर उसने पति को रास्ते से हटाने का फैसला किया और गांव के परिचितों के साथ मिलकर साजिश रची। बताया कि 17 मार्च की रात योजना के तहत पति व छोटे बेटे अंश को लेकर राजेश यादव के गेहूं के खेत के पास पहुंची। वहां पहले से मौजूद अंकित यादव व मोहित सिंह ने सुखरानी के सामने ही श्रीकांत के हाथ पीछे बांध दिए। इसके बाद दोनों ने श्रीकांत के सिर, चेहरे व सीने पर मुक्कों से तब तक प्रहार किया जब तक उसकी जान नहीं निकल गई। इसके बाद सुखरानी ने दोनों को तयशुदा 40 हजार रुपये दे दिए। पुलिस ने शनिवार सुबह मुखबिर की सूचना पर चमरौली-दौलतखेड़ा मार्ग पर नहर के पास से तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने उनके पास से 3 फोन व करीब 11 हजार रुपए बरामद किए हैं। अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि हत्या की धारा में दर्ज मुकदमे में अब साक्ष्य छिपाने व साझा इरादे की धारा बढ़ाई गई है। तीनों को कोर्ट मे पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी पत्नी व सुपारी किलर। अमृत विचार

सड़क हादसे में युवक की मौत

उन्नाव। आसीवन थानाक्षेत्र में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं पीछे बैठा बड़े भाई का साला गंभीर घायल हो गया।

आसीवन थानाक्षेत्र के खानपुर सुरौली गांव निवासी मनी उर्फ छोटू (20) पुत्र विजयपाल अपने बड़े भाई के साले विजय (18) पुत्र जालिपा निवासी परेंदा माखी के साथ शुक्रवार रात मुंशीगंज जा रहा था। तभी मुंशीगंज मार्ग स्थित गांव जखैला के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों गंभीर घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें मियागंज सीएचसी भेजा। जहां डॉ. पंकज वर्मा ने मनी उर्फ छोटू को मृत घोषित कर दिया। विजय की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गए थे तीर्थ यात्रा पर, आई मौत की खबर, परिजनों में कोहराम

उत्तराखंड हादसा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- खबर मिलते ही बदहवास परिजन उत्तराखंड हुए रवाना

अमृत विचार। उत्तराखंड के कैंची धाम दर्शन करने जाते समय कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में चली गई। हादसे में शहर के दो युवकों की मौत हो गई। वहीं दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोग उत्तराखंड के लिए निकल गए।

बता दें कि सदर कोतवाली क्षेत्र के पीतांबर नगर निवासी कानपुर आरटीओ कार्यालय में लिपिक के पद पर तैनात अंकित चौधरी पुत्र धर्मेंद्र दही थानाक्षेत्र के शिवनगर मोहल्ला निवासी अपने साथी अविराज विमल पुत्र अशोक, अन्य साथी अतुल दुबे व श्याम के साथ शुक्रवार रात अंकित की कार से उत्तराखंड के नैनीताल के पास स्थित कैंची धाम व जागेश्वर धाम के दर्शन के लिए निकले थे। तभी नैनीताल के गेठिया के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर 250 मीटर गहरी खाई में चली गई। इसकी सूचना पर तल्लीताल व ज्योलिकोट की पुलिस, एसडीआरएफ व दमकल कर्मियों की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। लेकिन खाई गहरी होने से बचाव दल को घायलों तक पहुंचने में मशक्कत करनी पड़ी। कड़ी मेहनत के बाद सभी घायलों को खाई से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने अंकित व अविराज को मृत घोषित कर दिया। वहीं श्याम व अतुल को हायर सेंटर भेजा गया। हादसे की खबर परिजनों को मिली तो वह बदहवास हो गए। अंकित 3 भाइयों में बड़ा था। उसकी पत्नी पल्लवी व मां कुसमा रो -रोकर बेहाल हैं। उसके दो बच्चों में बेटी अंशिका व बेटा देवा हैं। अविराज की भी शादी हो गई थी। पति की मौत से पत्नी प्रियंका व मां माया बेहाल हैं। उसके पिता व भाई नीरज कुवैत में है। हादसे की खबर मिलते ही वह बेहाल हो गए।

पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक वह वापसी की फ्लाइट पकड़कर घर के लिये निकले हैं। वहीं, हादसे के बाद अन्य परिजन उत्तराखंड के लिए निकले हैं। घरों में केवल महिलाएं ही मौजूद हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमार्टम के बाद रविवार को दोनों शवों के शहर पहुंचने की उम्मीद है।

अंकित का बंद पड़ा घर। अमृत विचार

अंकित चौधरी व अविराज का फाइल फोटो।

चंद्रघंटा के रूप में विराजीं दुर्गा माता। दुर्गा मंदिर में भजन कीर्तन करतीं महिलाएं। अमृत विचार

एसबीआई के शाखा प्रबंधक की संदिग्ध हालात में मौत

उन्नाव। ड्यूटी से घर लौटे एसबीआई के शाखा प्रबंधक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें हृदयघात से मौत होने की पुष्टि हुई है। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के अटवा गांव निवासी विजय किशोर (45) पुत्र अयोध्या प्रसाद इटावा में एसबीआई में शाखा प्रबंधक थे। उनकी पत्नी सोनी बेटे के साथ पढ़ाई के सिलसिले में शहर के मोहल्ला सिविल लाइंस में रहती है। शनिवार व रविवार की छुट्टी के चलते विजय शुक्रवार रात सिविल लाइंस पहुंचे थे। जहां उनकी देररात अचानक हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। शनिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हृदयघात से मौत होने की पुष्टि हुई।

देवी मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़ घरों में जारी भजन-कीर्तन का दौर

संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को जिल के मंदिरों में भक्तों ने श्रद्धा के साथ मां दुर्गा के मां चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों के बाहर कतारें देखने को मिलीं। जहां श्रद्धालुओं ने माता रानी को चुनरी, फल, फूल व नारियल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के प्राचीन कल्याणी देवी मंदिर, दुर्गा मंदिर व पूर्णा देवी मंदिर में भोर से ही भक्तों का तांता लगा रहा। वहीं, जिले के ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों के प्रसिद्ध सिद्धपीठों में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। नवाबगंज के कुशहरी देवी मंदिर में भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए। बक्सर के चंडिका देवी धाम में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने मत्था टेका। दिनभर की पूजा के बाद शाम का नजारा और भी मनमोहक रहा। मंदिरों के साथ घरों में भी महिलाओं की टोलियों ने ढोलक की थाप पर भजन-कीर्तन किया।

मां चंद्रघंटा के दर्शन को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शुक्लागंज (उन्नाव)। नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा के दर्शन के लिए शनिवार को शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। सुबह से देर रात तक मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी से सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया था। मां के दरबार में फूल-मालाओं व आकर्षक सजावट के बीच श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। आचार्य विनोद पांडे ने बताया कि मां चंद्रघंटा की पूजा करने से भय का नाश होता है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कहा कि उपवास रखकर व दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। गांधीनगर स्थित काली मंदिर, कंचन नगर का कंचना मंदिर, पोनीरोड स्थित सोमा गौरी मंदिर, झंडेश्वरी देवी मंदिर, महेश मार्ग स्थित मां सिद्धिदात्री मंदिर व चंपापुरवा के मंशा देवी व अन्य दुर्गा मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। राजमार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में भी सुबह से लंबी कतारें रहीं। शनिवार होने से श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रही। जिससे मंदिर प्रांगण में भक्तों की कतारें नजर आईं। वहीं कई जगह अखंड रामायण पाठ का भी शुभारंभ हुआ। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा।

मशीन में फंसा युवक का हाथ, हालत गंभीर

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर क्षेत्र में शनिवार को बताशा बनाने वाली मशीन में युवक का हाथ फंस गया। काफी मशक्कत के बाद कड़े को काटकर उसका हाथ निकाला गया। जानकारी के अनुसार बाल किशन उर्फ टारजन काम के दौरान मशीन के पास खड़ा था। तभी उसके हाथ में पहना कड़ा मशीन में फंस गया और देखते ही देखते उसका पूरा हाथ मशीन में चला गया। । मौजूद लोगों ने तुरंत मशीन बंद कर युवक को निकालने का प्रयास किया लेकिन हाथ बुरी तरह फंसा होने से काफी मशक्कत करनी पड़ी। लोगों ने कटर मशीन से उसके हाथ में फंसे कड़े को काटा। इसके बाद उसका हाथ बाहर निकाला जा सका। इसमें युवक गंभीर घायल हो गया। उसे तत्काल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

शिलान्यास | विधायक ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

सदर विधायक ने दी 33 करोड़ की सौगात

संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने जंगेनगर चौराहे पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सूबे की भाजपा सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही अंत्योदय के सपने को साकार करना है। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र में करीब 33 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इसमें विधायक ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय यह क्षेत्र विकास की दौड़ में पिछड़ गया था। लेकिन वर्तमान सरकार में बिजली, पानी व सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने लंबे समय से जाम की समस्या झेल रहे उन्नाव-हरदोई मार्ग पर 2 करोड़ की लागत से हो रहे दोस्ती नगर नहर पुल के चौड़ीकरण व नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास किया। थाना से जंगेनगर पावा होते हुए 26 करोड़ की लागत से होने वाले परियर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। वहीं, लोक निर्माण विभाग द्वारा 1 करोड़ से हुए जंगेनगर चौराहे पर नवनिर्मित पुलिया का उद्घाटन किया। विधायक निधि से अब्बासपुर, दोस्ती नगर के मोटेश्वर मंदिर व थाना क्षेत्र के मां आशाम्बरी देवी धाम में नवनिर्मित पेयजल टंकियों का लोकार्पण भी किया। वहीं, परमनी मुख्य मार्ग पर इंटरलॉकिंग कार्य का उद्घाटन भी किया गया। एक साथ करोड़ों की परियोजनाओं की सौगात मिलने से क्षेत्रवासियों में उत्साह दिखा। जंगेनगर, अब्बासपुर व दोस्ती नगर समेत कई स्थानों पर लोगों ने फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों व आतिशबाजी के साथ विधायक का स्वागत किया। इसमें सुनील अवस्थी, अतुल वर्मा, जीएस भदौरिया, नीतू सेंगर, मंडल अध्यक्ष सुशील रावत, मुन्ना तिवारी आदि मौजूद रहे।

विकास कार्यों का लोकार्पण करते विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल।
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल॥

रहीम कहते हैं कि जिन लोगों में बड़प्पन होता है, वो अपनी बड़ाई कभी नहीं करते। जिस तरह से हीरा कितना भी अमूल्य क्यों न हो, लेकिन कभी अपने मुंह से अपना मोल नहीं बताता।

प्रकृति की शक्तियों को आदर देने की प्राचीन परंपरा

> देवी माता हैं। माता जननी होती हैं। मां न होती तो हम न होते। भारत के कोने-कोने देवी उपासना के प्रतिष्ठित मंदिर हैं। असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी मंदिर है। कोलकाता में काली जी का और मध्य प्रदेश के दतिया में पीतांबरा का मंदिर है। मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में विंध्यवासिनी, टनकपुर, उत्तराखंड में पूर्णागिरी का मंदिर है। ढाका, बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मां का मंदिर है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान में हिंगलाज माता का मंदिर है। इन मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या दर्शनार्थ जाती है। देवी उपासना की शुरुआत का आदि केंद्र भारत है। प्रकृति की शक्तियों को माता देखने और आदर देने की परंपरा प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं। गाय माता हैं। अवध्य और पूज्य हैं। सरस्वती माता हैं। वन की एक देवी अरण्यानी भी हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी, अंबिका आदि देवियां हैं। वैदिक ग्रंथों में जल भी माता के रूप में उपास्य हैं।

सत्य प्रत्येक परिस्थिति में उपयोगी होता है, लेकिन जीवन संघर्ष में सत्य के साथ शक्ति भी चाहिए। श्रीराम और रावण के बीच हुआ युद्ध काफी लंबा चला था, लेकिन प्रारंभिक चरण में श्रीराम की विजय सुनिश्चित नहीं थी। इसको लेकर काफी चिंता थी। प्रख्यात कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने 'राम की शक्ति पूजा' में युद्ध का भावुक वर्णन किया है। एक सायं सभी योद्धा शिविर में लौटे। निराला जी लिखते हैं, "आए तब शिविर, सुग्रीव, विभीषण जामवंत, अंगद/हनुमान बैठे रघुकुल मणि श्वेत शिला पर।" निराला जी ने श्रीराम के संशय का उल्लेख किया है,"बोले रघुमन विजय न होगी न समर ये नहीं रहा नर वानर का राक्षस से रण। उतरी पा महाशक्ति रावण से आमंत्रण।" श्रीराम बेचैन हैं। अन्याय जिधर है उधर शक्ति। श्रीराम को आश्चर्य था कि महाशक्ति रावण के पक्ष में क्यों हैं? जामवंत ने कहा, "रघुवर विचलित होने का नहीं देखता मैं कारण। हे पुरुष सिंह तुम भी यह शक्ति करो धारण। आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर। शक्ति की करो मौलिक कल्पना। करो पूजन।"

रावण ने अपने तप बल से तमाम शक्तियां अर्जित की थीं। शक्ति उपासना का उत्तर शक्ति उपासना में ही संभव है। राम ने भी शक्ति पूजा का आश्रय लिया। राम आसन जमाकर बैठे। आठवें दिन ध्यान ऊर्ध्व शिखर पर पहुंचा। वे प्रत्येक पुरश्चरण के बाद देवी के चरणों में नीलकमल चढ़ाते थे। अंतिम आराधन में श्रीराम ने जैसे ही नीलकमल के लिए अपना हाथ बढ़ाया, नीलकमल गायब था। श्रीराम चिंतित हो गए। हमारा लाया हुआ नीलकमल कहां गया। उन्होंने तत्काल विकल्प बनाया। माताजी मुझको राजीव नयन कहती थीं। मैं वहीं अपने नयन अर्पित करूंगा। निराला जी कहते हैं ब्रह्मांड कांपा। देवी का उदय हुआ। देवी ने राम का हाथ पकड़ा, "देखा राम ने सामने श्री दुर्गा भास्वर।" निराला ने लिखा है,"होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन कहे महाशक्ति राम के बदन में हुई लीन।"

शक्ति का अर्जन, उपासन पुरश्चरण और जागरण लोक को प्रकाश और आनंद से भर देता है। दुर्गा सप्तशती देवी उपासना के पांचवें अध्याय में देवी को प्रत्येक रूप और भाव में भरा पूरा बताया गया है। यहां देवी लज्जा हैं। विद्या हैं। माता हैं। कण-कण में व्याप्त हैं। 11 वें अध्याय के अंतिम श्लोक में देवी सबको आश्वासन देती हैं कि जब-जब बाधाएं आएंगी। दानवी शक्तियां कष्ट देंगी। तब-तब मैं प्रकट होऊंगी और दानवी शक्तियों का नाश करूंगी। यहां गीता की ध्वनि है। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि "जब-जब धर्म का पराभव होगा, तब-तब सज्जनों की रक्षा और धर्म के अभ्युदय के लिए मैं आऊंगा।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

देवी माता हैं। माता जननी होती हैं। मां न होती तो हम न होते। भारत के कोने-कोने देवी उपासना के प्रतिष्ठित मंदिर हैं। असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी मंदिर है। कोलकाता में काली जी का और मध्य प्रदेश के दतिया में पीतांबरा का मंदिर है। मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में विंध्यवासिनी, टनकपुर, उत्तराखंड में पूर्णागिरी का मंदिर है। ढाका, बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मां का मंदिर है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान में हिंगलाज माता का मंदिर है। इन मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या दर्शनार्थ जाती है। देवी उपासना की शुरुआत का आदि केंद्र भारत है। प्रकृति की शक्तियों को माता देखने और आदर देने की परंपरा प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं। गाय माता हैं। अवध्य और पूज्य हैं। सरस्वती माता हैं। वन की एक देवी अरण्यानी भी हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी, अंबिका आदि देवियां हैं। वैदिक ग्रंथों में जल भी माता के रूप में उपास्य हैं। ईसा पूर्व (छठी शताब्दी) यूनानी दार्शनिक थेल्स ने सृष्टि का उद्भव जल से बताया। इसके पहले ऋग्वेद में जल को जल माताएं 'आपः मातरम्' कहा गया है। इडा, सरस्वती और मही नाम की तीन देवियों का उल्लेख ऋग्वेद (5.5.8) में है। यहां रात्रि भी मां है। ऋग्वेद (10.127) में रात्रि भी उपास्य देवी हैं। कहते हैं, "रात्रि मां के आंचल में पैरों से चलने वाले, पंखों से उड़ने वाले कीट पतिंग और पथिक सुखपूर्वक सोते हैं।" अथर्ववेद में रात्रि देवी को संवत्सर की प्रतिमा कहा गया है। भारतीय देवतंत्र में देवी माँ की अनुभूति गहरी है।

ऋग्वेद में वाणी देवी हैं। वे कहती हैं, "मैं रूद्र, वसु, आदित्य और विश्व देवों के रूप में विचरण करती हूं। मैं मित्र वरुण इंद्र, अग्नि और अश्विनी कुमारों को धारण करती हूं। मैं सृष्टि के सभी प्रपंचों रूपों भावों में स्थित हूं। मेरी सहायता से ही प्राणी अन्न खाते हैं। देखते हैं। सांस लेते हैं। सुनते हैं। मैं जिसे चाहती हूं, उसे शक्तिशाली स्तोता, ऋषि और बुद्धिमान बनती हूं। मेरा निवास जल में है। वहीं से मैं सारे संसार में विस्तृत होती हूं।" सही बात है। जल सृष्टि का आदि तत्व है। दिव्यता का आदिकेन्द्र है। देवी वहीं हैं। वे अव्यक्त से व्यक्त होकर सृष्टि बनती हैं और बनाती हैं। ऋग्वेद का यही पूरा सूक्त अथर्ववेद में भी है। अथर्ववेद में अमावस्या और पूर्णिमा भी देवी हैं।

देवी दिव्यता हैं। दिव्यता अनंत रूपों आयामों में प्रकट होती है। दिव्यता के रूप नाम अनेक हैं। कहीं दुर्गा हैं, तो कहीं वाराही। खड्गधारिणी, शूलधारिणी और वैष्णवी। शाश्वत सत्य एक है। उसका कथन और आस्वशित एक है। हड़प्पा की खोदाई में देवी पूजा के तमाम साक्ष्य मिले थे। पत्थर की मोहरों पर देवी का अंकन अनुमानित किया गया। मौर्य काल के पुरातात्विक साक्ष्यों में देवी अभयदान की मुद्रा में हैं। महाभारत के भीष्म पर्व में अर्जुन की दुर्गा स्तुति का उल्लेख है। विराट पर्व में युधिष्ठिर भी देवी की पूजा करते हैं।

दुर्गा सप्तशती सर्वाधिक लोकप्रिय है। नवरात्र उत्सवों में इसका पाठ होता है। इसकी कथा मजेदार है। यहां एक राजा हैं सुरथ। वे मेधा ऋषि के आश्रम में पहुंचे। समाधि नाम का वैश्य है। उसने परिश्रमपूर्वक धन जुटाया था। घर वालों ने उसे घर से निकाल दिया। वह भी ऋषि आश्रम पहुंचा। सुरथ नाम में रथ गति का प्रतीक है और सु सुंदरता का, लेकिन सुरथ सुगति नहीं पा सके। समाधि का अर्थ मन से मुक्ति होता है, लेकिन यहां समाधि नाम के वैश्य धन की चिंता में पीड़ित और परेशान हैं। मेधा ऋषि हैं। मेधा ऋषि ही बनाती है। मेघा दोनों को देवी रहस्य बताते हैं। ऋषि के प्रबोधन से सुरथ सुरथी बनते हैं और समाधि नाम के वैश्य समाधि का वास्तविक अर्थ जान जाते हैं। सप्तशती के पाठ की परंपरा है। पाठ अध्ययन नहीं होता। अध्ययन में बुद्धि साझी होती है। सोच विचार भी चलता है, लेकिन पाठ में हृदय लगता है। तब शब्द अपना मूल अर्थ खो देते हैं। शब्दों के गर्भ में छिपी अक्षर शक्ति प्रकट होती है। यही बात देवी मंदिरों के दर्शन में भी है। देव प्रतीति प्राचीन परंपरा है। इस अनुभूति को दुर्गा, लक्ष्मी, वाराही, काली सहित कोई नाम दीजिए। नाम से फर्क नहीं पड़ता। सर्वत्र एक ही ऊर्जा है। भीतर, बाहर। ऊपर, नीचे, आगे, पीछे।

कांग्रेसी विधायकों के बाजार में एक विधायक ऐसा भी

अभी हाल ही हुए राज्यसभा सदस्यों के चुनाव में लगभग सभी चुनावी प्रदेशों में कांग्रेस विधायकों के खरीद फरोख्त का पर्दाफाश हुआ है। कांग्रेस ने कुछ को पार्टी से निकाला है, तो कुछ को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। ऐसे चुनावों में कांग्रेस को अपने विधायक छुपाने पड़ते हैं और अंततः दो-चार दस बिक ही जाते हैं। साफ है कि यह कांग्रेस नेतृत्व के चाहे केंद्र का हो या प्रदेश का कहीं न कहीं उसके कमजोर होने का संदेश है। हालांकि हम इसे नैतिकता, सिद्धांत और ईमानदार होने के ढोंग से भी जोड़कर आत्मसंतुष्ट हो सकते हैं। थोक के भाव कांग्रेस विधायकों के खरीद-फरोख्त के बीच कुछ साल पहले यूपी में हुए राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस के विधायक विरेंद्र चौधरी की चर्चा होना स्वाभाविक है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

यूपी में कांग्रेस के दो ही विधायक हैं। यहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार भी नहीं था, सपा ने पूर्व आईएएस आलोक रंजन को मैदान में उतार रखा था। आलोक रंजन के लिए यह चुनाव अंतर आत्मा की आवाज पर ही निर्भर था। चुनाव के ठीक पहले 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस का गठबंधन हो चुका था। ऐसे में राज्यसभा चुनाव में सपा को कांग्रेस के दोनों विधायकों के वोट की दरकार थी। इन विधायकों के लिए कांग्रेस का कोई ह्विप भी नहीं था। विधायकों की खरीद-फरोख्त जोरों पर थी। करोड़ों करोड़ की बोली लग रही थी, साथ में लखनऊ में एक वेलफर्निस्ड फ्लैट भी। अब जब ऑफर इतना आकर्षक हो,तो किसका मन नहीं लपलपा जाएगा। इस पर कंट्रोल तो कोई कलेजे वाला, वाकई ईमानदार व सिद्धांतवादी विधायक ही कर सकता है।

> यूपी में कांग्रेस के दो ही विधायक हैं। यहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार भी नहीं था, सपा ने पूर्व आईएएस आलोक रंजन को मैदान में उतार रखा था। आलोक रंजन के लिए यह चुनाव अंतर आत्मा की आवाज पर ही निर्भर था।

निःसंदेह यूपी के महराजगंज जिले के फरेंदा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने ऐसा कर दिखाया। बिना किसी लोभ-लालच में उन्होंने सपा के उम्मीदवार को वोट दिया। इस बात का खुलासा किसी और ने नहीं, स्वयं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने महराजगंज में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे वीरेंद्र चौधरी के प्रचार हेतु आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा। विरेंद्र चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव सिंहपुर के निवासी हैं। बेशक वे एक जमींदार परिवार के सदस्य हैं, लेकिन धन-दौलत की लालच किसको नहीं डिगा दी है। विरेंद्र चौधरी पांच चुनाव हारने के बाद पांचवी बार जीतने में कामयाब हुए हैं। हार वाली इन पांच चुनावों में अच्छे-अच्छे लोग आर्थिक रूप से टूट जाते हैं, जाहिर वीरेंद्र चौधरी के साथ भी ऐसा हुआ हो, बावजूद इसके सिर्फ एक वोट की खातिर करोड़ों रुपये का आफर ठुकरा देना विरेंद्र चौधरी की न केवल पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा का सबूत है, आज की काजल की कोठरी की राजनीति में ईमानदार और सिद्धांतवादी होने का जीता-जागता उदाहरण भी है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नवरात्रः आत्मबल, संयम और सकारात्मकता

सनातन संस्कृति में विभिन्न पर्वों के पीछे सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा छिपी है। वासंतिक नवरात्र के अवसर पर भी यही भाव है कि मां दुर्गा की आराधना कर उनसे शक्ति प्राप्त करने की कामना की जाए। मां दुर्गा का जब विविध रूपों में दर्शन करते हैं, तो 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' की प्रार्थना करते है। दरअसल मानव जीवन में मनुष्य पर नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव पड़ता है। इसलिए नकारात्मकता से लड़ने के लिए पूजा-पाठ, व्रत-उपवास किए जाते हैं। साथ ही धर्मग्रंथों के अध्ययन भी इस अवधि में किए जाते हैं। ज्यादातर आस्थावान लोग श्रीदुर्गासप्तशती तो बहुत से लोग रामचरितमानस का नवाह्न विधि से पाठ करते हैं। श्रीदुर्गासप्तशती की शुरुआत ही 'मधु' और 'कैटभ' नामक राक्षसों के वध से है। मधु का एक अर्थ शराब है। यानी नशा। नशा किसी प्रकार का हो वह कोलाविध्वंस है और कैटभ का अर्थ नकारात्मकता से है। यानी जब इन प्रवृत्तियों का प्रभाव जीवन पर पड़ने लगे, तो मां दुर्गा की शरण में जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। वैसे भी कोई शिशु संकट में पड़ता है और उसे कष्ट या दुःख होता है, तो अपनी मां के आंचल में जाकर सुख पाता है।

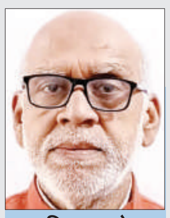

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

सांसारिक जगत में कब कौन सी विपत्ति आ जाएगी कहा नहीं जा सकता। श्रीदुर्गासप्तशती में ही 'सुरथ' नाम के राजा पर कोलाविध्वंस नामक के राक्षस ने आक्रमण कर पराजित कर दिया। सुरथ का अर्थ ही 'सु-रथ' यानी शरीर रूपी रथ को सुचारू रूप से संचालित करने वाला तथा कोलाविध्वंस का अर्थ कुल का विध्वंश करने से निकलता है। राजा सुरथ पर तो राक्षस ने प्रहार किया, जबकि समाधि नामक वैश्य को उसके ही परिवार ने घर से निकाल दिया।

'सुरथ' और 'समाधि' दोनों मेधा ऋषि के आश्रम पर गए और 'मेधा' ऋषि की सेवा करने लगे। निहितार्थ यही है कि अपना मन ही जब नकारात्मक हो जाए या अपनी पंच ज्ञानेंद्रिय रूपी परिवार साथ न दे, तो मेधा-शक्ति यानी सुचिंतन और विवेक का सहारा लेना चाहिए। इसके लिए ऋषियों ने वसंत ऋतु के मादक मौसम में मां दुर्गा की शक्ति पाने के लिए नवरात्र-अनुष्ठान का रास्ता बताया है। नौ द्वार वाला शरीर स्वस्थ रहेगा तभी मेधा शक्ति भी काम आती है। वरना अस्वस्थ शरीर में मन भी कमजोर हो जाता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

जल की उपलब्धता और शुद्धता का संकट

> राष्ट्रीय स्तर पर दूषित भूजल की रोकथाम के लिए योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करने की भी जरूरत है। यह समझना होगा कि भूजल समस्त वनस्पतियों, पशुओं तथा मानव जीवन का आधार है। उसे प्रदूषण से बचाने के लिए व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है।

भारत में जल का वितरण सर्वत्र एक समान नहीं है। कुछ क्षेत्रों में यह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, तो अन्य क्षेत्रों में इसकी कमी है। आज जरूरत इस बात की है कि जल संबंधी ऐसी वितरण व्यवस्था हो ताकि जल हानि न हो और जल प्रदूषित होने से भी बच जाए। इसे बचाने की कोशिश नहीं हुई, तो मानव जीवन का संकट में पड़ना तय है। ध्यान देना होगा कि भूजल जल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसका उचित संरक्षण और उपयोग बेहद आवश्यक है। भारत के जल संसाधन पर नजर दौडाएं, तो भारत में विश्व के जल संसाधनों का 4 प्रतिशत भाग पाया जाता है। इसका लगभग एक तिहाई भाग वाष्पीकृत हो जाता है तथा 45 प्रतिशत भाग ढाल के अनुरूप बहकर तालाबों, झीलों और नदियों में चला जाता है। वर्षा से जल की जो थोड़ी-सी मात्रा यानी तकरीबन 22 प्रतिशत मृदा में प्रवेश कर भूमिगत हो जाती है, उसे भौम जल या भू-जल कहा जाता है। भारतीय उपमहाद्वीप में भूजल का व्यवहार अत्यधिक जटिल है।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

जीईसी 1997 के दिशा-निर्देशों एवं संस्तुतियों के आधार पर देश में स्वच्छ जल के लिए भूजल संसाधनों का आकलन किया गया, जिसके मुताबिक देश में कुल वार्षिक पुनः पूर्णयोग्य भूजल संसाधनों का मान 433 घन किमी है। प्राकृतिक निस्सरण के लिए 34 बीसीएम जल स्वीकार करते हुए नेट वार्षिक भूजल उपलब्धता का मान संपूर्ण देश के लिए 399 बीसीएम है। वार्षिक भूजल का मान 231 बीसीएम है, जिसमें सिंचाई उपयोग के लिए 213 बीसीएम तथा घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग के लिए जल का मान 18 बीसीएम है। धरातलीय जल तथा पुनर्भरण योग्य भूमिगत जल से 1,869 घन किमी जल उपलब्ध है और इनमें से केवल 60 प्रतिशत यानी 1,121 घन किमी जल का लाभदायक उपयोग किया जाता है। भूजल पीने के पानी के अलावा पृथ्वी में नमी बनाए रखने में भी मददगार साबित होता है। पृथ्वी पर उगने वाली वनस्पति तथा फसलों का पोषण भी इसी जल से होता है। यहां यह भी जानना जरूरी है कि अन्य देशों की तुलना में भारत में सालाना मीठे व स्वच्छ पानी की खपत अधिक होती है। विश्व बैंक के विगत चार साल के आंकड़ों के अनुसार घरेलू, कृषि एवं औद्योगिक उपयोग के लिए प्रतिवर्ष 761 बिलियन घन मीटर जल का इस्तेमाल होता है। विडंबना यह है कि भूजल के स्तर में लगातार गिरावट भी हो रही है।

भौगोलिक परिदृश्य पर नजर दौड़ाएं, तो भारत के पठारी भाग भूजल की उपलब्धता के मामले में कमजोर हैं। यहां भूजल कुछ खास भूगर्भिक संरचनाओं में पाया जाता है जैसे भ्रंश घाटियों और दरारों के सहारे। वहीं दूसरी ओर उत्तरी भारत के जलोढ़ मैदान हमेशा से भूजल में संपन्न रहे हैं, लेकिन अब उत्तरी और पश्चिमी भागों में भूजल के तेजी से दोहन से अभूतपूर्व कमी देखने को मिल रही है। गिरता भूजल सिर्फ महाराष्ट्र के मराठवाड़ा, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड या बिहार के सीतामढ़ी तक ही सीमित नहीं है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर 70 प्रतिशत तक नीचे पहुंच चुका है। आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान समय में भारत के 29 प्रतिशत विकास खंड भूजल के दयनीय स्तर पर हैं। ऐसा माना जा रहा है कि 2030 तक लगभग 60 प्रतिशत विकास खंड चिंतनीय स्थिति में आ जाएंगे। हालांकि देश में जल संरक्षण तथा प्रबंधन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समय-समय पर अनेक उपाय किए गए हैं। मसलन 1945 में केंद्रीय जल आयोग का गठन किया गया, जो राज्यों के सहयोग से देश भर में जल संसाधनों के विकास, नियंत्रण, संरक्षण तथा समन्वय को आगे बढ़ाता है। 1970 में केंद्रीय भू-जल बोर्ड का गठन किया गया। बोर्ड का मुख्य कार्य भू-जल संसाधनों के प्रबंधन, स्थायी एवं वैज्ञानिक विकास के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करना तथा राष्ट्रीय नीति की निगरानी में उन्हें वितरित करना है। घटते भूजल संसाधनों के संवर्धन के लिए समुद्र में प्रवाहित होने वाले अतिरिक्त वर्षा अपवाह का संरक्षण करे और फिर उसकी सहायता से पुनः पूर्ण द्वारा भूजल संसाधनों में वृद्धि करें। जलाशयों के जल का समय-समय पर परीक्षण करा नियमित सफाई सुनिश्चित करें। जनसाधारण में जल प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाएं। तटवर्ती भागों में समुद्री जल का निर्लवणीकरण करके जल का विभिन्न कार्यों में प्रयोग करें। राष्ट्रीय स्तर पर दूषित भूजल की रोकथाम के लिए योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करने की भी जरूरत है। यह समझना होगा कि भूजल समस्त वनस्पतियों, पशुओं तथा मानव जीवन का आधार है। उसे प्रदूषण से बचाने के लिए व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है। सिर्फ कागजों पर योजनाओं को उकेरने मात्र से नतीजे अनुकूल नहीं होंगे। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

अनियोजित विकासः शहरों की बढ़ती बेबसी

विकास देश के एक कोने से दूसरे कोने में घूम-घूम कर इसे सजाने और स्मार्ट बनने की जिद में है, पर जहां भी यह पहुंच रहा है, उस जगह का बाजा बज रहा है। कहां से शुरू किया जाए? हर शहर-गांव की एक ही कहानी है। जहां गांव खाली हो रहे हैं, वहीं शहरों की आफत आ रही है।

कुमाऊं का द्वारा कहलाने वाला हल्द्वानी शहर, जिसकी काठगोदाम को शामिल कर अनुमानित जनसंख्या लगभग चार लाख होने को है। यह शहर इंसानों और वाहनों के भार से दबता चला जा रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुविधा की तलाश में पहाड़ के गावों से यहां पर लोगों का आना लगातार जारी है। इसे उनकी मजबूरी भी कहा जा सकता है, क्योंकि बेहतर जीवन की चाहत और तलाश का अधिकार हर किसी को है। इसके अलावा अलग-अलग राज्यों से भी लोग जीवन स्तर के सुधार की चाह में और अन्य कई सुविधाओं के कारण उत्तराखंड के इस सबसे बड़े दूसरे शहर में बसना चाहते हैं। महानगर की शक्ल लेता हुआ यह शहर अन्य अनेक शहरों की ही तरह अनियंत्रित विकास की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। शहरों को नियोजित ढंग से बसाने के मास्टर प्लान हमारे नक्शे से गायब हैं। तंग गलियों नुमा सड़कें हैं, बड़े-बड़े घर हैं, बड़ी गाड़ियां भी हैं, पर अंदर पार्किंग की व्यवस्था नहीं।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

ऐसे में वाहन आ जाते हैं सड़कों पर, जो आने-जाने वालों के लिए बड़ी ही मुसीबत पैदा करते हैं। 14-15 फीट की सड़क जहां पर पहले से ही सैकड़ों जीआई पाइप उलझे हुए टेढ़े-मेढ़े जंक लगी अवस्था में दफन है, वहां पर कभी ट्यूबवेल का पाइप, कभी नई पेय जल योजना, सीवर, सड़क के दोनों तरफ गैस के पाइप एक दूसरे से टकराते-उलझते टूटे पड़ रहे हैं। घरों से चैंबर तक पहुंचने वाला सीवर पाइप कहीं-कहीं पर एक डेढ़ फीट ही जमीन से नीचे है। कोई इंसान अगर काम करने वाले मजदूरों के साथ खड़ा होकर उसे गहरा करा लेता है, तो थोड़ा गहरा हो जाता है अन्यथा सब कुछ बड़ा हॉच-पॉच है। काम करने वाले मजदूरों को नहीं इतनी जानकारी होती है और न ही इतनी जरूरत। निर्माण कार्य और गुणवत्ता पर बात करना एक अलग मुद्दा हो जाएगा। यूं भी हमारी आधी व्यवस्था अर्थव्यवस्था तो जुगाड़ पर ही टिकी हुई है। पाइपलाइन बिछाने वाली विभिन्न संस्थानों में आपस में ही सामंजस्य नहीं होने की कीमत जनता को चुकानी पड़ रही है। नगर निगम की तरफ से कूड़ा गाड़ी एक दिन छोड़कर हर क्षेत्र में आती है, लेकिन गलियां खुदी होने के कारण लोगों को कूड़े की बाल्टियां उठाकर मुख्य मार्ग तक जाना पड़ता है। ऐसे में स्मार्ट सिटी का सपना कभी-कभी कोरी कल्पना लगता है। एक सुनियोजित प्लानिंग हो, भले ही दो-चार साल और लग जाएं। अनियोजित विकास कार्य कई बार परेशानी का सबब बन जाता है। यहां पूरा खुदा हुआ शहर स्मार्ट सिटी की ओर कदम बढ़ा रहा है, लेकिन मेरे विचार में इस तरह की व्यवस्था गली-मोहल्ले की छोटी-छोटी गलीनुमा सड़कों के लिए उपयोगी नहीं है। मात्र जनता के पैसों की बर्बादी है। 30-35 लाख की आबादी वाला एक मेट्रोपॉलिटन सिटी इंदौर जो अपनी स्वच्छता के लिए हमेशा चर्चा में बना रहता था, लेकिन अचानक दूसरी वजह से चर्चा में आ गया। पानी और सीवर के पाइपों का आपस में एक-दूसरे से लिपटते देखकर मुझे डर लगता है कि कहीं हल्द्वानी भी इंदौर तो नहीं बन जाएगा आने वाले समय में?

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

वैश्विक संघर्ष एवं वसुधैव कुटुंबकम्

पूरी पृथ्वी ही परिवार के समान है। यह भावना वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समसामयिक तथा और अधिक आवश्यकीय प्रतीत होती है। वैदिक ऋषि ने यजुर्वेद में द्युलोक, अंतरिक्ष लोक, पृथ्वीलोक, जल, औषधियों, वनस्पतियों सहित समस्त चराचर जगत की शांति की कामना की है, लेकिन वैदिक कालीन मूल्यपरक शिक्षा पद्धति के अभाव में एवं भौतिकवादी शिक्षा के प्रभाव तथा समाज/राष्ट्रों के मध्य विस्तारवादी नीतियों के कारण वैदिक शिक्षा के विपरीत वैश्विक अशांति की ओर चराचर जगत पहुंच रहा है, जो मानव जगत के लिए दुःखद एवं चिंताजनक है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। जहां एक ओर कुछ दिन पूर्व भारत में परिवर्तित यूजीसी नियमों के कारण समाज में आंतरिक जातिगत असंतोष एवं असमानता फैली है। भविष्य में जिसके जातिगत विभाजक घातक दुष्परिणामों की ओर संकेत हो रहे हैं। वही दूसरी ओर इरान, इजरायल, संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हो रहे संघर्ष युद्ध से भी देश में अशांति बढ़ी है, जिसकी निवृत्ति के लिए वर्तमान सरकारें प्रयासरत हैं।

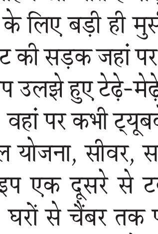

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
नैनीताल

वैश्विक संदर्भ में विश्व के मध्य-पूर्व का क्षेत्र लंबे समय से विश्व राजनीति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां के राजनैतिक संघर्ष, धार्मिक मतभेद और रणनैतिक हित अक्सर वैश्विक तनाव का कारण बनते रहे हैं। वर्तमान समय में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस तनाव में कई बार अमेरिका भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल दिखाई देता है। इजरायल की स्थापना और प्रारंभिक स्थिति 1948 में इजरायल की स्थापना के साथ ही मध्य-पूर्व की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। कई अरब और मुस्लिम देशों ने इजरायल के गठन का विरोध किया। हालांकि उस समय ईरान में शाह का शासन था और ईरान ने इजरायल के साथ पूर्ण विरोध की नीति नहीं अपनाई थी। दोनों देशों के बीच कुछ सीमित आर्थिक और कूटनीतिक संबंध भी बने रहे। मध्य-पूर्व में प्रभाव की प्रतिस्पर्धा ईरान और इजरायल दोनों ही मध्य-पूर्व में अपना राजनीतिक और सामरिक प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इस कारण कई बार दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की बजाय परोक्ष संघर्ष देखने को मिलता है। सीरिया और लेबनान जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के हित टकराते रहे हैं। कई बार इजरायल ने सीरिया में उन ठिकानों पर हमले किए हैं, जिन्हें ईरान समर्थित मानता है।

मध्य-पूर्व की राजनीति में अमेरिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका लंबे समय से इजरायल का प्रमुख सहयोगी रहा है और कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसका समर्थन करता रहा है। दूसरी ओर ईरान और अमेरिका के बीच भी कई राजनीतिक और आर्थिक विवाद रहे हैं। इस कारण जब भी ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ता है, तब अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका की भूमिका भी चर्चा में आ जाती है। ईरान-इजरायल संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, राजनीतिक, धार्मिक और रणनीतिक कारणों से जुड़ा हुआ एक जटिल अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है। फिलिस्तीन का प्रश्न, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा और अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन इस संघर्ष को और अधिक जटिल बनाते हैं। यही कारण है कि मध्य-पूर्व में उत्पन्न होने वाला कोई भी तनाव केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है, क्योंकि प्राकृतिक तेल, गैस आदि दैनिक मूलभूत आवश्यकताओं से युक्त देश के संकट में आने से पूरे विश्व में अशांति एवं संकट बढ़ा सकती है। आज के परिप्रेक्ष्य में परिवार-समाज से लेकर राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक वसुधैव कुटुंबकम् की भावना ही शांति-सुकून प्रदान कर सकती है, जिसको राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के साथ ही वैश्विक मंचों में प्रमुखता से स्थान मिलना चाहिए। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

दिबियापुर (औरैया)। लखनऊ के आलमबाग निवासी मानवेंद्र सिंह (50) शुक्रवार रात 10 बजे गोमती एक्सप्रेस कोच नंबर डी-1 की सीट संख्या 48 पर यात्रा कर रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। रेलवे सुरक्षा बल ने उन्हें ट्रेन से उतारकर सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चौकी प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रथम दृष्टया मौत का कारण हृदय गति रुकना प्रतीत हो रहा है। वह नोएडा की एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। दो बेटियां हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली पुलिस ने नाबालिग को नशीली दवा खिलाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि नाबालिग पुत्री को आरोपी विद्यासागर शुक्ला बहला-फुसलाकर साथ ले गया। पुलिस ने पीड़िता के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और फर्जी आधार कार्ड के उपयोग की धाराएं बढ़ाई हैं।

प्रभारी प्रधानाध्यापक को शिक्षिका ने पीटा

कन्नौज। सदर कोतवाली क्षेत्र के नसरापुर की राधा कुमारी उमर्दा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय फिरोजपुर की प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं। उन्होंने सहायक अध्यापक दीप्ति यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप लगाया है 12 मार्च को बीईओ विपिन कुमार ने उन्हें प्रभारी प्रधानाध्यापक का कार्यभार दिलाया। इसके बाद सहायक अध्यापक दीप्ति नाराज हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक 20 मार्च को सुबह 8:55 बजे जब वह स्कूल पहुंची तो दीप्ति ने जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की। मामले की जांच सीओ तिर्वा कुलवीर सिंह करेंगे।

मुठभेड़ में लूट के दो आरोपी दबोचे गए

फर्रुखाबाद। पुलिस की मुठभेड़ में लूट का एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि एक सिपाही भी फायरिंग में जख्मी हो गया। दोनों घायलों को डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल व उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हाल ही में एक ई-रिक्शा चालक से लूट हुई थी। मोहम्मदाबाद और मऊदरवाजा पुलिस ने संयुक्त रूप से घेरेबंदी की। मुठभेड़ में उपेंद्र उर्फ रॉकी के पैर में गोली लगी। वहीं, लुटेरों की ओर से की गई फायरिंग में सिपाही दिग्विजय सिंह हाथ में गोली लगने से वह घायल हो गए।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

अमृतपुर (फर्रुखाबाद)। राजेपुर क्षेत्र के हमीरपुर सोमवंशी निवासी आनंद (18), मनोज (17) व विपिन (18) शुक्रवार रात करीब 9.45 बजे बाइक पर राजेपुर से गांव लौट रहे थे। जमापुर मार्ग पर आगे चल रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में आनंद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मनोज पुत्र रक्षपाल और विपिन पुत्र कल्लू गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से राजेपुर सीएचसी भिजवाया। प्रभारी निरीक्षक सुदेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाश भी की जा रही है।

भाभी को मारपीट कर किया घायल

सौरिख (कन्नौज)। थाना क्षेत्र के रेरी रामपुर निवासिनी ज्योति पत्नी अजय ने थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 19 मार्च को शाम पांच बजे घर के अंदर घरेलू कार्य कर रही थी। उसी समय देवर राहुल पुत्र राजीव शराब के नशे में आया और गाली देने लगा। जब गाली देने से मना किया तो डंडों से मारपीट करने लगा। शोर सुनकर आसपड़ोस के लोग दौड़े तो जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया।

खेत में पानी भर जाने के विवाद में झगड़ा

तिर्वा (कन्नौज)। शुक्रवार की सुबह कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दिलीप नगर में खेत में पानी भर जाने को लेकर दो पक्षों झगड़ा हो गया। घटनाक्रम के अनुसार प्रेम लता पत्नी राजू अपनी पुत्री निशा के साथ घर में खाना बना रही थी। उसी समय गांव के ही सुखदेव व उसके पुत्र रामस्वरूप, अखिलेश, योगेश व पुत्री राधा ने घर में घुसकर मारपीट की जिसमे प्रेम लता, उसकी पुत्री निशा, सास केशवती, सोनेलाल, घायल हो गए।

मां को बचाने के लिए चीखती और मदद की गुहार लगाती रही सयानी बेटी, हत्यारोपी रॉड से ताबड़तोड़ करते रहे हमला

बेटे और नाती के साथ मिलकर विधवा बहू को रॉड से मार डाला

संवाददाता कार्यालय, महोबा

- चरखारी थाना क्षेत्र के कुरौराडांग गांव में सनसनीखेज वारदात
- पिता ने दी तहरीर, हत्यारोपियों की तलाश में छापे मार रही पुलिस

अमृत विचार। चरखारी कोतवाली क्षेत्र के कुरौराडांग गांव में ससुर ने अपने बड़े बेटे और नाती के साथ मिलकर अपनी विधवा बहू की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी। मां को बचाने के लिए बेटी चीखती और गुहार लगाती रही, लेकिन हत्यारोपी रॉड से पीटते रहे। शोरशराब होने के बाद आरोपी भाग निकले। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ अभियुक्तों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है।

सुखदेवी पाल।

वारदात के बाद घर के बाहर मौजूद गांव वाले। अमृत विचार

चरखारी कोतवाली क्षेत्र के कुरौराडांग गांव में दयाराम पाल के नाम सरकारी राशन का कोटा है। परिवार में छोटे बेटे आशाराम की विधवा पत्नी सुखदेवी (36) और उसके दो बच्चों के अलावा बड़े बेटे कीरत का परिवार रहता है। सुखदेवी के पति आशाराम की 2025 के प्रयागराज के महाकुंभ मेले में भगदड़ के दौरान मौत हो गई थी। बताते हैं कि शुक्रवार की रात दयाराम पाल ने विधवा बहू सुखदेवी से झगड़ा शुरू कर दिया। झगड़ा शांत होने के बजाय बढ़ गया। इसी बीच दयाराम ने बड़े बेटे कीतर और नाती योगेंद्र के साथ मिलकर सुखदेवी पर लोहे की रॉड से हमला बोल दिया।

घटना के समय घर में मौजूद सुखदेवी की 16 साल की बेटी प्रतिज्ञा ने मां को बचाने की कोशिश की, लेकिन उसे धक्का देकर गिरा दिया। बेटी मां को बचाने के लिए चीखती-चिल्लाती रही। मदद की गुहार लगाती रही, लेकिन हत्यारोपियों ने एक नहीं सुनी और सुखदेवी की बेरहमी से हत्या करने के बाद तीनों मौके से फरार हो गए। इस हत्याकांड से गांव में सनसनी फैल गई। वारदात की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और प्रारंभिक छानबीन के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुखदेवी के पिता लखन लाल पाल ने तीनों के खिलाफ हत्या की नामजद तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अवैध संबंध बनाने का विरोध करने पर हत्या

- सुखदेवी के पिता लखन लाल पाल ने पुलिस को बताया कि दामाद आशाराम की मौत के बाद से ससुर की नीयत खराब थी। वह अवैध संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। सुखदेवी ने इसका विरोध किया और मायके में मां से पूरी बात बताई थी। इसके बाद वे लोग बेटी के पास पहुंचे थे और उसे समझाकर लौट गए थे, लेकिन ससुर की हरकतें कम नहीं हुईं। इस बात को लेकर कई बार रिश्तेदारों की पंचायत भी कराई थी, लेकिन दयाराम नहीं सुधरा। शुक्रवार की शाम फिर दयाराम ने सुखदेवी को दबोचने की कोशिश की। विरोध करने पर बड़े बेटे कीरत और नाती योगेंद्र के साथ मिलकर रॉड से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।

सीओ बोले, भाई से खुन्नस में हुआ विवाद

- चरखारी पुलिस क्षेत्राधिकारी दीपक दुबे ने बताया कि घटना के मुख्य आरोपी ससुर दयाराम पाल का अपने सगे भाई से विवाद चल रहा है। उसकी बहू सुखदेवी उसी भाई के खेत में मजदूरी करने जाती थी, जिस पर दयाराम आपत्ति जताता था। शुक्रवार को भी उसने नाराजगी जताते हुए विरोध किया था। इसी को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और मारपीट की नौबत आई। इसी दौरान सुखदेवी की मौत हो गई। उनका कहना है कि घटना के बावत रिश्तेदारों और गांव वालों से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस दबिशें दे रही है। जल्द हमलावरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बाइक से गिरा ससुर घायल, अस्पताल से फरार

बताते हैं कि वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी कोटेदार दयाराम पाल बाइक लेकर भाग निकला। साथ में बेटा और नाती भी था। पुलिस से बचने के लिए जल्दबाजी में भागते समय राठ थाना क्षेत्र के नौरंगा गांव के पास वह हादसे में घायल हो गया। प्राथमिक उपचार कराने के लिए एक अस्पताल पहुंचा। इधर, पुलिस उसका पीछा कर रही थी। पुलिस के आने की भनक लगते ही वह अस्पताल से भी भाग निकला। पुलिस ने अस्पताल से उसके बारे में जानकारी जुटाने के बाद संभावित स्थानों पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला।

झटका लगने पर ट्रेन से गिरे युवक की मौत

महोबा। शहर के भटीपुरा निवासी एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन को रोका। पुलिस घायल को पनवाड़ी सीएचसी ले गई, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

भटीपुरा निवासी चंद्रप्रकाश (32) अपने पिता जयपाल और मां सरोज का ट्रेन से झांसी इलाज कराने जा रहा था। मां-बाप को सीट पर बैठाकर स्वयं गेट के पास खड़ा हो गया। जैसे ही ट्रेन घुटई स्टेशन से आगे निकली, अचानक झटका लगा, जिससे वह नीचे गिर गया। यात्रियों ने शोर मचाया और चेन खींचकर ट्रेन रोकी, लेकिन तब तक ट्रेन काफी आगे पहुंच चुकी थी। मां-बाप ट्रेन से उतरे और पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पनवाड़ी ले गए, जहां डाक्टर ने परीक्षण करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत से माता पिता को गहरा सदमा लगा और वह गुमशुम हो गए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि चंद्रप्रकाश की शादी चार वर्ष पहले हुई थी। वह अपने पीछे पत्नी, चार वर्षीय पुत्र को छोड़ गया है।

युवक ने महिला को बीच सड़क पर घसीटकर पीटा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- वीडियो वायरल, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को दबोचा

अमृत विचार। कस्बे के सिकंदरपुरा-चरखारी रोड पर शनिवार को दबंग युवक के द्वारा बीच सड़क पर एक महिला को घसीट कर बेरहमी से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि दबंग युवा के किस बेरहमी से महिला की पिटाई कर रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कस्बे के सिकंदरपुरा चरखारी रोड इलाके की निवासी महिला कपूरी पत्नी रामपाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कस्बे का ही दबंग चंदू पुत्र सीताराम ने बीच सड़क पर घसीट कर उसे बेरहमी से मारा पीटा है। बताया कि उसने कोतवाली में घटना की लिखित तहरीर देकर आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कार्रवाई कराई जा रही है।

दबंगों ने घर में धावा बोलकर किया तांडव

मौदहा। दबंगों ने ईद के दिन घर में हमला कर महिलाओं के साथ अभद्रता और मारपीट की। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस कार्रवाई करने की बात कह रही है। कस्बे की दो महिलाओं ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि ईद के दिन दोपहर में अचानक मोहल्ले के अफसर, असलम, शाहरुख़, जमशेद, अर्जुन सहित लगभग एक दर्जन लोगों ने लाठी-डंडा और देशी कट्टा लेकर घर में हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट और अश्लीलता की। वीडियो में कुछ लोग महिलाओं सहित बच्चों को दौड़ाकर पीट रहे हैं।

गाजियाबाद से सुमेरपुर कस्बे तक गूंजती रहीं चीखें

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- विवाद के बाद साथी ने युवक को दूसरी मंजिल से नीचे फेंका
- इलाज के दौरान गाजियाबाद के ही अस्पताल में थमीं सांसें

अमृत विचार। गाजियाबाद में साथी ने विवाद के बाद युवक को दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। तीन दिन तक अस्पताल में मौत से लड़ने के बाद वह जिंदगी की जंग हार गया। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार देर रात शव घर आने पर परिवार में कोहराम मच गया। शनिवार को कस्बे के मोक्ष धाम में शव का अंतिम संस्कार किया गया। युवक चार भाइयों में दूसरे नंबर का था और मजदूरी कर परिवार के भरण-पोषण में सहयोग करता था।

बाबी सोनकर।

युवक का शव पहुंचने पर घर के बाहर लगी भीड़। अमृत विचार

युवक के परिजनों से मिलते सपाई। अमृत विचार

कस्बे के वार्ड संख्या 9 इमिलिया थोक निवासी धर्मेंद्र सोनकर का पुत्र बाबी सोनकर (25) गाजियाबाद के सेक्टर A4 ट्रॉनिका सिटी में रहकर फैक्ट्री में कार्य करता था। 15 मार्च की रात किसी बात को लेकर विवाद होने पर साथी मजदूर रवि ने उसे दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तीन दिन तक जीवन-मौत के बीच संघर्ष करने के बाद वह जिंदगी की जंग हार गया और उसकी सांसें थम गईं।

पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार की देर रात युवक का शव कस्बे लाया गया। शव के घर आते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शनिवार को सुबह से ही उसके घर के बाहर खासी भीड़ जुट गई। दोपहर में कस्बे के मोक्ष धाम में उसका अंतिम संस्कार किया गया। बाबी चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसकी मौत पर पिता धर्मेंद्र सोनकर, मां कुसुमा, भाई अंकित सोनकर, वीरेंद्र, गोविंद सोनकर रोते-बिलखते रहे।

सपाइयों ने परिवार को ढांढस बंधाया, मदद का आश्वासन

सुमेरपुर। गाजियाबाद में दूसरी मंजिल से फेंकने के बाद हुई युवक की मौत के बाद सपाइयों ने उसके घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शनिवार को सपाइयों ने पिता धर्मेंद्र सोनकर से मिलकर घटना के बारे में पूरी जानकारी ली और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री बादशाह सिंह, पूर्व प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति, ओपी सोनकर, घनश्याम साहू, अजय उर्फ कल्लू यादव, जगमोहन यादव, परशुराम प्रजापति आदि सपाई मौजूद रहे।

टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट में भिड़ेंगी 7 टीमें

कार्यालय संवाददाता जालौन

- झांसी, ग्वालियर, भिंड, कानपुर देहात, महोबा व औरैया की टीमें

अमृत विचार। नगर में खेल प्रेमियों के लिए दूसरी बार रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन शनिवार रात से हुआ। आयोजन से पूर्व सुबह ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इस दौरान खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।

नगर में दूसरी बार टी-10 फॉर्मेट में रात्रिकालीन टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में समथर, झांसी, ग्वालियर, भिंड, कानपुर देहात, महोबा और औरैया आदि स्थानों की टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट से पूर्व बराहीं देवी मैदान स्थित आयोजन स्थन पर ट्रॉफी अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल ने कहा कि क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन खेल संस्कृति को बढ़ावा देगा और अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगा। सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, और वह भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों का समर्थन करते रहेंगे। आयोजक सोनू चौहान ने कहा कि खेल प्रेमियों को बेहतरीन क्रिकेट मुकाबले देखने को मिलेंगे। यह आयोजन युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करेगा और जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करेगा।

टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 की ट्रॉफी का अनावरण करते अतिथि।

उन्होंने बताया कि सभी मैच सायं साढ़े छह बजे से खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मंच साबित होगा। उन्होंने कहा, आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारियां कर ली हैं। खिलाड़ियों को मैदान में सर्वोत्तम अनुभव देने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट नगर के खेल इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। ट्रॉफी अनावरण कार्यक्रम में रामेंद्र सिंह सेंगर, यश पटेल, कुंवर सिंह यादव, धर्मेंद्र चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, अभय सिंह राजावत आदि लोग मौजूद रहे।

चलती ट्रेन में चढ़ते समय दरोगा गिरकर घायल, अस्पताल में मौत

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- फफूंद स्टेशन पर हादसा, बांदा के रहने वाले थे एसआई सूरजबली

अमृत विचार। फफूंद रेलवे स्टेशन पर शनिवार दोपहर को ट्रेन में चढ़ने के दौरान संतुलन बिगड़ने से एक दरोगा प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े, जिससे उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बांदा निवासी दरोगा सूरज बली (48) पुत्र गंगवा की तैनाती औरैया जिला न्यायालय में थी। वह औरैया में किराए के कमरे में अकेले रहते थे। उनका परिवार बांदा में रहता है। शनिवार को वह बांदा जाने के लिए निकले थे। औरैया से बांदा के लिए सीधी ट्रेन न होने के कारण उन्हें पहले कानपुर जाना था, जहां से दूसरी ट्रेन पकड़नी थी। बताया जा रहा है कि कामाख्या एक्सप्रेस का फफूंद स्टेशन पर ठहराव नहीं है, लेकिन ट्रेन धीमी होने पर लोग अक्सर उसमें चढ़ने का प्रयास करते हैं। दोपहर करीब 12:50 बजे जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर धीमी हुई, दरोगा सूरज बली उसमें चढ़ने लगे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म पर मुंह के बल गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर मौजूद एक सफाईकर्मी ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वह गिर चुके थे। गंभीर रूप से घायल दरोगा को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दिबियापुर ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के दौरान उनकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें मेडिकल कॉलेज चिचौली रेफर कर दिया। बताया गया कि सीएचसी पहुंचने तक वह होश में थे, लेकिन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर दिबियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी सूचना दे दी है। इस घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

जिला अस्पताल में सुविधा | प्रसव के बाद स्तनपान कराने में समस्या का हुआ समाधान, जिला अस्पताल में 150 बच्चों को मिला लाभ

नवजातों के लिए संजीवनी बनी लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला अस्पताल में करीब दो महीने पहले स्थापित लैक्टेशन यूनिट (एलएमयू) नवजातों को संजीवनी देने का काम कर रही है। इस अवधि में करीब डेढ़ सौ बच्चों को लाभ दिया जा चुका है।

यहां बताते चलें कि कई बार बच्चे के जन्म के बाद मां या बच्चे के बीमार/कमजोर होने या किसी अन्य कारण से बच्चे के स्तन पान नहीं करा पाती है। वहीं नवजात को मां का दूध देना जरूरी होता है तो इस समस्या के समाधान के लिए जिला अस्पताल में उपकरणों से सुसज्जित एलएमयू की स्थापना करीब दो महीने पहले की गई थी। इसकी कार्यप्रणाली यह है कि मां का दूध निकालकर संरक्षित किया जाता है और फिर उसके ही बच्चे को उसका पान कराया जाता है। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. शक्ति बसु ने बताया कि यूनिट में मां के दूध को संग्रहीत कर रेफ्रिजरेशन में रखा जाता है या फिर नवजात को कुछ देर बाद ही दिया जाना है तो उसे कमरे के तापमान पर ही रखकर बच्चे को सेवन कराया जाता है। जानकारी दी कि यह यूनिट एसएनसीयू का ही हिस्सा है। यह भी बताया कि यूनिट में जरूरत के अनुसार रेफ्रिजरेटर, मेटलिक छन्नियां, संगीत सिस्टम, इलेक्ट्रिक ब्रेस्ट पंप के अलावा जरूरी सभी सुविधाएं पूर्ण हैं। इसके साथ ही दो काउंसलर की भी नियुक्ति की गई है क्योंकि कई बार माताएं दूध निकालने की प्रक्रिया को लेकर असहज महसूस करतीं हैं। उनको ये काउंसलर सहज कर प्रक्रिया करातीं हैं। इसके साथ ही उन माताओं की भी काउंसिलिंग की जाती है जो शिशु को जन्म के बाद अपना दूध नहीं पिलाना चाहतीं हैं। यह भी बताया कि यह व्यवस्था मिल्क बैंक से अलग है। मिल्क बैंक में किसी भी माता का दूध पाश्चराइज करके संग्रहीत किया जाता है जो किसी भी नवजात को दिया जा सकता है। अब तक डेढ़ सौ बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है।

एलएमयू में जच्चा के साथ प्रक्रिया करता यूनिट का स्टाफ। अमृत विचार

उपकरणों से सुसज्जित लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट।

सीएमएस डॉ. शक्ति बसु।

पेड़ पर लटका मिला सुरक्षा कर्मी का शव

संवाददाता, कायमगंज (फर्रुखाबाद)

- युवक की नहीं हो सकी शिनाख्त फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर आम के बाग में एक युवक का शव पेड़ पर लटका मिला। यह बाग रेलवे स्टेशन की पूर्वी पितौरा क्रॉसिंग कायमगंज-अचरा मार्ग के पश्चिम में संतोष गंगवार का है। युवक की आयु लगभग 30 से 32 वर्ष बताई जा रही है और पहनावे से वह निजी सुरक्षा गार्ड होने का अनुमान है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाग में छिड़काव के उपकरणों की जांच करने पहुंचे बागवान ने सबसे पहले शव देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। युवक ने नीले रंग की पैंट और हल्के नीले रंग की शर्ट पहन रखी थी। उसके दाहिने हाथ में दो अंगूठियां, कलाई में कलावा और एक कड़ा मिला। कमर पर एक प्राइवेट सिक्योरिटी बेल्ट बंधी थी। पेड़ के पास से एक पानी की बोतल और एक पिट्ठू बैग भी बरामद हुआ है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन चतुर्वेदी व क्राइम इंस्पेक्टर सुरजीत सिंह पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इंस्पेक्टर सुरजीत सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। फॉरेंसिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए फतेहगढ़ भेजा जाएगा।

हैरियर.ईवी का नया मॉडल पेश

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली इकाई टाटा.ईवी ने शनिवार को हैरियर.ईवी का नया मॉडल फीयरलेस प्लस क्वॉड75 पेश करने की घोषणा की। इसकी एक्स शोरूम कीमत 26.49 लाख रुपये है। इसमें चार्जर की लागत शामिल नहीं है। एसी फास्ट चार्जर के लिए 49 हजार रुपये अलग से देने होंगे।

अमृत विचार
कानपुर, रविवार, 22 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

वेदांता ने 8.5 करोड़ घन मीटर पानी का पुन: उपयोग किया

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख धातु और खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक अपने विभिन्न परिचालनों में 8.5 करोड़ घन मीटर से अधिक पानी का पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब वर्ष 2030 तक पानी की 40 प्रतिशत कमी की वैश्विक चेतावनी दी जा रही है। कंपनी ने यह जानकारी 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस से एक दिन पहले दी। कंपनी ने कहा कि वह जल संकट से जूझती दुनिया में जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत का दूध उत्पादन 24.7 करोड़ टन हुआ

चंडीगढ़। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एम एल जाट ने कहा कि देश में दूध उत्पादन बढ़कर 2025 में 24.7 करोड़ टन हो गया है। बता दें कि 1950 में 1.7 करोड़ टन था। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक जाट ने कहा कि 17.25 लाख करोड़ रुपये के पशुधन क्षेत्र में डेयरी का वर्चस्व है। यह क्षेत्र कुल उत्पादन में 65 प्रतिशत योगदान देता है और देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, जिससे 46.1 प्रतिशत आबादी को आजीविका मिलती है।

दूसरे साल भी एक अरब टन कोयला उत्पादन

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोयला क्षेत्र में सभी हितधारकों के अमूल्य योगदान के साथ, देश ने लगातार दूसरे साल 20 मार्च, 2026 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मील का पत्थर सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।

स्कोडा ने जारी की नयी कुशक की कीमत

नयी दिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया ने नये लुक में अपग्रेड के साथ नयी कुशक की कीमतों और ग्राहकों को डिलिवरी की घोषणा की है। कंपनी ने इस साल जनवरी में नयी कुशक लॉन्च की थी। स्कोडा ऑटो इंडिया ने शनिवार को बताया कि इसकी कीमत 10.69 लाख रुपये से 18.99 लाख रुपये तक है।

अवलोकन

मुंबई के लोक भवन स्थित स्वर्गीय जयंत सहस्रबुद्धे हॉल में आयोजित एक प्रदर्शनी में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ। फाटो-एजेंसी

महंगी होगी हवाई यात्रा, किराया बढ़ा सकती हैं एयरलाइंस

सीट के खेल पर छिड़ी जंग: सरकार के 60% फ्री सीट नियम के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली, कारोबार डेस्क

देश में हवाई यात्रा को सस्ता और सुविधाजनक बनाने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नए निर्देशों ने एविएशन सेक्टर में हलचल मचा दी है। इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी दिग्गज एयरलाइंस ने सरकार के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें हर फ्लाइट की 60% सीटों को अतिरिक्त शुल्क से मुक्त रखने का आदेश दिया गया है। इस आदेश से सरकार यात्रियों को 'वेब चेक-इन' के नाम पर होने वाली वसूली से बचाना चाहती है, वहीं एयरलाइंस इसे अपने बिजनेस मॉडल पर हमला मान रही हैं।

तीनों प्रमुख एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस' ने मंत्रालय को पत्र लिखकर इस फैसले को वापस लेने की गुहार लगाई है। एयरलाइंस का तर्क है कि सीट चयन से होने वाली कमाई उनके राजस्व का एक बड़ा हिस्सा है। अगर इस पर अंकुश लगाया गया, तो उन्हें अपने घाटे की भरपाई के लिए बेस फेयर (मूल किराए) में बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। इसका सीधा असर उन यात्रियों की जेब पर भी पड़ेगा जो सीट का चुनाव नहीं करते।

एफआईए ने उठाए चार सवाल:

राजस्व का वैध स्रोत: एयरलाइंस का कहना है कि वे बहुत कम मुनाफे पर काम करती हैं। सीट सिलेक्शन जैसे आय के स्रोत उनके अस्तित्व के लिए जरूरी हैं।

लागत में वृद्धि: ईंधन (ATF), रखरखाव और एयरपोर्ट शुल्क लगातार बढ़ रहे हैं, ऐसे में कमाई के रास्ते बंद करना तर्कसंगत नहीं है।

बाजार की आजादी: इस फैसले से एयरलाइंस की अपनी सेवाओं की कीमत तय करने की व्यावसायिक स्वतंत्रता प्रभावित होगी।

संवाद की कमी: मंत्रालय ने इतना बड़ा फैसला लेने से पहले एयरलाइंस या अन्य हितधारकों से कोई मशविरा नहीं किया।

विवाद की मुख्य वजह: वर्तमान नियमों के तहत एयरलाइंस केवल 20% सीटें ही बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराती हैं। बाकी 80% सीटों को 'प्रेफर्ड सीट' के नाम पर अतिरिक्त 500 से 3000 रुपये तक वसूले जाते हैं। सरकार ने अब बिना अतिरिक्त शुल्क वाली सीटों के कोटे को बढ़ाकर 60% करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय और डीजीसीए के नए नियमों का उद्देश्य यात्रियों को 'हिडन चार्जेस' से बचाना है। यहाँ कुछ प्रमुख बदलाव दिए गए हैं: अब एक ही PNR पर टिकट बुक करने वाले परिवार या समूह के सदस्यों को साथ-साथ या आसपास की सीटें देना अनिवार्य होगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने 50 फीसदी तक बढ़ाया वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन

23 मार्च से नई व्यवस्था लागू होगी, पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- ढाबों और होटलों को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को बड़ी राहत दी है। मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च 2026 से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इस आदेश के बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट (प्री-क्राइसिस लेवल) से पहले के स्तर के 50% तक पहुंच जाएगी।

यह नई व्यवस्था 23 मार्च से शुरू होकर अगली अधिसूचना तक लागू रहेगी। फिलहाल देश एलपीजी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में 50% तक की बहाली को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है ताकि आने वाले समय में इसे संकट से पहले वाले सामान्य स्तर (100%) तक ले जाया जा सके।

क्या है प्री-क्राइसिस लेवल: 'प्री-क्राइसिस लेवल' का अर्थ है कि जब देश में एलपीजी संकट शुरू नहीं हुआ था। फिलहाल राज्यों को बहुत कम यानी पुरानी मांग का 30 फीसदी ही सप्लाई मिल रही है। इसे अब बढ़ाकर पुरानी डिमांड का आधा यानी 50% किया गया है। बता दें कि अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल और गैस सप्लाई लगभग रुक गई है।

क्यों पैदा हुआ एलपीजी संकट: अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त रूप से 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमला कर दिया था। अमेरिका और इजराइल ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों, मिसाइल साइटों, परमाणु सुविधाओं और नेतृत्व पर सैकड़ों हवाई हमले किए। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई समेत कई उच्च अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। इस युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ गया और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति बाधित हुई। बता दें कि भारत का 80-85% एलपीजी आयात इसी रास्ते से होता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है।

ढाबों, होटलों और कैंटीन को प्राथमिकता

डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के अनुसार, यह जो अतिरिक्त 20% गैस दी जाएगी, उसका उपयोग चुनिंदा सेक्टरों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। मुख्य रूप से रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को यह आपूर्ति की जाएगी। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य खान-पान की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर संकट के असर को न्यूनतम करना है।

इन्हें भी मिलेगा फायदा

कामर्शियल गैस की इस अतिरिक्त खेप का फायदा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा। इसके अलावा राज्य सरकारों या स्थानीय निकायों द्वारा चलाई जा रही सब्सिडी वाली कैंटीन और आउटलेट्स को भी इसमें शामिल किया गया है। सामुदायिक रसोई को भी प्राथमिकता सूची में रखा गया है ताकि आम लोगों तक भोजन की पहुंच बनी रहे।

प्रवासी मजदूरों को करें 5 किलो वाला सिलेंडर

मंत्रालय ने पत्र में प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी ख्याल रखा है। कहा गया है कि 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराया जाए। सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

पश्चिम एशिया संकट से चावल निर्यात प्रभावित निर्यातकों ने जताई चिंता

भोपाल, एजेंसी

पश्चिम एशिया में लगातार बिगड़ते हालात का मध्यप्रदेश से विदेशों में बासमती और उष्ण गैर-बासमती जैसे उच्च गुणवत्ता वाले चावल के निर्यात पर गंभीर असर दिख रहा है। इस पर राज्य के प्रमुख चावल निर्यातकों और उद्योग संचालकों ने चिंता जताई है।

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के बासमती चावल और बालाघाट जिले के उष्ण गैर-बासमती चावल की विशेष पहचान है और इनका खाड़ी देशों सहित कई विदेशी मुल्कों में निर्यात होता है।

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर एसोसिएशन के महामंत्री अजय भालोटिया ने बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण रायसेन जिले से विदेश में भेजे जाने वाला बासमती चावल बंदरगाहों, फैक्टरियों एवं वेयरहाउस में अटका हुआ है। माल भाड़ा भी 30 प्रतिशत महंगा हो गया है जबकि कंटेनर की किल्लत भी हो गई है।

भालोटिया ने कहा कि इन सबके चलते निर्यातकों को न केवल ज्यादा

भाड़ा चुकाना पड़ रहा है बल्कि बंदरगाहों पर माल लटकने से आर्डर समय पर पूरा करना भी मुश्किल हो गया है।

रायसेन जिले के मंडीदीप, सतलापुर, औबेदुल्लागंज, रायसेन, बरेली, उदयपुरा, उमरावगंज क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक चावल फैक्टरियां संचालित हैं, जिसमें उच्च कोटि का बासमती चावल निकालकर खाड़ी के देशों को निर्यात किया जाता है।

भालोटिया ने कहा कि इन चावलों का ईरान, इराक, सऊदी अरब, जॉर्डन और दुबई सहित खाड़ी के कई अन्य देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ अमेरिका और इजराइल के युद्ध के कारण निर्यात पूरी तरह बंद होने से जिले की धान मिल बंद पड़ी हैं, जिसने उत्पादकों एवं निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है।

बात काम की

31 मार्च तक निपटा लें ये 5 काम

PPF, सुकन्या में जमा कर दें मिनिमम अमाउंट: ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ

वित्तीय वर्ष 2025-26 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। टैक्सपेयर्स के पास टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट और जरूरी कामों को पूरा करने के लिए 31 मार्च 2026 तक का ही समय है। अगर आप पुरानी टैक्स रिजीम में हैं और टैक्स बचाना चाहते हैं, तो समय रहते PPF, सुकन्या समृद्धि और NPS जैसी स्कीम्स में निवेश करना होगा।

31 मार्च से पहले ये 5 जरूरी काम निपटा लें

1. **PPF-सुकन्या में जमा कर दें मिनिमम अमाउंट:** अगर आपका पब्लिक प्रॉविडेंट फंड और सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट है, लेकिन इस वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2026 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं।

2. **टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट:** अगर आपने अब तक टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट नहीं किया है तो 31 मार्च तक कर सकते हैं। पीपीएफ, टाइम डिपॉजिट और सुकन्या सहित ऐसी कई योजनाएं हैं जिनमें निवेश करके आप टैक्स बचा सकते हैं...

- सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम
- सुकन्या समृद्धि योजना
- पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ)
- नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट
- टाइम डिपॉजिट स्कीम
- इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम

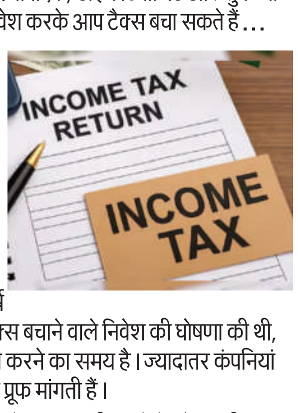

3. **ऑफिस में जमा करने होंगे इन्वेस्टमेंट प्रूफ:** अगर आपने वित्त वर्ष की शुरुआत में अपने ऑफिस को टैक्स बचाने वाले निवेश की घोषणा की थी, तो अब उनके सबूत या दस्तावेज जमा करने का समय है। ज्यादातर कंपनियां फरवरी या मार्च के महीने में निवेश के प्रूफ मांगती हैं।

अगर आप समय पर रसीदें या सर्टिफिकेट जमा नहीं करते हैं, तो कंपनी आपकी सैलरी से ज्यादा टीडीएस (टीडीएस) काट सकती है। इससे मार्च महीने की आपकी इन-हैंड सैलरी काफी कम हो सकती है।

4. **हेल्थ इंश्योरेंस** प्रीमियम पर 75 हजार तक की छूट धारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर भी टैक्स बेनिफिट मिलता है। खुद के, पत्नी और बच्चों के इंश्योरेंस पर आप 25,000 रुपए तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। अगर आपकी उम्र 60 साल से ज्यादा है तो यह लिमिट 50,000 रुपए है।

इसके अलावा, माता-पिता के लिए प्रीमियम भरने पर अलग से 50,000 रुपए तक की छूट मिलती है। यानी कुल मिलाकर आप 75,000 रुपए तक का टैक्स बचा सकते हैं। इसका फायदा लेने के लिए प्रीमियम का भुगतान 31 मार्च 2026 से पहले करना होगा।

5. **अपडेटेड रिटर्न** फाइल करने की आखिरी तारीख 31 मार्च जो टैक्सपेयर्स अपने पिछले दो साल के इनकम टैक्स रिटर्न को अपडेट करना चाहते हैं, वे 31 मार्च से पहले अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

सोना इस हफ्ते 11 हजार रुपये सस्ता, चांदी 28 हजार गिरी

नई दिल्ली,एजेंसी

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में भारी गिरावट रही। सोना हफ्तेभर में 11 हजार रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 मार्च को 1.58 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.60 लाख प्रति किलो से गिरकर 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 28 हजार रुपए कम हुई।

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से निवेशक अपनी 'गोल्ड होल्डिंग्स' बेचकर कैश (डॉलर) इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि बाजार की अस्थिरता से निपट सकें। इससे डॉलर मांग बढ़ रही है

और सोने-चांदी के दाम गिर रहे हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

तब से अब तक सोना 28,903 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंची। तब से 50 दिन में चांदी 1.53 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

एमएसएमई के लिए साझा ऋण गारंटी योजना में संशोधन

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि एमएसएमई के लिए साझा ऋण गारंटी योजना (एमसीजीएस- एमएसएमई) में विनिर्माताओं और निर्यातकों को सहायता देने के लिए बदलाव किए गए हैं। इसके तहत चौथे साल के बाद किस्तों में पांच प्रतिशत अग्रिम योगदान की अनुमति दी गई है।

संशोधित योजना के अनुसार, अब इसमें सेवा क्षेत्र को भी शामिल कर लिया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उपकरण/मशीनरी की लागत को परियोजना लागत के पिछले 75 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है।

भारतीय कंपनियों ने सेमाग्लूटाइड दवाओं के जेनेरिक संस्करण पेश किए

नयी दिल्ली, एजेंसी

सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, ग्लेनमार्क, टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स, एल्केम लैबोरेटरीज और यूएसवी लिमिटेड ने शनिवार को सेमाग्लूटाइड आधारित मधुमेह उपचार की जेनेरिक दवाएं और इंजेक्शन बाजार में उतारने की घोषणा की। यह कदम ओजेम्पिक और वेगोवी जैसी दवाओं के मूल घटक के भारत में पेटेंट समाप्त होने के बाद उठाया गया है। कंपनियों ने कहा कि इन दवाओं की कीमतें मूल दवा बनाने वाली कंपनी नोवो नॉर्डिस्क की तुलना में काफी कम हैं।

सन फार्मा ने अपने सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन को 'नोवेलट्रीट' और 'सेमाट्रिनिटी' नाम से सभी मात्रा में पेश किया है। नोवेलट्रीट का उपयोग वयस्कों में लंबे समय तक वजन नियंत्रण के लिए कम कैलोरी वाले आहार और शारीरिक गतिविधि के साथ किया जाता है। सन फार्मा के प्रबंध निदेशक कीर्ति गणोरकर ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य अधिक से अधिक मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती उपचार उपलब्ध कराना है।

- **ओजेम्पिक और वेगोवी जैसी दवाओं के मूल घटक का पेटेंट समाप्त होने के बाद उठाया कदम**

डॉ. रेड्डीज ने 'ओबेडा' नाम से सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन पेश किया है, जो सप्ताह में एक बार लगाया जाता है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एरेज इजराइली ने कहा कि कंपनी इसे अन्य देशों में भी उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

ग्लेनमार्क ने 'ग्लिपिक' नाम से अपना जेनेरिक सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन पेश किया है। ग्लेनमार्क के अधिकारी आलोक मलिक ने कहा कि भारत में उन्नत मधुमेह उपचार की शुरुआत में अधिक लागत एक बड़ी बाधा है, जिसे यह दवा कम करने में मदद करेगी। जायडस लाइफसाइंसेज ने भी 'सेमाग्लिन', 'मैशेमा' और 'अल्टरमेट' नाम से सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन के अपने जेनेरिक संस्करण पेश करने की घोषणा की है।

सर्वे रिपोर्ट का दावा | **लोकलसर्किल्स का दावा-68% घरों में समय पर नहीं पहुंच रही गैस**

ब्लैक में सिलेंडर खरीद रहे 20% लोग, देने पड़ रहे 4,000 तक रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

एलपीजी संकट के चलते देश में सिलेंडर की कालाबाजारी बढ़ गई है। गैस की कमी और डिलीवरी में देरी के कारण करीब 20% परिवारों को सिलेंडर ब्लैक में खरीदना पड़ रहा है। कई मामलों में लोगों को एक घरेलू सिलेंडर के लिए 500 से 4000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। इंडियन सर्वे और रिसर्च फर्म लोकलसर्किल्स की ओर से जारी सर्वे रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक में सिलेंडर लेने वालों की संख्या पिछले हफ्ते के मुकाबले 6% बढ़ गई है। इस हफ्ते 68% भारतीय घरों को गैस डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा, जबकि पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 57% था।

बता दें कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन हालात चिंता वाले बने हुए हैं।

देने पड़ रहे 4,000 रुपये तक ज्यादा: सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि गैस की कमी के कारण बीते सप्ताह की अपेक्षा इस सप्ताह ब्लैक में सिलेंडर खरीदने वालों की संख्या 14% से बढ़कर 20% हो गयी है। लोग तय रेट से आवश्यकता के अनुसार 300 से 4,000 रुपये तक ज्यादा दे रहे हैं।

केवल 28% परिवारों को ही समय पर सिलेंडर: देश के 328 जिलों के 57,000 लोगों पर हुए सर्वे में सामने आया कि केवल 28% परिवारों को ही समय पर गैस मिल पा रही है। इस सर्वे में शहर और गांव के 61% पुरुष और 39% महिलाएं शामिल थीं, जिनमें

से अधिकतर लोगों ने गैस आपूर्ति में परेशानी की बात कही। पेट्रोलियम मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है। इसका आवंटन 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में किया गया है।

सख्त कार्रवाई करे सरकार

लोकलसर्किल्स अब इस सर्वे की रिपोर्ट केंद्र सरकार और संबंधित मंत्रालयों को सौंपने की तैयारी में है। संस्था ने मांग की है कि गैस की जमाखोरी करने वाले डीलरों और धोखाधड़ी करने वाली एजेंसियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, डिजिटल सिस्टम में आ रही खामियों को दूर करने की भी अपील की गई है।

शहरों में पीएनजी पर शिफ्ट हो रहे लोग

गैस आपूर्ति में कमी को देखते हुए शहरी उपभोक्ता अब पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। सर्वे के अनुसार, ग्रामीण भारत के हालात और भी खराब हैं। गांवों में गैस सप्लाई न होने के कारण 40% से ज्यादा ग्रामीण आबादी अब भी पारंपरिक बायोमास (लकड़ी और उपले) पर निर्भर हो गयी है।

सिलेंडर नहीं, आ रहा डिलीवरी मैसेज

सर्वे के अनुसार करीब 12% उपभोक्ताओं ने धोखाधड़ी वाले SMS मिलने की शिकायत की है। इन मैसेज में दावा किया जा रहा है कि उनका सिलेंडर डिलीवर हो गया है, जबकि उनके घर गैस पहुंची ही नहीं। इस 'फैंटम डिलीवरी' यानी कागजी डिलीवरी ने ऑफिशियल बुकिंग प्लेटफॉर्म्स पर लोगों का भरोसा कम कर दिया है।

कालाबाजारी रोकने को मारे 4500 छापे

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 औचक निरीक्षण भी किए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

प्रतिक्रिया जानने को सड़कों पर लगाए क्यूआर कोड बोर्ड

नई दिल्ली। नागरिकों की सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पीडब्ल्यूडी ने सुदृढ़ीकरण के दौर से गुजर रही सड़कों पर क्यूआर कोड-सक्षम डिस्प्ले बोर्ड लगाए हैं। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण जानकारी तक आसान पहुंच प्रदान करके और प्रतिक्रिया के लिए एक सीधा माध्यम बनाकर सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाओं के साथ लोगों के जुड़ने के तरीके को बदलना है। पीडब्ल्यूडी के मंत्री ने कहा, पारदर्शिता का अर्थ केवल सूचना साझा करना नहीं है; इसका अर्थ है लोगों की बात सुनना। इस पहल से नागरिकों को न केवल सड़क निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी मिलेगी, बल्कि वे सीधे अपनी प्रतिक्रिया भी दे सकेंगे।

कर्नाटक में दरियाई घोड़े के हमले में पशु चिकित्सक की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में शिवमोगा स्थित त्यावरेकोप्पा चिड़ियाघर में दरियाई घोड़े के हमले में पशु चिकित्सक डॉ. समीक्षा रेड्डी की दर्दनाक मौत के बाद राज्य में वन्यजीव संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बीच सरकार ने उनके परिवार के लिए 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार हाल ही में पशु चिकित्सा अधिकारी नियुक्त हुई 27 वर्षीय डॉ. समीक्षा रेड्डी प्रशिक्षण पर थीं। वह गुरुवार देर रात नियमित ड्यूटी के दौरान हमले का शिकार हो गईं। बताया गया कि रात करीब 10:30 बजे एक पक्षी का इलाज करने के बाद वह एक गर्भवती दरियाई घोड़ी के बाड़े में उसकी शारीरिक स्थिति की निगरानी के लिए थर्मल कैमरा लेकर गईं। इसी दौरान जानवर आक्रामक हो गया और उसने उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर आंतरिक चोटें आईं।

अभिनेता निकोलस ब्रेंडन का निधन

लॉस एंजिल्स। मशहूर अमेरिकी टीवी सीरीज 'बफी द वैम्पायर स्लेयर' में 'जैंडर हैरिस' की भूमिका निभाकर दुनिया भर में लोकप्रियता बटोरने वाले अभिनेता निकोलस ब्रेंडन (54) का कई गंभीर बीमारियों के कारण निधन हो गया है। उनके परिवार ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए इस दुखद खबर की पुष्टि की। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमें अपने भाई और बेटे निकोलस ब्रेंडन के निधन की खबर साझा करते हुए गहरा दुख हो रहा है।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया भेजीं बड़ी संख्या में पैट्रियट

● रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा की उत्पन्न हुई चिंता

लंदन, एजेंसी

ईरान के खिलाफ युद्ध पर ध्यान केंद्रित करते हुए अमेरिका ने बड़ी संख्या में 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है।

संवेदनशील सैन्य मामलों पर गोपनीयता के कारण अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी है। एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध के कारण यूरोप और अन्य क्षेत्रों में पैट्रियट मिसाइलों का भंडार निश्चित रूप से कम हो रहा है और स्थिति काफी चिंताजनक है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के आधकारिक आवास व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय किए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद और सैन्य भंडार मौजूद हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ शुरू किए सैन्य अभियान को 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम दिया है।

अंधेरे की आहट समाधान की राह

वर्तमान में पूरी दुनिया एक अभूतपूर्व ऊर्जा संकट का सामना कर रही है, जो न केवल आर्थिक विकास को बाधित कर रहा है बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरा बना हुआ है। पिछले कुछ समय में, ऊर्जा की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है जिससे विकसित और विकासशील दोनों तरह की अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। संकट की जड़ें केवल संसाधनों की कमी में नहीं, बल्कि जटिल भू-राजनीतिक समीकरणों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान में निहित हैं। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद स्थितियां बेहद खराब हुई हैं। तेल अवसंरचनाओं पर हमलों के चलते कच्चे तेल की निकासी और परिवहन प्रभावित हुआ है। होर्मुज जलडमरुमध्य पर टैंकरों की आवाजाही पर ईरान की रोक ने संकट को और बढ़ा दिया है। वैकल्पिक ऊर्जा का इस्तेमाल ही इसका बेहतर समाधान हो सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट

प्रमुख देशों में मांग और आपूर्ति

● अमेरिका : यहां कच्चे तेल की मांग लगभग 20 .5 मिलियन बैरल प्रतिदिन है, जबकि आपूर्ति लगभग 13 मिलियन है। प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 880-900 बिलियन क्यूबिक मीटर है। ● चीन : कच्चे तेल की चीन में मांग लगभग 15-16 मिलियन प्रतिदिन है, लेकिन इसका घरेलू उत्पादन केवल 4 मिलियन के करीब है। चीन अपनी 70% से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। यहां प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 400 बीसीएम है। चीन तेजी से कोयले से गैस की ओर बढ़ रहा है, जिससे इसकी मांग और आयात दोनों बढ़ रहे हैं। ● रूस : कच्चे तेल की रूस की घरेलू मांग लगभग 3 .5 मिलियन बैरल रोज है, जबकि इसका उत्पादन 9-10 मिलियन है। रूस की घरेलू गैस मांग लगभग 470 बीसीएम है। ● भारत : कच्चे तेल की भारत की मांग लगभग 5 .2 - 5 .5 मिलियन रोजाना है। भारत अपनी जरूरत का 85% तेल आयात करता है क्योंकि घरेलू उत्पादन काफी कम है। प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 65-70 बीसीएम है। भारत लगभग 50% एलएनजी आयात करता है।

संकट का कारण

● भू-राजनीतिक तनाव और संघर्ष : मार्च 2026 में मध्य पूर्व विशेष रूप से ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध और तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित किया है।

● हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य की बंदी : यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग है। इसके बंद होने या असुरक्षित होने से वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति का लगभग 20% हिस्सा रुक गया है। भारत अपनी एलएनजी जरूरतों का लगभग 60% इसी मार्ग से आयात करता है, जिससे आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा है।

● आपूर्ति श्रृंखला में बाधा : कतर जैसे प्रमुख उत्पादकों से एलएनजी और एलपीजी के शिपमेंट में देरी हुई है। इसके कारण वैश्विक बाजार में स्पॉट कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं।

● भारी आयात निर्भरता : भारत एलपीजी जरूरतों का 85-90% और कच्चे तेल का लगभग 85% आयात करता है। आपूर्ति कम होने और कीमतें बढ़ने का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा है।

भारत के पास विकल्प

● नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य : 2030 तक 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करना।

● इथेनॉल सम्मिश्रण : पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाकर आयात बिल को कम किया जा सकता है। सौर ऊर्जा का भी इस्तेमाल

ईवी का इस्तेमाल : इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम की जा सकती है।

● सामरिक तेल भंडार : आपात स्थिति के लिए देश के भीतर तेल का बड़ा स्टॉक जमा करना (जैसे विशाखापत्तनम और पादुर में)।

छीनने नहीं देंगे मताधिकार, अंत तक लड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर लगाया पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बहाने मताधिकार छीनने का आरोप

● ईद पर रैली में बोलीं, विधानसभा चुनाव बंगाल की रक्षा की लड़ाई

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के माध्यम से लोगों के मतदान अधिकार छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठ करने वाला करार दिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कोलकाता के प्रतिष्ठित रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों को लोकतांत्रिक अधिकारों और बंगाल के बहुल सामाजिक ताने-बाने की रक्षा की लड़ाई करार दिया।

ममता ने कहा कि हम मोदी जी और भाजपा को आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं देंगे। हम अंत तक लड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए उन्होंने कोलकाता से लेकर दिल्ली तक की अदालतों का रुख किया है। उनकी ये टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर के कारण वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, खासकर अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों से। उन्होंने कहा कि जब आप विदेश जाते हैं, तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और मित्रता की बातें करते हैं। यह आपकी पसंद है, और मैं सभी देशों का सम्मान करती हूं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं, तो अचानक हिंदू-मुस्लिम विवाद शुरू हो जाता है, और लोगों को घुसपैठिया कहा जाने लगता है। ममता ने मोदी और भाजपा द्वारा सीमावर्ती राज्य में घुसपैठ के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों को लेकर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, आप फिर नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया करार देने की बात करते हैं। मैं कहूंगी कि आप और आपकी सरकार सबसे बड़ी घुसपैठ करने वाले हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। ममता बनर्जी ने इस मौके का उपयोग पार्टी के उस चुनावी विमर्श को मजबूत करने के लिए किया कि भाजपा संस्थागत तंत्र और ध्रुवीकरण करने वाली बयानबाजी के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है।

समाज को बांटने वालों को नरक में भेज दिया जाएगा

ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें नरक में भेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सांप्रदायिक सौहार्द की पश्चिम बंगाल की पुरानी परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज का ध्रुवीकरण करने की कोशिश करने वाली ताकतों को राज्य सफल नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि बंगाल एकता में विश्वास करता है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई यहां सभी साथ रहते हैं। हम किसी को भी इस सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने नहीं देंगे। तृणमूल सुप्रीमो ने भाजपा पर निशाना साधते हुए नारा दिया, भाजपा हटाओ, देश बचाओ। इस वर्ष ईद का यह उत्सव विशेष राजनीतिक महत्व रखता है, क्योंकि यह विधानसभा चुनावों से कुछ सप्ताह पहले हो रहा है। तृणमूल लगातार चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, जबकि भाजपा राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रही है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने नमाजियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के संदेश को दोहराया कि बंगाल की सामाजिक सद्भाव की रक्षा की जाएगी। डायमंड हार्बर के सांसद ने कहा कि बंगाल की सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा की जाएगी।

केरल में भाजपा ने जारी की अपने 11 उम्मीदवारों की नई सूची

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 11 उम्मीदवारों की एक नई सूची जारी करते हुए पार्टी के जिला अध्यक्ष करमना जयन को तिरुवनंतपुरम से मैदान में उतारा है। नवीनतम सूची के साथ, भाजपा ने नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए अब तक 97 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जयन का मुकाबला एलडीएफ के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे अभिनेता सुधीर करमना और कम्युनिस्ट मार्क्सवादी पार्टी एवं संयुक्त लोकतांत्रिक मार्चा नेता सी पी जॉन से होगा। भाजपा की नई सूची में एक और महत्वपूर्ण नाम व्यवसायी एस राजशेखरन नायर का है, जो नेय्याट्टिनकारा से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला मौजूदा विधायक अनसलान और कांग्रेस उम्मीदवार एन सक्तन से होगा। भाजपा ने एससी आरक्षित चिरायिनकीझू निर्वाचन क्षेत्र से बीएस अनूप और चदयामंगलम से आरएस अरुण राज को भी उतारा है, जो कांग्रेस द्वारा टिकट न दिए जाने के बाद पार्टी में शामिल हुए थे। राजद छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल हुए टीएन सुरेश कोवलम से चुनाव लड़ेंगे। अभिनेता विवेक गोपन अरुविक्कारा से चुनाव लड़ेंगे। रवींद्रनाथ वकत्थानम पुथुप्पल्ली से चुनाव लड़ेंगे। पीरुमाडे में वी रथीश, एससी-आरक्षित मवेलिककारा में अजिमोन, एससी-आरक्षित अडूर में पंडालम प्रतापन और चवारा में केआर राजेश को मैदान में उतारा है। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 23 मार्च है।

भाजपा की बी टीम हैं कांग्रेस और राहुल गांधी : विजयन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर शनिवार को निशाना साधते हुए उन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी टीम होने का आरोप लगाया। विजयन ने यह आरोप एक साक्षात्कार के दौरान लगाया। राहुल गांधी ने हाल में टिप्पणी की थी कि देश में केंद्रीय एजेंसियों ने केरल के मुख्यमंत्री को छोड़कर अन्य विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया है या पूछताछ के लिए बुलाया है।

गांधी की इस टिप्पणी के बारे में सवाल किए जाने पर विजयन ने कांग्रेस नेता एवं उनकी पार्टी पर भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अनुभवों से नहीं सीखते। वे सामान्य लोग नहीं होते। वे एक दुर्लभ उदाहरण हैं। ऐसा उन लोगों के साथ होता है जो आमतौर पर चीजों को समझने में असमर्थ होते हैं। राहुल गांधी इसी श्रेणी में आते हैं। विजयन ने कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन अदालत ने उन सभी आरोपों को खारिज कर दिया और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता को क्लीन चिट दे दी।

पंजाब: आप के मंत्री की प्रताड़ना से तंग अफसर ने की आत्महत्या

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्री की प्रताड़ता से आकर एक विभागीय अफसर ने आत्महत्या कर ली। अपने ऊपर आरोप लगने के बाद कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सीएम भगवंत मान ने अमृतसर में राज्य भंडारण निगम के अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने के बाद भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। भुल्लर पर अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। अमृतसर में पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शुक्रवार को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। सोशल मीडिया पर शनिवार को एक असत्यापित वीडियो सामने आया, जिसमें पट्टी का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे रंधावा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्होंने जहर खा लिया है और परिवहन मंत्री पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

डॉ. वंदना दास हत्या मामले में दोषी शिक्षक को उम्रकैद

● अभियोजन ने कहा-आरोपी के लिए मृत्युदंड की करेंगे अपील

कोल्लम (केरल), एजेंसी

केरल में कोल्लम के एक अस्पताल में डॉ. वंदना दास की सनसनीखेज हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए शिक्षक को शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई। अभियोजन पक्ष ने कहा कि वह आरोपी के लिए मृत्युदंड दिए जाने का अनुरोध करते हुए अपील दायर करेगा। चिकित्सक के परिवार ने भी फांसी देने की मांग की है। डॉ. दास की मई 2023 में एक तालुक अस्पताल के अंदर जी संदीप ने बेरहमी से हत्या कर दी थी।

विशेष लोक अभियोजक प्रताप जी पडिकल ने बताया कि कोल्लम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने संदीप को भादंसं के तहत विभिन्न अपराधों के लिए कुल 30 वर्ष की कारावास की सजा सुनाई और कहा कि इस सजा को पूरा करने के बाद चिकित्सक की हत्या के लिए उसकी आजीवन कारावास की सजा शुरू हो जाएगी। विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि वह अभियोजन पक्ष को यह सिफारिश करेंगे कि आजीवन कारावास की सजा को मृत्युदंड में बदलने के लिए अपील दायर की जाए। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने संदीप के लिए अधिकतम सजा की मांग की थी, लेकिन अदालत ने शायद इसे दुर्लभतम मामला नहीं माना और इसीलिए मृत्युदंड नहीं दिया गया। डॉ. दास के पिता ने कहा कि यह फैसला परिवार के लिए राहत की बात है, लेकिन वह निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि उनकी बेटी को न्याय मिला है या नहीं। उन्होंने सजा पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सजा बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

ब्रिटेन में दिमागी बुखार का प्रकोप हाई अलर्ट जारी

लंदन। ब्रिटेन के स्वास्थ्य सुरक्षा निकाय ने देश के कई हिस्सों में मे निंजाइटिस (मस्तिष्क ज्वर) के मामलों में अचानक हुई वृद्धि के बाद हाई अलर्ट जारी किया है। पिछले दो हफ्तों में लंदन और दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के कुछ इलाकों में संक्रमण के मामलों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ गयी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रकोप विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं को प्रभावित कर रहा है। यूकेएचएसए के मुख्य चिकित्सा सलाहकार ने चेतावनी दी है कि मेनिंजाइटिस बी और डब्ल्यू स्ट्रेन के मामले अधिक देखे जा रहे हैं। अधिकारियों ने छात्रों और अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे टीकाकरण की स्थिति की तुरंत जांच करें। ब्रिटिश सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है।

कर्नाटक : सामाज कल्याण अधिकारी ने की आत्महत्या

● मोबाइल पर बनाया वीडियो वरिष्ठों को दोषी ठहराया

तुमकुर, एजेंसी

तुमकुर जिले में सामाजिक कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने अपने वरिष्ठ सहकर्मी पर उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद अपने कार्यालय में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सहायक निदेशक मल्लिकार्जुन का शव शुक्रवार को पावागड़ा कस्बे में समाज कल्याण विभाग के कार्यालय में पंखे से लटका मिला। विभाग के तालुक-स्तरीय अधिकारी ने आत्महत्या करने से पहले अपने मोबाइल फोन पर एक सेल्फी वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त निदेशक कृष्णप्पा द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने बताया कि मल्लिकार्जुन पावागड़ा के गुंडरलाहल्ली का मूल निवासी था। वीडियो में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां, पत्नी और बच्चों ने उसका अच्छे से ख्याल रखा है। पीड़ित ने दावा किया कि ईश्वर और कानून वरिष्ठ सहयोगी को उनके कृत्यों के लिए दंडित करेंगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मल्लिकार्जुन के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत और सेल्फी वीडियो के आधार पर संयुक्त निदेशक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि संयुक्त निदेशक ने हाल में मल्लिकार्जुन के खिलाफ जांच शुरू की थी।

नौका पर अमेरिका के हमले में दो नशा तस्करों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान के बीच पूर्वी प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी नौका पर सेना के हमले में दो लोगों की मौत हो गयी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने शुक्रवार को 'एक्स' पर बताया कि हमले के तुरंत बाद अमेरिकी तटरक्षक को हमले में जीवित बचे तीन लोगों की तलाश के लिए सक्रिय किया गया है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा कि उसके एक जहाज ने दो शव और एक जीवित व्यक्ति को बरामद कर उन्हें कोस्टा रिका के तटरक्षक बल को सौंप दिया। इस ताजा हमले के साथ सितंबर की शुरुआत से ट्रंप प्रशासन द्वारा मादक पदार्थ आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू होने के बाद नावों पर हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 159 हो गई है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कारोबार में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। आप परिजनों के साथ बेहतरीन समय बिताएंगे।

तुला – आज व्यवसाय में अपने लक्ष्यों को पूर्ण कर लेंगे। आपको बड़ा पद सौंपा जा सकता है। कार्यशैली में परिवर्तन कर सकते हैं।

वृष – आज व्यापार से धन लाभ के योग बन रहे हैं। समस्याओं को लेकर आप लापरवाह हो सकते हैं। पुराने रोग दोबारा उभर सकते हैं।

वृश्चिक – आज अपने लक्ष्य के प्रति आप एकाग्र रहेंगे। व्यापार में अचानक धन लाभ हो सकता है। आपके मस्तिष्क में कुछ आइडियाज आएंगे।

मिथुन – आज पैतृक कारोबार में आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सफल होंगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

धनु – आज विवादित मामलों पर समझौता हो सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आप लोगों के बीच लोकप्रिय रहेंगे।

कर्क – आज का दिन नए कार्य की योजना बनाने के लिए शुभ है। कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल सकती है। व्यापार में साझेदारी करने के अवसर मिलेंगे।

मकर – आज पुरानी उलझनों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

सिंह – आज नई तकनीक के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। आप समाज में लोकप्रिय रहेंगे। विद्वान लोगों के साथ आपका संपर्क मजबूत होगा।

कुंभ – आज कार्यक्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी का विचार बनाएंगे। बच्चों की आवश्यकताओं का ध्यान रखें।

कन्या – आज नए प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। इसके कारण आपको अपने खर्चों में कटौती भी करनी पड़ेगी।

मीन – आज धन से जुड़े मामलों में देरी हो सकती है। लोन संबंधी मामले उलझने की आशंका है। अपने मन की बातें साझा करने से बचें।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

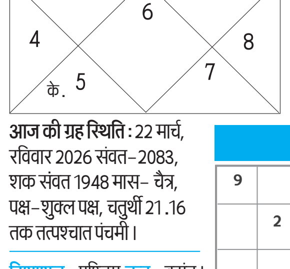

आज की ग्रह स्थिति : 22 मार्च, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 21.16 तक तत्पश्चात पंचमी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत। **चन्द्रबल**- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ। **ताराबल**-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। **नक्षत्र**- भरणी 20.42 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

सुडोकू - 95 का हल

3	8	4	1	9	2	7	5	6
5	9	7	3	6	8	4	2	1
2	6	1	7	4	5	3	9	8
6	7	2	4	8	1	9	3	5
9	4	5	2	3	6	8	1	7
1	3	8	5	7	9	6	4	2
8	5	9	6	2	3	1	7	4
7	1	3	8	5	4	2	6	9
4	2	6	9	1	7	5	8	3

सुडोकू -96

9			6		8	5		
	2		9			4		
				3				
6		7	8				3	
		2				7		9
	5				7			
		8		5	2			
		1					6	
		9	4		6			7

पंजाब में तस्करी के 6.5 किलो हेरोइन बरामद

फिरोजपुर। पंजाब में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ समन्वय करते हुए तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर 6.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित तस्करों ने जीरो लाइन पार की और सीमा बाड़ के बहुत करीब आ गए। वे अंधेरे का फायदा उठाकर नशीले पदार्थों की खेप को भारतीय सीमा के भीतर धकेलने की कोशिश कर रहे थे।

संगोष्ठी

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने किया आह्वान

लंबित मुकदमों के निस्तारण को बने न्यायिक सुधार आयोग

बेंगलुरु, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने शनिवार को अदालतों में बढ़ते लंबित मामलों को कम करने के लिए एक न्यायिक सुधार आयोग के गठन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों में प्रणालीगत खामी की वजह से न्याय वितरण में देरी हो रही है।

वह यहां सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना: लोकतांत्रिक न्याय के लिए संस्थानों को मजबूत करना विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। यहां 'लंबित मामलों से त्वरित न्याय की ओर: भारतीय न्यायालयों में न्याय वितरण पर पुनर्विचार' विषय पर आयोजित परिसंवाद का हिस्सा रहीं न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस सुधार आयोग में न केवल उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और जिला न्यायपालिका के सदस्य होने चाहिए, बल्कि बार एसोसिएशन, अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर

जनरल और संस्थागत स्तर पर बार का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ सदस्य, जैसे कि बार अध्यक्ष, और सरकार की ओर से भी सदस्य होने चाहिए ताकि लंबित मामलों को कम करने पर अंतर-संस्थागत संवाद स्थापित किया जा सके।

सरकार की भूमिका मुकदमेबाजी का बड़ा स्रोत

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने सरकार की भूमिका को मुकदमेबाजी का सबसे बड़ा स्रोत बताते हुए कहा कि अधिकारी जांच से बचने के लिए अपील दायर करते हैं, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां विवादों का निपटारा पहले किया जा सकता था। इसके परिणामस्वरूप मामले अनावश्यक रूप से कई न्यायिक स्तरों से गुजरते हैं। सरकार सार्वजनिक रूप से लंबित मामलों के बारे में चिंता जताती है.।

उन्होंने रेखांकित किया कि विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण, मुकदमे की यथास्थिति से पक्षकार के लाभ जैसे कारणों से कार्यवाही को लंबा खींचने की कोशिश होती है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि एक वकील या अधिवक्ता को स्थगन और सुनवाई में देरी पसंद होती है क्योंकि इससे उसे प्रति उपस्थिति और विस्तारित समयसीमा का लाभ मिलता है। सरकारी विभाग हार स्वीकार करने के बजाय अपील करके नौकरशाही संबंधी जोखिम को कम करता है।

हमने पिछले दो से तीन सीजन में जो हासिल किया, उसे हासिल करने के लिए हमने बहुत मेहनत की है, और यह और भी मुश्किल होने वाला है क्योंकि दूसरी टीमें हमें कड़ी टक्कर देंगी। हम एक मिनट भी बर्बाद न करें और अपना 120 परसेंट देना होगा।
–विराट कोहली

स्टेडियम

कानपुर, रविवार, 22 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पोलैंड के टोरून में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप की हेप्टाथलॉन 60 मीटर हर्डल्स में हिस्सा लेते जमैका के जेरोम कैंपबेल। एजेंसी

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को टी-20 खेलेगा भारत

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैम्पियन भारत 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा। बीसीसीआई ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों मैच बेलफास्ट में होंगे जहां भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने एक बयान में कहा टीम इंडिया दो मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये जून 2026 में आयरलैंड जायेगी। उन्होंने कहा पिछले आठ साल में भारतीय टीम ने तीन बार (2018, 2022 और 2023) आयरलैंड का दौरा किया है। बेलफास्ट में भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी। इससे दो दिन पहले आयरलैंड के हाई परफार्मेंस निदेशक ग्राहम वेस्ट ने इसकी पुष्टि की थी। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के बाद इंग्लैंड में एक से 19 जुलाई तक पांच टी20 और तीन वनडे खेलेगी।

कैमरन ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल में तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

शेनजेन (चीन)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को शेन्ज़ेन में चाइना ओपन में 20 .88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेसार सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0 .03 सेकंड कम है। सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित 'सुपर सूट' युग के दौरान 20 .91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था। इन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की क्षमता बढ़ाई जाती थी जिसके कारण 2009 में लगभग 150 विश्व रिकॉर्ड टूट गए थे। इस तरह की प्रतियोगिताओं पर 2010 में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

ओलंपिक में पदार्पण को सौरव घोषाल ने ऐतिहासिक बताया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किए जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिए बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किये गए घोषाल ने कहा मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैने भारत के लिये 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं।

केकेआर को बड़ा झटका, चोटिल आकाशदीप आईपीएल सत्र से बाहर

पीठ के निचले हिस्से में फिर उभरा दर्द, स्वस्थ्य होने में लग सकते 12 हफ्ते

कोलकाता, एजेंसी

चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को शनिवार को तब एक और झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए। आकाशदीप कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे जिससे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया आकाशदीप की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उभर गया है और उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। वह आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे और उनका अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है। इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था। तब वह पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे थे। उन्होंने पहली पारी में केवल 13 ओवर और दूसरी पारी में सात से कम ओवर फेंके थे। तब से वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उन्होंने बुधवार से यहां शुरू हुए केकेआर के अभ्यास शिविर में हिस्सा नहीं लिया।

सूत्र ने कहा पूरी तरह से फिट होकर वापसी करने में काफी समय लगेगा। इस तरह की चोट में फिट होने के लिए लगभग 10 सप्ताह का समय लगता है। लेकिन इस मामले में इससे भी अधिक समय लग सकता है। आकाशदीप तीन बार के चैंपियन केकेआर की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में नया नाम हैं। इस सूची में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और 18 करोड़ रुपये में खरीदे गए श्रीलंकाई खिलाड़ी मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिससे टीम का तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर पड़ गया है। आकाशदीप और राणा की अनुपस्थिति में केकेआर को वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और फिट होकर वापसी करने वाले उमरान मलिक पर निर्भर रहना पड़ेगा। राणा पहले ही आईपीएल से बाहर हो गए थे। बीसीसीआई के निर्देश के बाद इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करना पड़ा, जिसके बाद केकेआर ने उनके स्थान पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को टीम में शामिल किया।

कोलकाता नाइट राइडर्स की गेंदबाजी में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा : अश्विन

चेन्नई, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी आक्रमण में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा और उनके 'मिस्ट्री' स्पिनरों में 'नवीनता का तत्व' भी फीका पड़ गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले केकेआर की ताकत और कमजोरी का विश्लेषण करते हुए अश्विन ने कहा कि भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर अब काफी जिम्मेदारी होगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा मुझे नहीं लगता कि केकेआर की गेंदबाजी देखकर विरोधी टीम डरेंगी। 'मिस्ट्री फैक्टर', 'नवीनता' और खौफ, ये सब अब खत्म हो चुके हैं। पहले बल्लेबाज विश्लेषक के कमरे में जाकर गेंदबाज के हाथ को देखते थे या फिर एक रन लेने की बात सोचते थे। उन्होंने कहा वरुण अपने करियर के ऐसे दौर में हैं जहां उन्हें जवाब ढूंढने होंगे। यह हर क्रिकेटर के विकास का हिस्सा होता है। मुझे लगता है कि नवीनता का तत्व अब खत्म हो गया है। अश्विन ने यह भी कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नारायण की प्रभावशीलता भी कम हो गई है। उन्होंने कहा सुनील नारायण अब अपने एक्शन की वजह से अपनी तेज गेंद नहीं डाल सकते। ईडन गार्डन्स छोटा मैदान है इसलिए विरोधी टीमों के लिए आक्रामक होना आसान हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केकेआर के गेंदबाजों के लिए आक्रामक बल्लेबाजी लाइन-अप को रोकना मुश्किल हो सकता है, खासकर छोटे मैदानों पर। उन्होंने यह भी कहा कि चोटों और खिलाड़ियों में बदलाव के कारण गेंदबाजी इकाई कमजोर हो गई है। उन्होंने कहा नीलामी के बाद मैंने कहा था कि केकेआर की गेंदबाजी मजबूत है। लेकिन अब मुस्तफिजुर रहमान टीम में नहीं हैं। माथिशा पाथिराना चोटिल हैं और हर्षित राणा भी बाहर हो चुके हैं। अश्विन ने कहा केकेआर के पास ब्लेसिंग मुजारबानी हैं जिन्होंने मेहनत की है और मैं उन्हें देखने के लिए उत्साहित हूं। लेकिन इतनी चोटों के बीच किसी को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी और वो कौन होगा, मुझे नहीं दिखता। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप भी केकेआर के पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं। अश्विन ने श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया जिन्होंने 2024 में केकेआर को तीसरा खिताब जिताया था लेकिन टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। उन्होंने कहाकोरबो है, लोरबो है, लेकिन जीतबो नहीं है। केकेआर ने तीन बार खिताब जीता, दो बार गौतम गंभीर के नेतृत्व में और एक बार श्रेयस अय्यर की अगुआई में। अश्विन ने कहा श्रेयस अय्यर की कप्तानी प्रभावशाली रही है। केकेआर का नुकसान पंजाब किंग्स का फायदा बन गया। अय्यर पंजाब किंग्स में शामिल हुए और पिछले साल टीम को एक दशक में पहली बार आईपीएल फाइनल तक पहुंचाया।

अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में छात्र-छात्राओं के साथ सेल्फी लेते गुजरात टाइटन्स के खिलाड़ी कुमार कुशाग्र, मानव सुथार व अरशद खान।

किसी सत्र का एक भी मिनट बर्बाद नहीं करना : कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी

- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के करिश्माई बल्लेबाज विराट ने साथी खिलाड़ियों को दी सलाह

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी। आरसीबी को 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। कोहली ने कहा हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा। उन्होंने यह भी कहा इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं।

तन्वी का शानदार अभियान सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त

ओरलियंस। भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा को शनिवार को यहां ओरलियंस मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में अपनी गलतियों पर नियंत्रण नहीं कर पाने के कारण पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

भारत की सत्रह वर्षीय खिलाड़ी पूरे मैच के दौरान अपनी लेंथ और नियंत्रण को लेकर जूझती रहीं। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता को 35 मिनट में 31 वर्षीय ओकुहारा (2016 की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2017 की विश्व चैंपियन) के हाथों 9-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

तन्वी ने पिछले साल सैयद मोदी इंटरनेशनल में ओकुहारा के खिलाफ तीन गेम के एक रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की थी। लंबी रैलियों के लिए मशहूर ओकुहारा ने पहले गेम में 3-0 की बढ़त बना ली और फिर तन्वी की गलतियों के कारण 6-3 पर पहुंच गईं। तन्वी लगातार लाइन से चूकती रहीं और ब्रेक तक जापानी खिलाड़ी से 6-11 से पिछड़ रही थीं।

महिला टी20 में शतक लगाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनीं फैनी

अबुजा, एजेंसी

- नाइजीरिया इनविटेशनल के एक मुकाबले में 65 गेंदों पर खेली 111 रनों की नाबाद पारी

रवांडा की फैनी उतागुशीमानिंदे महिला टी20 डेब्यू में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज़ बनीं। उन्होंने घाना के खिलाफ नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट के एक मुकाबले में 65 गेंदों में 111 रनों की नाबाद पारी खेली।

15 साल और 223 दिन की उम्र में उतागुशीमानिंदे महिला टी20 में शतक लगाने वाली सबसे युवा बल्लेबाज भी बनीं। इससे पहले महिला टी20 डेब्यू में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की कैरेन रॉलटन के नाम था जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टांटन में 96 रनों की नाबाद पारी खेली थी। वह मैच महिला टी20 इतिहास का सिर्फ दूसरा ही अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबला था। दूसरी तरफ इससे पहले महिला टी 20I में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड यूगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था जिन्होंने 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के ख़िलाफ़ किगाली में 2019 में 116 रनों की पारी खेली थी। पुरुष क्रिकेट में अभी तक चार बल्लेबाज़ों ने टी20 डेब्यू में शतक लगाया है, लेकिन उसमें से एक भी पूर्ण सदस्य देश से नहीं हैं। कनाडा के मैथ्यू स्पूर्स ने 2022 में फ़िलीपींस के ख़िलाफ़ 108 रनों की नाबाद पारी खेली थी। पुरुष क्रिकेट में फ्रांस के गुस्ताव मैकियोन टी20 में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने यह रिकॉर्ड 18 साल और 280 दिन की उम्र में बनाया था। उतागुशीमानिंदे के शतक की मदद से रवांडा ने 210 पर 3 का बड़ा स्कोर बनाया और उनके बाद दूसरी सर्वश्रेष्ठ स्कोरर मेर्विल उवासे रहीं जिन्होंने 19 गेंदों में 32 रनों की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा 28 रन अतिरिक्त से आए जिसमें 25 वाइड थे। घाना की टीम 20 ओवर में 88 पर 8 का स्कोर ही बना सकी और उन्हें 122 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

मानव व यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब

इंदौर। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शनिवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की।

इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6 12-14 11-5 9-11 13-11 6-11 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी और सुहाना सैनी ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया।

जापान ने जीता महिला एशियाई कप

जापान की माइका हमानो के खिलाफ फुटबॉल पर नियंत्रण करने की कोशिश करतीं ऑस्ट्रेलिया की एली कारपेंटर। एजेंसी

सिडनी, एजेंसी

- मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया, माइका हमानो ने किया एकमात्र गोल

माइका हमानो के पहले हॉफ में किए गए गोल की बदौलत जापान ने शनिवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब जीत लिया।

हमानो चेल्सी से 'लोन' पर टोटेनहम के लिए खेलती हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 17वें मिनट में बाएं ओर से मिले पास पर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी 10 मिनट में बराबरी के लिए पूरा दबाव बनाया, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें लगातार रोके रखा। जापान ने 2014 और 2018 में भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर लगातार महिला एशियाई कप जीते थे। इस तरह उसने पिछले चार महाद्वीपीय टूर्नामेंटों में तीसरी बार खिताब जीता है। एशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए छह मैचों में सिर्फ एक गोल खाया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2010 के बाद से यह महाद्वीपीय चैंपियनशिप नहीं जीती है, जब सैम केर (तब 16 वर्ष की थीं) ने फाइनल में गोल किया था। एशियाई कप से छह टीमें अगले साल ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। मध्य पूर्व युद्ध से प्रभावित ईरानी टीम की भागीदारी के कारण 12 टीमों के इस टूर्नामेंट ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

मियामी ओपन

एरीना सबालेंका ने एन ली और एलेना रिबाकिना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को हराया

सबालेंका और रिबाकिना तीसरे दौर में पहुंचीं

मियामी, एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका और वर्ल्ड नंबर दो एलेना रिबाकिना ने शुक्रवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में अपने मियामी ओपन अभियान की विजयी शुरुआत की। सबालेंका ने अमेरिकन एन ली पर 7-6(5), 6-4 से दूसरे राउंड में 1 घंटे, 42 मिनट की जीत हासिल की जबकि रिबाकिना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को एक घंटे, 17 मिनट में 6-3, 6-3 से हराया।

सबालेंका ने अपनी जीत के बाद माना कि हालांकि वह अपने ओवरऑल खेल के लेवल से खुश नहीं थीं, लेकिन वह मुश्किल हालात में अपने रिस्पॉन्स से खुश थीं। शुरुआत में वह 4-1 से आगे थीं, लेकिन ली ने लगातार तीन गेम जीतकर बराबरी कर ली। जिसमें 4-4 के लिए एक होल्ड भी शामिल था जिसमें उन्होंने सात ब्रेक पॉइंट बचाए। सेट में बने रहने के लिए दो बार सर्व बचाने के बाद, ली ने बाद में टाईब्रेक के बीच में सबालेंका को लीड किया, लेकिन टॉप सीड ने आखिरी पांच में से चार पॉइंट जीतकर अपनी लीड वापस पा ली। दूसरे सेट की शुरुआत में लगातार तीन ब्रेक के बाद, सबालेंका ने ली को चौथे सेट के दो मौके देने से मना कर दिया। और बाकी रास्ते में सर्विस पर चार पॉइंट गंवाकर डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में अपना लगातार नौवां ओपनिंग मैच जीत लिया। सबालेंका का अगला मैच कैटी मैकनेली से होगा। मियामी में पहले दो पहले राउंड से बाहर होने के बाद, मैकनेली ने रेबेका मासरोवा पर शुरुआती जीत के साथ नंबर 29 सीड वांग शिन्यु को 6-4, 1-6, 6-0 से हराया। रविवार को इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में वर्ल्ड नंबर ए आर्यना सबालेंका से हारने के बाद डब्ल्यूटीए टूर पर अपना पहला मैच खेलते हुए, रायबाकिना ने शुरुआत में ही ब्रेक करके 3-1 की बढ़त बना ली। हालांकि पुतिनत्सेवा, जिन्होंने अपनी पिछली तीन मुलाकातों में से दो जीती थीं, ने 3-3 से बराबरी कर ली, लेकिन रायबाकिना ने आठवें गेम में एक और ब्रेक के साथ जवाब दिया और सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में, रायबाकिना ने सातवें और नौवें गेम में ब्रेक करके 1 घंटे, 17 मिनट में 6-3, 6-3 से जीत पक्की कर ली।

मैं वहां थी, मैं लड़ रही थी, चाहे कुछ भी हो, भले ही मेरा गेम शायद मेरा सबसे अच्छा गेम नहीं था, जहां उन्होंने वर्ल्ड नंबर 39 की भी तारीफ की। उन्होंने आगे कहा उन्होंने ज़बरदस्त टेनिस खेला। वह सुपर एग्रेसिव थीं, उनकी सर्विंग ज़बरदस्त थी, वाह। यह एक शानदार मैच था, एक शानदार लेवल था, और मैं यह बहुत मुश्किल जीत पाकर बहुत खुश हूं।
–एरीना सबालेंका

बहुत खुश हूं, सच कहूं तो यूलिया के खिलाफ मैच हमेशा मुश्किल होते हैं। मुझे खुशी है कि आज मेरी सर्व काम कर रही थी। मुझे कोर्ट के हिसाब से ढलने के लिए भी कुछ समय चाहिए था। मैंने अभी तक यहाँ हिट भी नहीं किया था। इसलिए मैं जीत से बहुत खुश हूँ।
–एलेना रिबाकिना

विंबलडन ने छह कोर्ट पर वीडियो रिव्यू की सुविधा शुरू की

लंदन। ऑल इंग्लैंड क्लब ने शनिवार को घोषणा की कि विंबलडन इस साल के टूर्नामेंट में पहली बार वीडियो समीक्षा (रिव्यू) तकनीक का इस्तेमाल करेगा।

सबसे पुराने ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट में यह तकनीक सेंटर कोर्ट, नंबर एक कोर्ट (क्लब का दूसरा सबसे बड़ा कोर्ट) और चार अन्य कोर्ट पर उपलब्ध होगी। खिलाड़ियों को चेयर अंपायर द्वारा दिए गए कुछ खास फैसलों जैसे ''डबल बाउंस'' का रिव्यू करने की अनुमति होगी। वीडियो रिव्यू ने 2023 अमेरिकी ओपन में ग्रैंड स्लैम टेनिस में अपनी शुरुआत की थी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन भी इस तकनीक का इस्तेमाल करता है।

कर्स्टन ने छोटे कोचिंग समय के लिए पीसीबी के दखल को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने टीम के साथ अपने छोटे समय के बारे में बात की है, और बताया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बहुत ज़्यादा दखल ने उनके समय से पहले जाने में अहम भूमिका निभाई। कर्स्टन, जिन्हें अप्रैल 2024 में दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर अपॉइंट किया गया था, ने सिर्फ़ छह महीने बाद पाकिस्तान की वनडे और टी 20 टीमों के हेड कोच का पद छोड़ दिया, टीम के ऑस्ट्रेलिया के तय वनडे दौरे से कुछ ही दिन पहले।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ओपनर ने कहा कि टीम के मामलों में बाहरी दखल का लेवल ऐसा था जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को बताया, "जिस चीज़ ने मुझे सबसे ज़्यादा हैरान किया, वह थी दखल का लेवल। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस लेवल पर देखा है। क्या इससे मुझे हैरानी हुई? मुझे नहीं पता, लेकिन यह काफ़ी था।

उनके इस्तीफे के बाद, पीसीबी ने टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए व्हाइट-बॉल टीम का अंतरिम कोच बनाया, जिसमें छह लिमिटेड-ओवर मैच थे। हालांकि, कुछ महीने बाद गिलेस्पी ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कर्स्टन ने बताया कि लगातार बाहरी दबाव की वजह से खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक स्थिर माहौल बनाना मुश्किल हो गया।

उन्होंने कहा जब बाहर से लगातार शोर हो रहा हो, तो कोच के लिए आकर खिलाड़ियों के साथ काम करने का तरीका बनाना काफी मुश्किल होता है। यह मुश्किल था, बाहर से लगातार शोर और खराब परफॉर्मेंस और इस तरह की चीजों के लिए बहुत सारी सज़ा देने वाली कार्रवाई।

अमृत विचार
रविवार, 22 मार्च 2026
www.amritvichar.com

लोक दर्पण

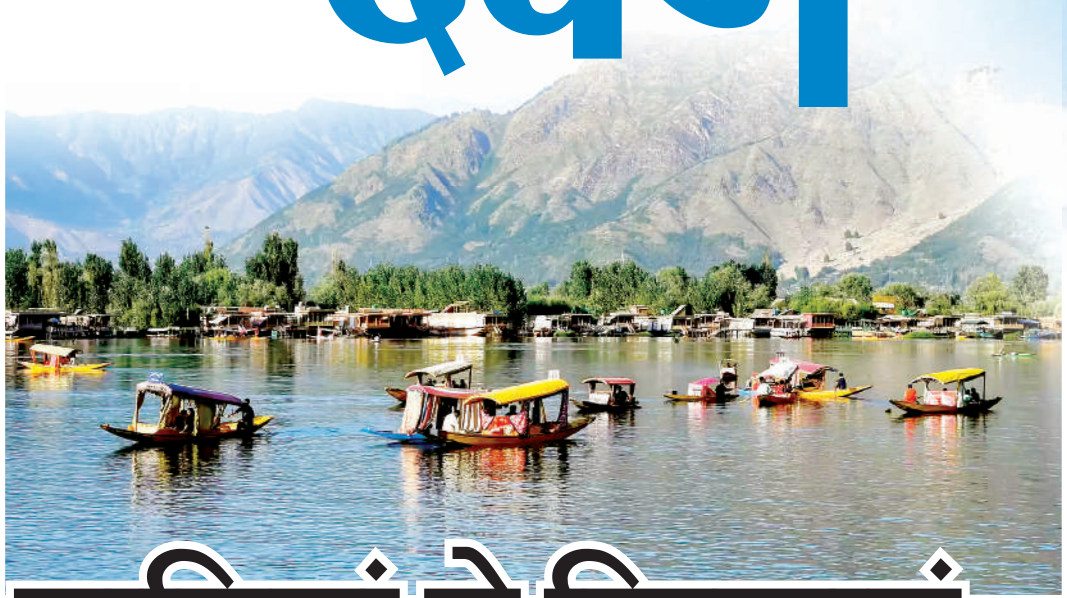

वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें...

"गर फिरदौस बर-रु-ए-जमीं अस्त, हमीं अस्त ओ हमीं अस्त ओ हमीं अस्त।" अर्थात् यदि धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है। नामचीन शायर अमीर खूसरो द्वारा लिखा उक्त शेर कश्मीर की खूबसूरती को खुले दिल से बयां करने को काफी है। यहां के बारे में यह भी कहा जाता कि "पड़ता है आसमान का साया जमीन पर।" यूं तो समूचा कश्मीर ही नयनाभिराम, लेकिन लिद्दर पहाड़ियों की गोद में बसे पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज घाटी तथा डल झील में नौका विहार की तो बात ही निराली है। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद कश्मीर संभाग के दस जिलों में आधारभूत संरचनाओं को और मजबूती मिली है। स्मार्ट सिटी सिस्टम, कुटीर व क्राफ्ट उद्योग, फ्लोरीकल्चर, हार्टिकल्चर ने यहां गति पकड़ ली है। बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और बेहतर जीवन स्तर को वहां बल मिला है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सौजन्य से पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत गत दिनों अमृत विचार को भी कश्मीर में सरकार की योजनाओं को जानने का अवसर मिला।

पेश है विशेष रिपोर्ट...

अनिल त्रिगुणायत
वरिष्ठ पत्रकार

बर्फ से ढंकी वादियों, झीलों, ऊंची चोटियों से गिरते चश्मों- झरनों, कल-कल निनाद करते दरियों, चिनार के रंग-बिरंगे पत्तों, देवदार, विलो, अखरोट के वृक्षों अलावा पोपलर, फर और चीड़ के पत्तों के मखमली स्वरूपों, हरे-भरे घास के मैदानों, पहाड़ों की सर्पीली सड़कों, हाउसबोट्स में बैठने तथा शिकारों में रहकर कुदरत को महसूस करना हो, तो धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर जरूर जाएं। केसर की खेती, अखरोट, बादाम व सेब के बागानों की जब बात होती है, तब हमारा ध्यान कश्मीर की ओर बरबस खींचा चला आता है। यकीन मानें, कश्मीर आज भी उतना ही खूबसूरत है, जितना कभी पहले था। सच में यह धरती का स्वर्ग ही है। अप्रैल-मई के अंत तक बर्फ देखनी हो तो कश्मीर। झीलों के पानी पर तैरते हाउसबोट्स व शिकारों में बैठ मनमोहिनी रात में चांद को निहारना है, तो भी कश्मीर। भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने कश्मीर को कुदरत ने भरपूर नवाजा है। बर्फ से लकदक पहाड़ों से होने वाला जल प्रवाह जब मैदानों में दरिया का रूप अख्तियार करता है, तो उनका लय-छंद इंसान के रोम-रोम को झंकृत कर देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-370 की समाप्ति तथा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश बन जाना बदलाव की कहानी बयां कर रहा है। वर्ष 1989 के मध्य में शुरू हुए पाक प्रायोजित आतंकवाद ने कश्मीर को थोड़ा असहज जरूर किया, लेकिन बमों के धमाके व गोलियों की तड़तड़ाहट यहां आने वाले सैलानियों के कदम कभी नहीं रोक पाई। कश्मीर में मनोरम व रमणीय स्थलों की सूची थोड़ी लंबी है। यहां कई स्थान हैं, जिनका चक्कर लगाए बगैर मन नहीं मानेगा। विश्व के प्रसिद्ध हिल-स्टेशनों में से एक गुलमर्ग और सोनमर्ग की तो बात ही निराली। गुरेज वैली की वादियों में बिताए पल स्वर्ग में रहने की अनुभूति कराते हैं। यहां के पर्वतों की हिमाच्छादित चोटियां नयनाभिराम। इन पर जब सूरज की रोशनी पड़ती है, तो लगता है जैसे धरा पर स्वर्ण आभाएं अवतरित हो चली हों। गुलमर्ग में गंडोला के कारण आने वाले पर्यटक भारत-पाक नियंत्रण रेखा के करीब तक जा सकते हैं। कश्मीर के अन्य भागों में बर्फ से लदी पहाड़ियां, फूलों से गुलजार बाग-बगीचे, मनमोहक ट्यूलिप गार्डन, हरी-भरी वादियां, झीलें और झरने बहुतायत में मिल जाएंगे।

श्रीनगर से मात्र 96 किमी दूर करीब 7200 फीट ऊंची लिद्दर घाटी के बीचों-बीच बसे पहलगाम को कुदरत ने खूबसूरती से भरपूर नवाजा है। हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखला इतनी मनोहारी की सैलानी मंत्रमुग्ध होकर उसे निहारने को बेबस हो जाता है। चारों ओर मखमली घास और लिद्दर नदी का कलकल निनाद पहलगाम की शोभा में चार चांद लगा देता है। यहां आइस स्कीइंग, स्केटिंग, पैराग्लाइडिंग भी की जाती है। पहलगाम से सटा अनंतनाग जिला कश्मीर के हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। इसे कश्मीर के इतिहास व संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। जहां गब्बों, नमदों, पेपरमाशी के कार्य करने वालों की लाइनें तो लगी ही होती हैं, पहलगाम की बेताब घाटी तो बेहद मनोहारी। तारसर, मार्सर व तुलियान झील जैसे खूबसूरत पर्यटक स्थल इसके आसपास ही बसे हैं। चीड़ व देवदार के वृक्षों के बीच बसा पहलगाम अपने में सारे जहां के सौंदर्य को समेटे हुए है। पहलगाम में गत वर्ष 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों के मनसूबे को धता बताने वाले यहां पर्यटकों की भीड़ फिर से लौट आई है। यहां के बाजार, होटल और सड़कें गुलजार नजर आ रही हैं। देशभर से आए सैलानी घाटी की खूबसूरती, मौसम और स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी का आनंद ले रहे हैं, जिससे पर्यटन कारोबार को नई उम्मीद मिली है। 'चरवाहों की घाटी' (पहलगाम) में पुनः रौनक-ए-बहार है।

पर्यटकों का जमावड़ा

पहलगाम में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

दस जिलों वाले कश्मीर संभाग में पर्यटकों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसमें डल झील, निगीन झील, हाउसबोट व शिकारा सफारी देखना हो, तो श्रीनगर जाएं। एशिया की सबसे मीठे पानी की झील वुलर व प्रसिद्ध गुरेज घाटी देखना हो तो बांदीपोर जिले में अवश्य जाएं। मौसम के अनुसार वुलर झील के आकार में बहुत विस्तार-संकुचन होता रहता है। इसका अकार 30 वर्ग किमी. से 260 वर्ग किमी. के बीच बदलता है। प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात लोलाब घाटी कुपवाड़ा जिले, जबकि झेलम नदी के किनारे स्थित बारामूला जिला स्कीइंग डेस्टिनेशन (गुलमर्ग) के लिए प्रसिद्ध है। श्रीनगर से सटे जिले बडगाम जिले में प्रसिद्ध चरार-ए-शरीफ दरगाह स्थित है। बेहद शांत स्थान के रूप में प्रख्यात यूसमर्ग भी यहीं है। 'कश्मीर का आनंद' कहे जाने वाले पुलवामा जिले में शुद्ध दूध उत्पादन और केसर की खेती बहुतायत में होती है। इसकी मुख्य खेती पंपोर क्षेत्र में होती है। पंपोर को 'केसर शहर' भी कहा जाता है। इसके अलावा किश्तवाड़ और आसपास के करेवा (ऊंची भूमि) क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाला केसर उगाया जाता है। 'सेब नगरी' के नाम से मशहूर शोपिया जिला 60 प्रतिशत से अधिक आबादी के लिए रोजगार का केंद्र है। कुलगाम में धान की खेती की जाती है, इस जिले को 'कश्मीर का चावल का कटोरा' भी कहा जाता है।

ट्यूलिप गार्डन : बस रह जाएंगे निहारते

श्रीनगर स्थित इंदिरा गांधी स्मारक ट्यूलिप गार्डन एशिया में सबसे बड़ा है। डल झील के किनारे तथा जबरवन पहाड़ियों की गोद में बसे इस बाग में इस वर्ष 70-75 किस्मों के 18 लाख से ज्यादा ट्यूलिप खिले हैं। गत वर्ष 8.55 लाख से भी अधिक सैलानी इस बाग को देखने यहां आए थे। संभावना है कि इस वर्ष यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। वर्ष 2007 में अपनी स्थापना के बाद से यह बाग विश्व प्रसिद्ध हो चला है। उद्यान प्रभारी जाविद मसूद ने बताया कि मनमोहक ट्यूलिप के अलावा, 55 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले ट्यूलिप गार्डन में डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन फूल भी खिले हैं।

गुरेज वैली : इसके बिना कश्मीर की यात्रा अधूरी

श्रीनगर से लगभग 123 किमी की दूरी पर स्थित गुरेज वैली वर्ष के छह माह तक हिमाच्छादित ही रहती है। इस घाटी से किशनगंगा नदी बहती है, जो आगे चलकर पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद में झेलम नदी में मिल जाती है। इस घाटी के लोग मूलत: कश्मीरी नहीं हैं। यहां के निवासी दर्द शिन आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। करीब 60 साल तक इस जगह पर बाहर के लोगों को आने की मनाही थी। वर्ष 2007 में ये जगह पर्यटकों के लिए खोल दी गई।

रेशम उत्पादन : गांदरबल का रेशम सीड फार्म

रेशम उत्पादन कश्मीर के प्राचीन व्यवसायों में से एक है। यह उद्योग रेशम कीट पालन के माध्यम से लगभग 30 हजार परिवारों को अंशकालिक रोजगार प्रदान करता है। रेशम की चार किस्में अर्थात शहतूत, एरी, मूगा और तसर हैं। शहतूत का रेशम देश के रेशम उत्पादन में 87 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। गांदरबल जिले के मनसबल स्थित रेशम सीड फार्म हाउस में सेरी टूरिज्म प्रोजेक्ट कई एकड़ क्षेत्र में फैला है। इस फार्म हाउस में भारत के अलावा जापान, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश में उगने वाले मलबरी पौधे लगाए गए हैं। फार्म के विज्ञानी डॉ. राजेश ने बताया कि मलबरी की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों से किण्वन कराने की यहां पद्धति है। इस कार्य में कई लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। यहां रेशम म्यूजियम भी है, जहां रेशम की कई किस्में रखी हुई हैं, केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से संचालित हैं।

कश्मीर: पश्मीना शाल के क्या कहने..

श्रीनगर-गुलमर्ग मार्ग के समीप स्थित कश्मीर हस्तकरघा सेंटर पर लेडीज सूट को हाथ से बुनतीं महिलाएं।

पश्मीना शॉल बुनने में काफी समय लगता है और यह काम के प्रकार पर निर्भर करता है। एक शॉल को पूरा करने में आमतौर पर लगभग 72 घंटे या उससे अधिक समय लगता है। पश्मीना शॉल की बुनाई में उपयोग किया जाने वाला ऊन लद्दाख में पाए जाने वाले पालतू चांगथांगी बकरियों से प्राप्त किया जाता है। एक पश्मीना शॉल की न्यूनतम कीमत चार हजार, जबकि अधिकतम कीमत करीब दस लाख रुपये तक होती है। कुछ पश्मीना शॉल तो ऐसे भी होती हैं कि उन्हें बुनने में कारीगर को एक से डेढ़ वर्ष तक लग जाते हैं। कश्मीरी रेशम, बसोहली चित्रकला, विलो की टोकरियां और मिट्टी के बर्तन इस क्षेत्र की कुछ अन्य शिल्पकलाओं के उदाहरण हैं। कश्मीर में बुना जाने वाला ट्वीड कपड़ा विश्व प्रसिद्ध है। इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कपड़ों में से एक माना जाता है। कश्मीरी कढ़ाई भारत और अन्य देशों में भी मशहूर है। स्थानीय रूप से कसीदा के नाम से जानी जाने वाली इस कढ़ाई में इस्तेमाल किए जाने वाले डिजाइन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित हैं। कश्मीरी कारीगर, जो अपनी जटिल काष्ठ कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। हाथ से बुनी गई अनूठी कश्मीरी कालीनों में डिजाइन निर्देशों के लिए तालीम नामक कोडित लिपि का उपयोग किया जाता है। कश्मीरी पुरुषों और महिलाओं की पारंपरिक पोशाक को फेरन कहा जाता है। फेरन ऊन से बना एक लंबा, ढीला गाउन होता है।

विकास की राह पर कश्मीर

कश्मीर अब शांति, सुरक्षा व विकास के पथ पर गतिमान हो चला है। बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, पर्यटन में रिकार्ड वृद्धि, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम कश्मीर को सशक्कत कर रहा है। यहां दैनिक हड़तालें, पत्थरबाजी और बाजारबंदी अब अतीत की बातें रह गई हैं। परोक्ष नागरिक हानि (कोलेटरल डैमेज) न के बराबर हो गई है, आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लग चुका है। पुख्ता सुरक्षा तथा बेहतर कानून व्यवस्था की वजह से वर्ष 2025 में कुल 1.77 करोड़ सैलानी कश्मीर (मिनी स्विट्जरलैंड) आए, जिनमें करीब 36 हजार विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। सुरक्षा स्थिति में सुधार के लिए जम्मू-कश्मीर में अनाधिकारिक रूप से करीब तीन लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इसमें सेना तथा पैरामिलिट्री फोर्स आतंक विरोधी घटनाओं से निपटने को तत्पर हैं। गरीबी, स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और बुनियादी ढांचों में भी यहां सुधार हो रहा है।

बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को मिल रही रफ्तार

कश्मीर महिला सशक्तिकरण की ओर भी बढ़ चला है। यहां लैंगिक भेदभाव गुजरे जमाने की बात रह गई है। पर्यटन उद्योग कश्मीर का आर्थिक मेरुदंड है। सर्दियों में कश्मीर से करीब छह माह तक संपर्क कटे रहने वाले लद्दाख तक पहुंच के लिए जोजिला सुरंग यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाएगा, पर्यटन को इससे उड़ान मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-444 का ब्राजलू ब्रिज इसी माह निर्मित हो जाएगा। इससे दक्षिणी कश्मीर के कई जिले विशेषकर कुलगाम की श्रीनगर व एनएच-44 कनेक्टिविटी में सुधार हो जाएगा। पीर की गली टनल बनाने को टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसका निर्माण पुंछ व शोपियां के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी देगी। साधना टनल दूर के सीमावर्ती जिलों सहित करनाह इलाके को स्थिर व सुरक्षित कनेक्टिविटी देगी। यह टनल खतरनाक साधना दर्रे की जगह लेगी। कुपवाड़ा में त्रेहगाम-छमकोट रोड प्रोजेक्ट उत्तरी कश्मीर के गावों के बीच बेहतर संपर्क बनाएगी। निर्माणाधीन श्रीनगर रिंग रोड जम्मू, बारामूला, गांदरबल और पुलवामा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच सुगम संपर्क स्थापित करेगी। वर्ष 2018 में 1500-1600 किमी के मुकाबले कश्मीर में सड़क निर्माण आज करीब 3200 किमी हो गया है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक कश्मीर को देश के अन्य भागों से जोड़ने को तत्पर है। चेनाब नदी पर बना चिनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा (359 मीटर) रेलवे पुल है। यह पुल कश्मीर को शेष भारत से जोड़ता है। कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 191 किमी की दूरी को महज दो घंटे 58 मिनट में पूरी कर लेती है। श्रीनगर में भारतीय वायु सेना के स्वामित्व वाले शेख उल-आलम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से देश के अन्य स्थानों के लिए विमान सेवाएं हैं। शहरी सुधार के लिए स्मार्ट सिटी मिशन व गतिशील रेल परियोजनाओं के अलावा फिल्म, खाद्य-प्रसंस्करण व बागवानी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रीनगर में लालचौक-पारिंपरा फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। अवंतीपोरा में निर्माणाधीन एम्स अस्पताल घाटी के स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूती को तैयार है।

स्थान जो अपनी ओर बरबस खींचते

- **अच्छाबल :** श्रीनगर से 58 किमी दूर तथा 1677 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान कभी नूरजहां के पर्यटनस्थल के रूप में जाना जाता था। जहां मुगल उद्यान भी हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।
- **मट्टन :** पहलगाम मार्ग पर स्थित इस स्थान पर हिंदुओं की आस्था का केंद्र प्राचीन शिव मंदिर है। यहां के झरने भी सैलानियों को आकर्षत करते हैं।
- **गुलमर्ग :** बारामूला जिले में स्थित यह स्थान फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर है। समुद्र तल से 2730 मीटर की ऊंचाई पर बसा गुलमर्ग सैलानियों के लिए किसी तीर्थ स्थान से कम नहीं। देश के शीतकालीन खेलों का यह बड़ा केंद्र भी है। बर्फ से ढकीं यहां की पर्वत चोटियां सैलानियों को बुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।
- **सोनमर्ग :** यह मनोरम स्थल श्रीनगर से लेह की ओर जाने वाले मार्ग में पड़ता है। हिमाच्छादित पर्वतों पर सूरज की किरणें जब पड़ती हैं, तो यहां का दृश्य मन को लुभाने वाला और अविस्मरणीय हो जाता है।
- **जामिया मस्जिद :** इस मस्जिद का निर्माण सुलतान सिकंदर ने 1400 ईसवी में करवाया था और बाद में उनके बेटे जेन-उल -अबीदीन ने इसके क्षेत्रफल को और बढ़ाया था।
- **परी महल :** यह महल कभी बौद्ध मठ था। मुगल बादशाह शाहजहां के बेटे दाराशिकोह ने इसे ज्योतिष के एक स्कूल के रूप में बदल दिया था।
- **डल झील :** श्रीनगर के बीच में स्थित डल झील में नौकाविहार के आनंद के क्या कहने। करीब 12 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले इस झील में अनेक टापू भी हैं, जो सैलानियों को लुभाते हैं। इस झील में स्थित शिकारों में रहने का अलौकिक अनुभव मिलता है। डल झील को 'कश्मीर का ताज' व 'श्रीनगर का गहना' भी कहा जाता है। यह झील तैरते हुए बाजारों के लिए भी मशहूर है।
- **शंकराचार्य मंदिर :** श्रीनगर स्थित यह मंदिर जमीन से करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर स्थित है, उसे तख्त-ए-सुलेमान के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण महाराजा अशोक के बेटे जलुका ने 200 ईसा पूर्व में करवाया था। इस मंदिर से पूरी पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला और श्रीनगर का प्रत्येक भाग देखा जा सकता है।
- **हजरतबल दरगाह :** यह दरगाह डल झील के पश्चिमी किनारे पर निशात बाग के बिल्कुल सामने है। एक ओर झील तथा दूसरी ओर पर्वत श्रृंखला होने के कारण इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। हजरत मुहम्मद साहब की निशानी के रूप में उनका एक पवित्र बाल इसमें रखा गया है।

वसंत ऋतु में वजन घटाना
आयुर्वेद, पंचकर्म और योग के साथ

वसंत ऋतु प्रकृति में नवजीवन का संदेश लेकर आती है। इस समय वातावरण सुहावना होता है और चारों ओर हरियाली दिखाई देती है, लेकिन शरीर के अंदर भी महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। शीत ऋतु में जमा हुआ कफ दोष इस मौसम में पिघलकर सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर में भारीपन, आलस्य और सुस्ती महसूस हो सकती है। यही वह समय है, जब शरीर प्राकृतिक रूप से खुद को शुद्ध करने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार और दिनचर्या अपनाई जाए, तो यह ऋतु स्वास्थ्य सुधारने और वजन घटाने का सबसे अच्छा अवसर बन जाती है।

सर्दियों में भारी, तैलीय और मीठा भोजन अधिक लेने से शरीर में चर्बी और कफ बढ़ जाता है। वसंत ऋतु के आगमन पर तापमान बढ़ने से यह कफ पिघलने लगता है और शरीर में गतिशील हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यही स्थिति वजन घटाने के लिए अनुकूल होती है, क्योंकि इस समय शरीर जमा हुई वसा को कम करने के लिए तैयार रहता है। यदि इस समय व्यक्ति हल्का, सुपाच्य और कफ को कम करने वाला आहार लेता है तथा नियमित व्यायाम करता है, तो वजन कम करना आसान हो जाता है। इसलिए वसंत ऋतु को प्राकृतिक रूप से वजन घटाने का सर्वोत्तम समय माना गया है।

दिनचर्या और जीवनशैली का महत्व

वसंत ऋतु में सही दिनचर्या अपनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना सही आहार लेना। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, दिन में न सोना और रात का भोजन हल्का व समय पर लेना वजन घटाने में सहायक होता है। देर रात खाना खाने और निष्क्रिय जीवनशैली से कफ बढ़ता है, जिससे मोटापा बढ़ सकता है। इसलिए संतुलित जीवनशैली अपनाकर ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

आहार की भूमिका

वजन घटाने में आहार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस ऋतु में पाचन शक्ति थोड़ी कमजोर होती है, इसलिए हल्का और सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया, जौ की रोटी और सत्तू जैसे आहार शरीर को ऊर्जा देते हैं, लेकिन चर्बी नहीं बढ़ाते। साथ ही कड़वे और कसैले स्वाद वाले पदार्थ जैसे करेला, मेथी और हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर को शुद्ध करती हैं और कफ को कम करती हैं। सुबह गुनगुने पानी में शहद और नींबू का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। इसके विपरीत तले, मीठे और ठंडे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये कफ और मोटापा दोनों बढ़ाते हैं।

शहद और हर्बल पेयों का महत्व

वसंत ऋतु में शहद का सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसे 'लेखन' गुण वाला बताया गया है, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से शरीर डिटॉक्स होता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, ध्यान रहे कि शहद को कभी भी ज्यादा गर्म पानी में नहीं पीना है। इसके साथ ही जीरा, धनिया और सौंफ का पानी, अदरक और तुलसी की चाय जैसे हर्बल पेय शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं और वजन घटाने में सहायक होते हैं।

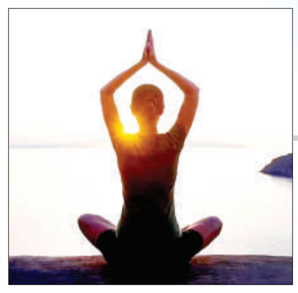

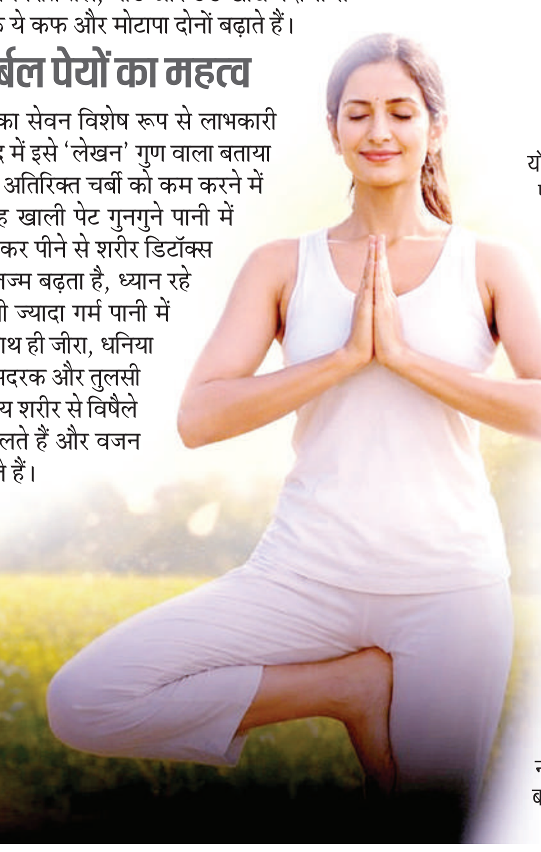

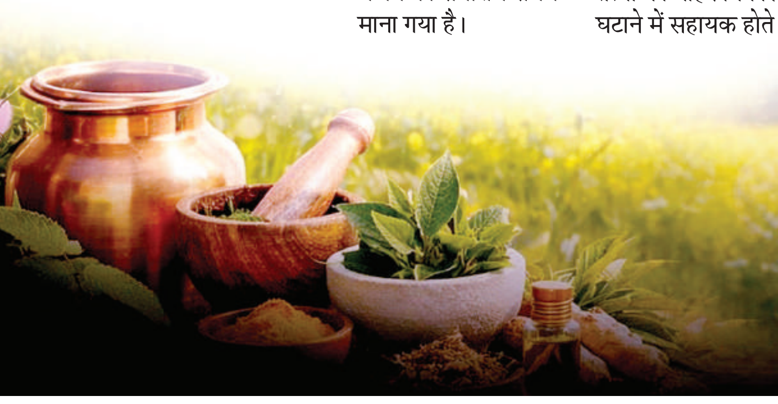

योग का महत्व प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय

योग वसंत ऋतु में वजन घटाने का एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर का व्यायाम है, जो कैलोरी बर्न करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। कपालभाति प्राणायाम पेट की चर्बी कम करने और पाचन को सुधारने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम तनाव को कम कर शरीर को संतुलित रखता है। इसके अलावा भुजंगासन, पवनमुक्तासन और त्रिकोणासन जैसे योगासन पेट और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित योग करने से न केवल वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी बनी रहती है।

पंचकर्म की भूमिकाः गहराई से शरीर की सफाई

वसंत ऋतु में पंचकर्म उपचार विशेष रूप से प्रभावी होता है, क्योंकि इस समय कफ दोष को शरीर से निकालना आसान होता है, हेमंत में संचित कफ दोष वसंत में सूर्य की तेज होती किरणों से स्वतः पिघलने लगता है जिसे 'वासंतिक वमन कर्म' द्वारा आसानी से निकाला जा सकता है। पंचकर्म की प्रमुख प्रक्रियाओं में वमन, विरेचन, स्वेदन और उद्वर्तन शामिल हैं। वमन चिकित्सा के द्वारा शरीर से अतिरिक्त कफ बाहर निकाला जाता है, जो मोटापा और एलर्जी में लाभकारी है। उद्वर्तन में हर्बल चूर्ण से मसाज की जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है और त्वचा टोन होती है। स्वेदन (भाप) शरीर के रोमछिद्रों को खोलकर विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, जबकि विरेचन पाचन तंत्र को साफ कर शरीर को हल्का बनाता है। इन प्रक्रियाओं से शरीर अंदर से शुद्ध होता है और वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

प्राकृतिक डिटॉक्स और फिटनेस का समय

वसंत ऋतु को शरीर के लिए प्राकृतिक डिटॉक्स का समय कहा जाता है। इस मौसम में शरीर स्वयं ही विषैले तत्वों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार, पंचकर्म और योग को मिलाकर अपनाया जाए, तो शरीर अंदर से पूरी तरह साफ हो जाता है और वजन स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। यह एक ऐसा समय है, जब बिना कठोर डाइटिंग के भी अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। वसंत ऋतु वजन घटाने के लिए एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। इस समय शरीर में जमा कफ पिघलता है, जिससे चर्बी कम करना आसान हो जाता है। यदि इस मौसम में आयुर्वेद के अनुसार आहार लिया जाए, पंचकर्म के द्वारा शरीर की गहराई से सफाई की जाए और नियमित योग को दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो न केवल वजन कम किया जा सकता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसलिए वसंत ऋतु को केवल मौसम परिवर्तन न मानकर, अपने शरीर को स्वस्थ, हल्का और ऊर्जावान बनाने का सर्वोत्तम समय समझना चाहिए।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक संस्थान है, जहां पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पंचकर्म चिकित्सा (वमन, विरेचन, स्वेदन आदि), योग एवं प्राणायाम केंद्र, पथ्य (डाइट) परामर्श, तंबाकू/नशा मुक्ति केंद्र एवं आयुर्वेदिक आहार योजना, ओपीडी एवं आईपीडी सेवा को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रदान किया जाता है।

यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में रोगियों को व्यक्तिगत प्रकृति (प्रकृति-आधारित) के अनुसार उपचार और आहार सलाह दी जाती है, जिससे वजन घटाने और संपूर्ण स्वास्थ्य सुधार में विशेष लाभ मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश- +91 8077808309

एआई से पूछकर न करें इलाज चिकित्सकीय सलाह बेहद जरूरी

इंदु सिंह
लेखिका

वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ता जा रहा है। जानकारी प्राप्त करना हो, किसी विषय पर राय लेनी हो या फिर व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान ढूंढना हो- लोग अब पहले की अपेक्षा अधिक एआई पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति को एक ऐसा 'सलाहकार' मिल गया है, जो हर समय उपलब्ध है और हर प्रश्न का उत्तर देने को तैयार रहता है।

एआई के लाभ और उपयोगिता

निस्संदेह, एआई का उपयोग कई मामलों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। विशेषकर ज्ञानवर्धन, जिज्ञासा शांत करने, सामान्य जानकारी प्राप्त करने या किसी समस्या के संभावित समाधान समझने में यह एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज के दौर में जब परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है और लोग अपने विचार खुलकर साझा नहीं कर पाते, तब एआई एक ऐसा माध्यम बनकर उभरा है, जहां व्यक्ति बिना झिझक अपनी बात कह सकता है।

स्वयं इलाज के खतरे

यहीं से एक गंभीर खतरे की शुरुआत होती है। किसी भी बीमारी का सही निदान केवल लक्षणों के आधार पर नहीं किया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकीय जांच, अनुभव और व्यक्ति विशेष की शारीरिक स्थिति को समझना आवश्यक होता है। एआई सामान्य जानकारी दे सकता है, लेकिन वह आपके शरीर की वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं कर सकता।

एआई बनाम विशेषज्ञ

एआई, गूगल या यूट्यूब जैसे माध्यम हमें सामान्य जानकारी प्रदान करते हैं, जो पहले से उपलब्ध ज्ञान पर आधारित होती है। ये हमें दिशा दिखा सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय या उपचार का विकल्प नहीं हो सकते। इसके विपरीत, एक प्रशिक्षित चिकित्सक न केवल आपकी समस्या को गहराई से समझते हैं, बल्कि आपकी स्थिति के अनुसार उचित जांच, दवा और परामर्श भी प्रदान करता है।

युवाओं के लिए नया साथी

विशेषकर अकेले रहने वाले बच्चे, किशोर और युवा, जिनके मन में अनेक प्रश्न और उलझनें होती हैं, लेकिन उन्हें सुनने वाला कोई नहीं होता, वे एआई की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनके लिए यह एक ऐसा साथी बन गया है, जो बिना टोकाटाकी के उनकी बात सुनता है और तुरंत प्रतिक्रिया भी देता है। आज की स्मार्ट पीढ़ी एआई को केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और कभी-कभी भावनात्मक सहारा मानने लगी है।

जब एआई को डॉक्टर समझ लिया जाता है

अब तक एआई का उपयोग जानकारी और संवाद तक सीमित रहता, तो स्थिति संतुलित कही जा सकती थी, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब लोग इसे विशेषज्ञों का विकल्प मानने लगते हैं। आजकल कई लोग एआई को केवल सलाहकार नहीं, बल्कि डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक तक समझने लगे हैं। वे अपने स्वास्थ्य संबंधी लक्षण बताते हैं और फिर उसके आधार पर दवाइयों के नाम पूछकर स्वयं ही उपचार करने लगते हैं।

उदाहरण और बढ़ती समस्या

हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने इंटरनेट या एआई की सलाह पर दवाइयां लीं और उनकी स्थिति और बिगड़ गई। कुछ चिकित्सकों ने भी यह चिंता जताई है कि मरीज बिना परामर्श के दवाइयां लेने लगे हैं, जिससे जटिलताएं बढ़ रही हैं। यहां तक कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर भी बिना चिकित्सकीय पर्चे के, केवल समस्या सुनकर या ऑनलाइन जानकारी देखकर दवाइयां दे दी जाती हैं, जो अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति है।

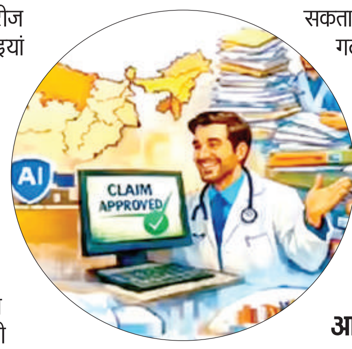

हर व्यक्ति के लिए अलग उपचार

यह समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति की शारीरिक संरचना, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बीमारी की प्रकृति अलग होती है। एक ही दवा हर व्यक्ति पर समान प्रभाव नहीं डालती। गलत दवा लेने से एलर्जी, साइड इफेक्ट्स या गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई बार छोटी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारण बन जाती है।

विज्ञानः वरदान या अभिशाप

विज्ञान को सदैव दो धार वाली तलवार कहा गया है। यह वरदान भी है और अभिशाप भी। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है, लेकिन यदि इसका गलत उपयोग किया जाए, तो यह नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। एआई भी इसी श्रेणी में आता है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली और उपयोगी साधन है, लेकिन इसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

सही उपयोग की आवश्यकता

इसलिए आवश्यक है कि हम एआई का उपयोग सीमित और समझदारी से करें। इसे ज्ञान प्राप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और सामान्य मार्गदर्शन के लिए उपयोग करें, लेकिन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों में इसे अंतिम निर्णयकर्ता न बनाएं। किसी भी प्रकार की बीमारी, मानसिक तनाव या शारीरिक असुविधा होने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना ही सर्वोत्तम और सुरक्षित विकल्प है।

जागरूकता ही सुरक्षा

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाए रखें। सुविधा के चक्कर में अपने स्वास्थ्य के साथ जोखिम न लें। याद रखें एआई आपकी मदद कर सकता है, लेकिन आपका इलाज नहीं कर सकता। सही समय पर सही चिकित्सक तक पहुंचना ही सच्ची समझदारी और स्वस्थ जीवन की पहचान है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष – इस सप्ताह अपनी सेहत, संबंध और कामकाज को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आप अपने कार्यालय में सावधान होकर कार्य करें। अपने काम को पूरे मनोयोग के साथ करें अन्यथा आपको बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

वृष – इस सप्ताह आपको अपने कामकाज के सिलसिले अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपकी चिंता का कारण बनेंगे। इस दौरान स्वजनों से अपेक्षाकृत सहयोग और समर्थन न मिल पाने आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

मिथुन – इस सप्ताह अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करते हुए हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

कर्क – इस सप्ताह आपको किसी भी व्यक्ति अथवा कार्य आदि को लेकर नकारात्मक धारणा बनाने से बचना चाहिए। समस्याएं घर-परिवार से जुड़ी हों अथवा करियर-कारोबार से, आपको उनसे भागने की बजाय डटकर मुकाबला करना होगा। नौकरीपेशा लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह – यह सप्ताह करियर-कारोबार के लिए शुभता और लाभ लिए हुए है, लेकिन संबंधों की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्रा अत्यंत ही शुभ एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे और रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत हैं, तो सप्ताह के अंत तक आपको इससे जुड़ी शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है।

कन्या – इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी भी कार्य को सावधानी के साथ करें तथा जल्दबाजी से बचें। विशेष तौर पर वाहन सावधानी से चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बनी रहेगी।

तुला – इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। यदि आप बीते कुछ समय से संतान से जुड़ी किसी समस्या को लेकर जूझ रहे थे, तो उसका समाधान निकल आएगा। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य विशेष की मदद से पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद दूर होंगे।

वृश्चिक – इस सप्ताह करियर आदि में किसी भी प्रकार का शार्टकट लेने अथवा नियम कानून का उल्लंघन करने से बचें अन्यथा लाभ की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। लोगों के साथ वाद-विवाद करने से बचना चाहिए। परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत आपकी चिंता का कारण बनेगी।

धनु – यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। किसी प्रभावी व्यक्ति से मेल-मुलाकात होने की संभावना बनेगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे हैं, तो आपको करियर-कारोबार से जुड़ बड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्ता-सरकार से जुड़े कार्य किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरे होंगे।

मकर – इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इसी से आपकी बात बन और बिगड़ सकती है। आपका मन किसी अनजान चिंता को लेकर ग्रसित रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको बेवजह की चीजों में उलझाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ – यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। किसी व्यक्ति विशेष से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं पालने की बजाय अपने कार्य को अपने दम पर करने का प्रयास करें अन्यथा समय पर समर्थन और सहयोग न मिल पाने पर मानसिक कष्ट मिल सकता है। सप्ताह के अंत में अपने क्रोध और वाणी नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी।

मीन – इस सप्ताह अचानक से घर और कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों का पहाड़ गिर सकता है। जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने होंगे। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो काम के बोझ से परेशान होने की बजाय धैर्यपूर्वक चीजों को एक-एक करके निपटाएं तथा अपने सहयोगियों से मदद मांगने में किसी प्रकार का संकोच न करें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 51

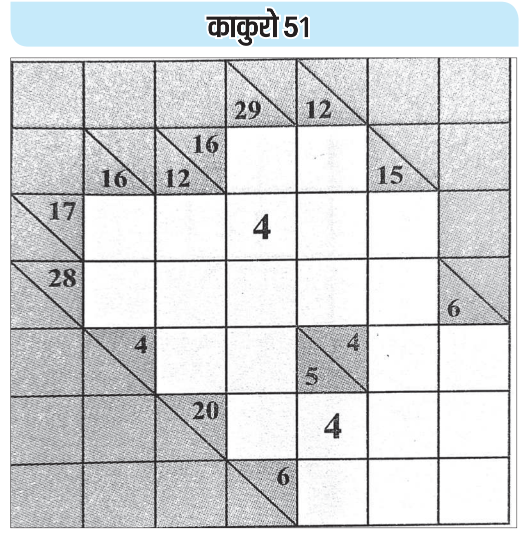

काकुरो 50 का हल

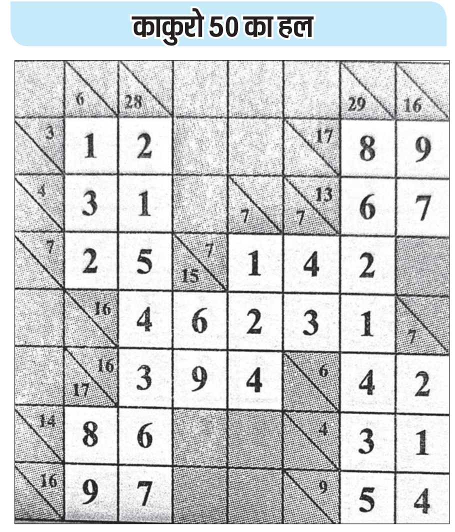

कहानी

जहन्नुम की आग

उत्तर भारत के विस्तृत मैदानी भूभाग में बसा एक छोटा-सा कस्बा, खैराबाद। कभी यह कस्बा अपने सौम्य वातावरण, आपसी भाईचारे और जीवंत सामाजिक जीवन के लिए जाना जाता था। सुबह की पहली किरण के साथ ही यहां की गलियां जीवन से भर उठती थीं। खेतों की ओर जाते किसान, दुकानों के सामने बैठकर चाय पीते व्यापारी और चौपालों पर राजनीति व समाज की बातें करते बुजुर्ग, ये सब मिलकर खैराबाद की पहचान थे, लेकिन समय की गति किसी के लिए नहीं रुकती। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में कई परिवार धीरे-धीरे शहरों की ओर चले गए। कुछ ही वर्षों में कस्बे की चहल-पहल कम होने लगी। कई मकान सूने पड़ गए, कुछ घरों के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए और कभी जीवंत रहने वाली गलियां अब शांत दिखाई देने लगीं। कस्बे के ठीक बीचों-बीच एक पुराना किला खड़ा था। वह किला समय की मार झेलते-झेलते जर्जर हो चुका था। उसकी दीवारों में दरारें पड़ गई थीं और कई जगह पत्थर गिर चुके थे। किले के चारों ओर उगी झाड़ियां और बेलें उसे एक रहस्यमय स्वरूप प्रदान करती थीं, लेकिन उस किले की असली पहचान उसकी जर्जरता नहीं, बल्कि उससे जुड़ी एक भयावह कथा थी। लोग उसे 'जहन्नुम का किला' कहते थे। कस्बे के बुजुर्ग बताते थे कि किले के नीचे एक गहरा तहखाना है जहां 'जहन्नुम की आग' जलती है। यह आग कोई साधारण आग नहीं थी। कहा जाता था कि जो भी व्यक्ति उस आग के पास जाता है, वह कभी वापस नहीं लौटता। यह कथा वर्षों से लोगों के बीच प्रचलित थी, लेकिन लगभग पचास वर्ष पहले घटी एक घटना ने इस विश्वास को और भी दृढ़ बना दिया था।

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

एक अमावस की रात थी। पूरा कस्बा गहरी नींद में डूबा हुआ था। अचानक कुछ लोगों ने किले की दिशा में एक विचित्र दृश्य देखा। किले की टूटी दीवारों के बीच से लाल-लाल लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो जमीन के भीतर से आग का कोई स्रोत फूट पड़ा हो। हवा के साथ एक अजीब-सी आवाज भी सुनाई दे रही थी, एक लंबी, गूंजती हुई कराह, जो सुनने वाले के मन में सिहरन पैदा कर देती थी। कुछ साहसी लोग दूर से देखने के लिए किले के पास तक गए, लेकिन जैसे ही उन्होंने वह दृश्य देखा, उनके चेहरे भय से पीले पड़ गए। "वहां से आवाज आ रही थी। जैसे कोई दर्द से चीख रहा हो," उनमें से एक ने अगले दिन बताया। उस घटना के बाद एक और खबर पूरे कस्बे में फैल गई। चार लोग अचानक लापता हो गए थे। लोगों को याद आया कि उन्हें आखिरी बार उसी किले की दिशा में जाते देखा गया था। बस, उस दिन से यह मान लिया गया कि किले के तहखाने में जहन्नुम की आग जाग उठी है।

उस घटना के बाद से किले के आसपास का इलाका लगभग वीरान हो गया। सूर्यास्त के बाद उस रास्ते से गुजरने की किसी की हिम्मत नहीं होती थी। माताएं अपने बच्चों को चेतावनी देतीं, "शाम के बाद किले की तरफ मत जाना, वहां जहन्नुम की आग है।" धीरे-धीरे डर की यह कथा पूरे कस्बे के जीवन का हिस्सा बन गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने आधी रात को किले के भीतर आग की लपटों में किसी आकृति को हिलते हुए देखा है। किसी ने कहा कि वहां से चीखने की आवाज आती है। डर और कल्पना मिलकर इस कथा को और भी रहस्यमय बना देते थे। समय के साथ कई परिवार कस्बा छोड़कर चले गए। खैराबाद की रौनक धीरे-धीरे कम होती गई।

कई साल बाद शहर से एक युवा शोधार्थी आरव वहां पहुंचा। आरव लोककथाओं और अंधविश्वासों पर अध्ययन कर रहा था। उसका मानना था कि समाज में फैली कई रहस्यमय कहानियों के पीछे कोई न कोई प्राकृतिक कारण अवश्य होता है। जब उसने 'जहन्नुम की आग' की कथा सुनी, तो उसकी जिज्ञासा बढ़ गई। उसने कस्बे के कुछ बुजुर्गों से इस घटना के बारे में विस्तार से बातचीत की। एक बुजुर्ग ने गंभीर स्वर में कहा, "बेटा, उस किले के पास मत जाना। हमने अपनी आंखों से वह आग देखी है। वहां कुछ अच्छा नहीं है।" आरव ने विनम्रता से उत्तर दिया, "कभी-कभी डर के पीछे छिपी सच्चाई को समझना जरूरी होता है।"

एक शाम वह टॉर्च, कैमरा और कुछ वैज्ञानिक उपकरण लेकर किले की ओर निकल पड़ा। सूरज ढल चुका था और अंधकार धीरे-धीरे फैल रहा था। किले की टूटी दीवारें अंधेरे में किसी मौन प्रहरी की तरह खड़ी थीं। जैसे ही वह भीतर पहुंचा, उसे दूर से एक हल्की लाल चमक दिखाई दी। वह सावधानी से आगे बढ़ा। तभी उसे एक लंबी गूंजती हुई आवाज सुनाई दी, मानो कोई कराह रहा हो। क्षण भर के लिए उसके मन में भी भय की एक लहर उठी, लेकिन उसने स्वयं को संभाला और आवाज का पीछा करते हुए तहखाने तक पहुंच गया। तहखाने में पहुंचकर उसने देखा कि जमीन में एक चौड़ी दरार है। उसी दरार से हल्की-हल्की आग की लपटें उठ रही थीं। आरव ने तुरंत अपने उपकरण से जांच की। कुछ ही क्षणों में परिणाम सामने आ गया, वहां से मीथेन गैस निकल रही थी। उसने चारों ओर ध्यान से देखा तो उसे कुछ पुराने औजार और जंग लगे पाइप भी दिखाई दिए। अब उसे पूरी स्थिति समझ में आने लगी। कई दशक पहले उस स्थान पर गैस या कोयले की खोज के लिए खुदाई की गई थी, लेकिन वह प्रयास अधूरा रह गया। खुदाई के कारण जमीन में दरारें पड़ गईं और उन्हीं दरारों से गैस बाहर निकलने लगी। जब यह गैस किसी चिंगारी के संपर्क में आती, तो छोटी-छोटी लपटें उठने लगतीं। जहां तक कराह जैसी आवाज का सवाल था, वह तहखाने की सुरंगों और दरारों से गुजरती हवा की गूंज थी। संकरी जगहों से गुजरती हवा अक्सर ऐसी ध्वनि उत्पन्न कर देती है, जो मानवीय कराह जैसी प्रतीत होती है। अब आरव को पूरा सच समझ में आ चुका था। जिसे लोग वर्षों से 'जहन्नुम की आग' समझते रहे, वह वास्तव में एक साधारण प्राकृतिक घटना थी। डर और अज्ञानता ने मिलकर इस घटना को एक भयावह दंतकथा में बदल दिया था। अगले दिन आरव ने अपनी खोज के प्रमाणों के साथ प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही समय बाद वैज्ञानिकों की एक टीम वहां पहुंची और जांच के बाद वही निष्कर्ष सामने आया।

गैस के रिसाव को नियंत्रित कर दिया गया और उस स्थान को सुरक्षित बना दिया गया। जब यह सच्चाई कस्बे के लोगों के सामने आई, तो कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। दशकों से जिस कथा ने उनके मन में भय भर रखा था, वह दरअसल एक प्राकृतिक घटना की गलत व्याख्या थी। धीरे-धीरे लोगों का डर समाप्त होने लगा। कुछ समय बाद वही किला, जिसे लोग कभी अभिशप्त मानते थे, एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में पहचाना जाने लगा।

एक दिन कस्बे के स्कूल में आरव बच्चों से बातचीत कर रहा था। उसने कहा, "डर अक्सर अज्ञानता से जन्म लेता है। जब हम किसी घटना का कारण नहीं समझ पाते, तो उसे अलौकिक मान लेते हैं, लेकिन ज्ञान की रोशनी सबसे बड़े अंधविश्वास को भी समाप्त कर देती है।" बच्चे ध्यान से उसकी बात सुन रहे थे। आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, "जहन्नुम की आग असल में कोई आग नहीं थी। वह केवल हमारे अज्ञान का अंधेरा था।" और जब ज्ञान की रोशनी फैली, तो वह अंधेरा सदा के लिए मिट गया।

काव्य

एक जीवन के लिए

मैं जानता हूं बेटा
तुम अपने अधिकारों के साथ
अपने वृहत आकाश में
उड़ना चाहते हो
मुझे खुशी होती है
जब मैं तुम्हारे लिए
तुम्हारी पसंद की चीजें
लाकर रखता हूं
तुम्हारे सामने
और प्रतीक्षा करता हूं
तुम्हारी प्रतिक्रिया की
देखता हूं तुम्हारी आंखों में
संतोष की एक चमकती रेखा
किंतु बेटे
तुम्हारा यह संतोष पोंछ
नहीं पाता
मेरे आंसुओं को
जब मैं देखता हूं
तुम्हारे जैसे बच्चों का एक झुंड
जिनके हाथों में रोटियां नहीं हैं
शरीर पर कपड़े नहीं हैं
मेरे बेटे
एक जीवन के लिए
किस कदर वो चीख रहे हैं
तुम सुन पा रहे हो न
उन लोगों की चीखें
बस मुझे इतनी आजादी दो
कि मैं तुम्हारे आकाश में से
एक छोटा टुकड़ा
उन सब में बांट सकूं
ताकि उन सबका विश्वास
कभी न मर सके

श्याम सुंदर चौधरी
लेखक

नववर्ष

हम अपना नववर्ष मनाएं,
चलो चलें सब नाचें, गाएं।

धरा पुष्प से लदी हुई है,
शस्य श्यामला फसल हुई है।
कली हंसी, भंवरे मुस्काएं,
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ग्रह,नक्षत्र,तिथि, वार मुदित हैं,
सूर्य गगन पर पूर्ण उदित हैं।
प्रमुदित दिखतीं दसों दिशाएं।
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ठंड गर्म सब दूर हो गई,
धरा अन्न फूलों से लद गई।
बहें वसंती मस्त हवाएं,
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

झूम रहीं पेड़ों पर कलियां,
होरियारों से भरी हैं गलियां।
आम जनों की बात करें क्या,
आम्र मंजरी भी बौराएं।।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

है आमंत्रण अटल घाट पर,
छेड़ रहे जन मंजु मृदुल स्वर,
आओ पंडित कृष्ण बुलाएं।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

दया शंकर मिश्र 'सागर'
कानपुर

बेटियां

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो संस्कार हैं,
बेटियां तो कुलवंती हैं,
बेटियां तो सम्मान हैं।
फिर बेटियों से भेदभाव
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो लक्ष्मी हैं,
बेटियां तो दुर्गा हैं,
बेटियां तो अभिमान हैं।
फिर बेटियों का बलात्कार
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो राजकुमारी हैं,
बेटियां तो राजदुलारी हैं।
फिर बेटियों का तिरस्कार
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो बेटा से ऊपर हैं,
बेटियां तो बेटा के बराबर हैं।
फिर बेटियों का गर्भपात
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?

डॉ. शकीला कुमारी
सहायक प्राध्यापिका

लघुकथा

ऋषि और कीड़े

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका

एक वन में एक महान ऋषि तपस्या में लीन रहते थे। वे घंटों ध्यान में बैठते। उसी स्थान पर एक छोटा सा कीड़ा रहता था। जब ऋषि ध्यान में बैठते, वह कीड़ा उन्हें बार-बार काट लेता। काटने से पीड़ा होती, पर ऋषि न क्रोधित होते, न उसे मारते। वे बस धीरे से कीड़े को अपनी देह से हटाकर पास रख देते और फिर ध्यान में बैठ जाते। यह क्रम रोज़ चलता रहा। कीड़ा काटता रहा,ऋषि हटाते रहे। एक दिन कीड़े ने फिर काटा,यह बात काफी दिन से उनका एक शिष्य देख रहा था। उससे रहा नहीं गया और बोला, गुरुजी मैं काफी दिन से देख रहा हूं कि कीड़ा आपको बार बार काटता और नाली में चला जाता है लेकिन आप उसे उठाकर बार बार सड़क के सहारे रख देते हो।

ये सुनकर ऋषि की आंखों से करुणा झलक उठी और ऋषि ने कहा-"हे शिष्य मैं जानता हूं वो अज्ञानवश ऐसा करता है पर मैं उसे पीड़ा देकर अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।" धीरे-धीरे कीड़े पर ऋषि के संयम, शांति और करुणा का प्रभाव पड़ने लगा। वह काटना भूल गया। उसका स्वभाव बदल गया-अब वह ऋषि के शरीर पर चढ़ता, पर क्षति नहीं पहुंचाता। इसीलिए कहते हैं कि- हिंसा से नहीं, करुणा से स्वभाव बदलता है।

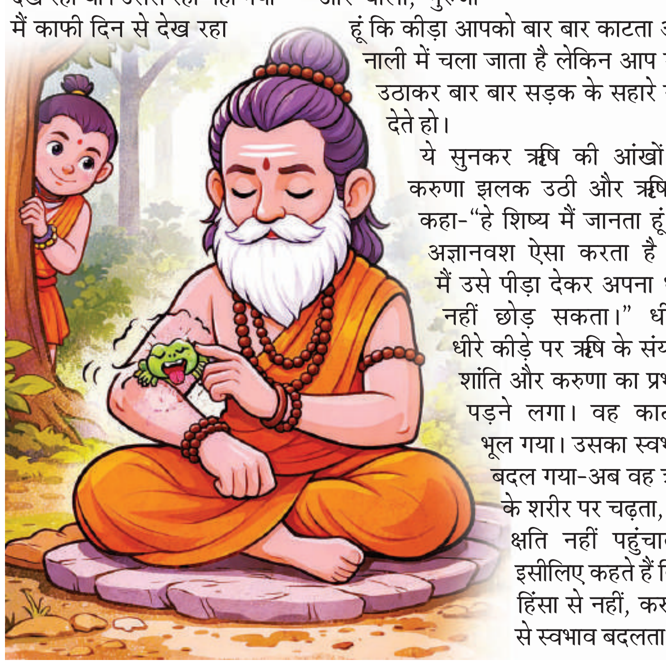

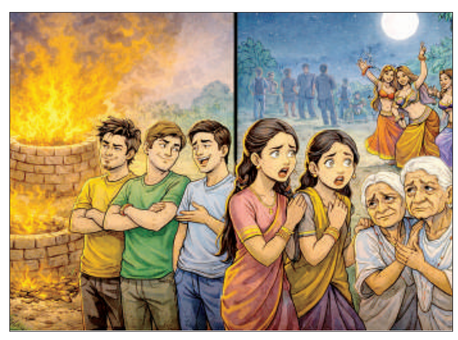

आंखों देखा

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

सांझ हुई। चारों तरफ खबरें फैली-"नगर से कुछ दूर, सूख चुके अंधे कुओं में आग लग गई।" युवक हंसे-'लगने दो! हमें क्या?" दौड़ी आई कुंवारी लड़कियां-"नहीं रे! क्यों ऐसा बोलते हो। आग लगी है, तो बुझाने को दौड़ो न?" ठेंगे दिखाती, बदन छलकाती, शोर मचाती वधुएं आई और बोलने लगी-"फूंस ही तो जलेगा?..जलने दो! तुम रहो सुकून से, जलने दो!"

सुबह सोकर उठे तो देखा-"नगर में एक भी बूढ़ा, एक भी बूढ़ी दादी और बूढ़ी अम्मां दिखाई नहीं पड़ रही थी। पूछने लगी लड़कियां-"कहां गई कहां गई?" वधुएं बोली-"फूंस ही तो था... जल गया...जल गया?" युवक अभी तक रोमांस के नशे में मदमस्त झूम रहे थे। वधुओं ने उन्हें घेरे में लेकर नाचना शुरू किया। जिस्म की झलक शुरू हुई। फिर एक स्वर में युवकों ने कहा-"जाने दो! जहां गए हमें क्या?"

आपका हृदय मित्र अर्जुन का वृक्ष

मैं रामायणकालीन वृक्ष अर्जुन हूं। सदाबहार, छायादार, सघन, हरीतिमा से पूर्ण औषधीय। मुझे संस्कृत में ककुभ (अपने सफेद फूलों के कारण) कहते हैं और स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने मुझे तिलक वृक्ष की उपाधि दी थी, क्योंकि माता सीता को मैं अत्यंत प्रिय था और पंचवटी में पाए जाने वाले अन्य वृक्षों जैसे कदंब, बिल्व, अशोक, ताल , जामुन , कनेर, आम, साल, कटहल, कुरव, धव, अनार, वकुल, चंदन, केवड़े आदि की अपेक्षा अधिक शिखरवत हूं।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

महाकवि कालिदास भी मेरी सुंदरता पर मुग्ध थे। मेरी औषधीय गुणों पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला महर्षि सुश्रुत ने- ककुभः शीतलो हृद्य : क्षत क्षय विषास्रजित् ,मेदोमेह व्रणान् हंति तुवरः कफ पित्त हत्। हृदयजनित पीड़ा (एंजाइना) में मेरी छाल का लाभकारी प्रभाव का ज्ञान गांव -कस्बे के लोगों को भी ज्ञात है, इसीलिए जहां पर कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां के लोग मेरे छाल का चूर्ण या काढ़ा बनाकर पीते हैं। इसका प्रमाण देखना है, तो यह चित्र देखिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले का है। स्थानीय लोगों ने मेरे छाल को नोच डाला है अपने हृदय शूल को दूर करने के लिए। कमोबेसी यही हाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आईआईटी के सामने लगे तमाम अर्जुन के वृक्षों का है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूनानी कालेज के परिसर में लगे विशाल अर्जुन वृक्ष का तना भी इसी बात की मौन गवाही दे रहा है की न जाने कितने लोगों ने अपनी हृदय पीड़ा कम करने के लिए उसका उपयोग किया- 'परोपकाराय सतां विभूतयः।

व्यंग्य

अविश्वास है, तो है

मुझे अविश्वास प्रस्ताव लाना है। मुझे नहीं हमें कहो, तुम अकेले अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकते, पर अविश्वास प्रस्ताव लाना क्यों है? हैड मास्टर मुझे क्लास में बोलने नहीं देता। क्यों बोलने नहीं देता? मुझे क्या पता, क्यों नहीं बोलने देता, मैं कुछ भी बोलता हूं, तो कहता है कि विषय पर बोलो। क्या तुम विषय पर नहीं बोलते? मैं अपने हिसाब से अपने विषय पर बोलता हूं। कभी बोलता हूं, कभी नहीं भी बोलता। हैड मास्टर सही तो बोलता है, विषय पर बोलोगे, तो बोलने देगा।

मैं कुछ नहीं जानता, मैं इतना जानता हूं कि मैं ही विषय पर बोलता हूं, मेरे अलावा कोई ऐसे विषय पर नहीं बोलता, जैसे विषय पर मैं बोलता हूं। कोई तो कारण होगा, जो तुम्हें बोलने से रोका जाता है? यह तो वही जाने, अब मुझे उसके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाना है। अविश्वास प्रस्ताव में क्या कहेंगे? यही कि हेडमास्टर भेदभाव करता है। अपने चहेते बालकों को बोलने की परमीशन देता है, जब भी मैं बोलने के लिए खड़ा होता हूं, तो रोक-टोक करता है। कोई तो कारण होगा?

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

मैं इतिहास की क्लास में खड़े होकर जब जूडो कराटे के दाव समझाता हूं, तो वह कहता है विषय पर बोलो। सही तो कहता है, विषय पर बोलो, जब विषय से भटक कर ऊटपटांग बेसिर पैर की बातें करोगे, तो वह विषय पर बोलने के लिए कहेगा ही। मैं विषय पर ही तो बोलता हूं। क्लास के विषय पर या अपने विषय पर। अपने मनमाफिक विषय पर, जो मैं बोलना चाहता हूं, बोलता हूं। क्लास के विषय पर बोलना चाहिए। मेरी मर्जी, मैं किसी भी विषय पर बोलूं। जो विषय मेरी समझ में आएगा, उसी पर तो बोलूंगा। कोई बात नहीं, पर इसमें अविश्वास की बात कहां से आ गई?

मुझे ऐसा मास्टर नहीं चाहिए, जो मुझे बोलने से रोके, मेरे मुंह पर टेप चिपकाने की कोशिश करें। आखिर मैं स्वतंत्र देश का स्वतंत्र नागरिक हूं। मुझे अपने मन की बात करने का पूरा अधिकार है। यह तो बताओ, कि अविश्वास प्रस्ताव लाने से हासिल क्या होगा? अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे, हेडमास्टर को हटाएंगे। क्या तुम्हें विश्वास है, कि तुम हेडमास्टर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को पास करा पाओगे? अपने साथियों का इतना समर्थन जुटा पाओगे कि हेडमास्टर को हटाया जा सके। मुझे पास फेल से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बार-बार फेल होता हूं, फिर भी हिम्मत नहीं हारता। तुम हिम्मत नहीं हारते, मगर तुम्हारा साथ निभाने वालों की तो बेइज्जती होती है। होती रहे, मुझे क्या, मुझे तो अविश्वास प्रस्ताव लाना है, हेडमास्टर को सबक सिखाना है। यदि अविश्वास प्रस्ताव फेल हो गया, तब किस मुंह से हेडमास्टर के सम्मुख जाओगे? इसी मुंह से जिससे हर बार जाता हूं।

अपनी नहीं तो अपने साथियों की इज्जत का तो ध्यान रखो। इज्जत-बेइज्जत से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। लगता है कि तुम नहीं सुधरोगे। यह सुधरना किस चिड़िया का नाम है? तुम्हारे लिए किसी चिड़िया का नहीं। जाओ विदेश घूम आओ, मौज मस्ती सैर सपाटा कर आओ, बाकी हम हैं न, तुम्हारी हर सनक का बचाव करने ले लिए।

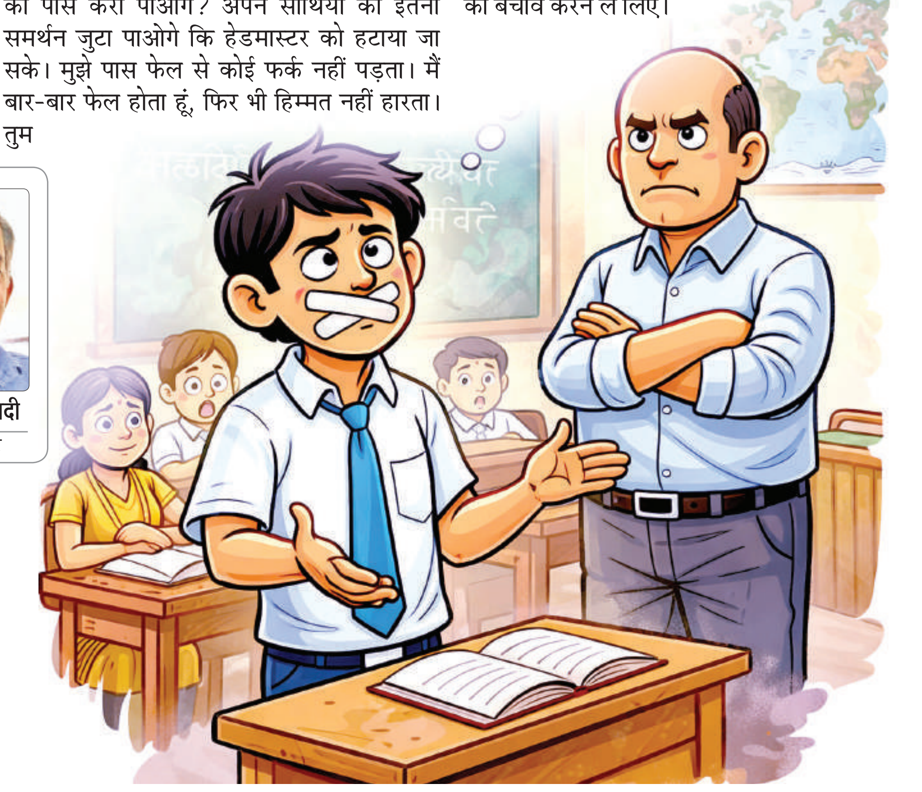

समीक्षा

अर्तम: शब्दों का सृजन

कविता लिखना और कविता को जीना दोनों अलग-अलग मार्ग हैं। जो कविता लिखते-लिखते कविता जीना सीख गया, उसी की कविता सिर चढ़कर बोलती है। एक ऐसा ही काव्य संग्रह शीर्षक - 'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल) है। यह संग्रह छोटी-बड़ी कविताओं से सुसज्जित है। कवयित्री के लेखन में वैचारिक परिपक्वता, संवेदना की संपन्नता तथा शब्दों में भावनात्मक पहलुओं के साथ-साथ चिंतन की ठोस भूमिका भी मौजूद है। अर्तम शीर्षक पर सबसे अंतिम कविता है, जो यह दर्शाता है कि अंतः अस्ति प्रारंभः, जिसका अर्थ है अंत ही शुरूआत है। अर्तम अर्थात माथे पर सुनहरा कमल-यह बिंब भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इन कविताओं में पवित्र जागरण और आत्मबोध ही नहीं, अपितु आत्मसम्मान, तेजस्विता और आध्यात्मिक उत्कर्ष का संदेश भी है। काव्य संग्रह की कविताएं 'शिवत्व' प्रतीक का प्राण बिंदु है। इसमें जीवन के संघर्ष और हलाहल का कोलाहल भी है। इन कविताओं का अंतिम सत्य जीवन के सूक्ष्म क्षणों की यात्रा में विस्तार करना है। संवेदनाओं की परतें, रिश्तों की आंतरिक ऊर्जा तथा स्त्री मन की पीड़ाओं के साथ-साथ उसके अंतर में छिपी उस अदम्य शक्ति को काव्य भूमि में सजीव हो उठी हमें नजर आती है- जैसे जब वह निजी जिंदगी के द्वंद्व पर लिखती हैं। इस काव्य संग्रह में अन्य कविताएं, जैसे मिट्टी, जियो और जीने दो, सफलता का स्वेटर, मानवता की पुकार, मेरे निश्छल मन की गति को देखों, धुआं-धुआं आदि अपने आप में एक नई पृष्ठभूमि का निर्माण करती हैं, जो समकालीन समय में प्रासंगिक भी है।

पुस्तक :'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल)
लेखक : दिव्या सक्सेना
प्रकाशक : वेरा प्रकाशन, हिंदी अकादमी, नई दिल्ली
मूल्य : 250
समीक्षक : – हरि शंकर शर्मा, जयपुर

गर्मियों का मौसम आते ही ऑफिस जाने वाली महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है, ऐसा आउटफिट चुनना जो आरामदायक भी हो, प्रोफेशनल भी लगे और स्टाइलिश भी दिखाई दे। इस मौसम में कॉटन फैब्रिक को सबसे भरोसेमंद माना जाता है, क्योंकि यह हल्का, सांस लेने योग्य और पूरे दिन शरीर को ठंडक देने वाला होता है। आजकल मार्केट में कॉटन सूट के इतने आकर्षक और आधुनिक डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें पहनकर ऑफिस में भी आप बेहद एलिगेंट और सॉफिस्टिकेटेड लुक पा सकती हैं। खास बात यह है कि ये सूट केवल आराम ही नहीं देते, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी निखारते हैं।

ऑफिस के परफेक्ट आउटफिट्स
स्टाइल के साथ एलिगेंट लुक

फ्लोरल, ए-लाइन और एथनिक प्रिंट जैसे डिजाइन इस समय खासे ट्रेंड में हैं। यदि आप भी अपने ऑफिस लुक में नया बदलाव चाहती हैं, तो इन कॉटन सूट डिजाइनों के साथ-साथ कुछ और स्टाइलिश आउटफिट्स को भी अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट

अगर आप अपने ऑफिस लुक में थोड़ा पारंपरिक आकर्षण जोड़ना चाहती हैं, तो एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट एक शानदार विकल्प है। छोटे-छोटे ब्लॉक प्रिंट, बुटी या ज्यामितीय पैटर्न वाले कुर्ते देखने में बेहद सादगीपूर्ण और आकर्षक लगते हैं। इंडिगो प्रिंट, अज्रक डिजाइन या हैंडब्लॉक प्रिंट वाले कॉटन सूट इन दिनों काफी लोकप्रिय हैं। ये आउटफिट ऑफिस के साथ-साथ सेमी-फॉर्मल मौकों पर भी पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। आप इन्हें सिल्वर ज्वेलरी, ऑक्सीडाइज्ड झुमके या छोटे स्टड ईयररिंग्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद सादा, लेकिन प्रभावशाली दिखाई देगा।

फ्लोरल कॉटन सूट डिजाइन

फ्लोरल प्रिंट हमेशा से ही महिलाओं की पसंदीदा डिजाइन रहा है। हल्के फूलों वाले प्रिंट किसी भी आउटफिट को सॉफ्ट और ग्रेसफुल लुक देते हैं। ऑफिस के लिए फ्लोरल कॉटन सूट सबसे अच्छे विकल्पों में से एक माना जाता है। इन दिनों पेस्टल शेड्स जैसे पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, पीच, लैवेंडर और बेबी पिंक रंगों में फ्लोरल प्रिंट काफी पसंद किए जा रहे हैं। ये रंग आंखों को सुकून देते हैं और ऑफिस के शांत वातावरण के साथ भी मेल खाते हैं।

फ्लोरल कॉटन सूट की खासियत यह है कि इसे आप केवल ऑफिस ही नहीं बल्कि छोटे-मोटे पारिवारिक कार्यक्रमों में भी आसानी से पहन सकती हैं। यदि आप इसे सिंपल दुपट्टे और हल्की ज्वेलरी के साथ स्टाइल करें, तो यह लुक और भी आकर्षक बन जाता है।

कॉटन साड़ी

जो महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं, उनके लिए कॉटन साड़ी भी ऑफिस के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। कॉटन साड़ी हल्की होती है और गर्मियों में पहनने पर काफी आराम देती है। पेस्टल रंगों या हल्के बॉर्डर वाली साड़ी ऑफिस के माहौल में बेहद गरिमामय लगती है। इसके साथ साधारण ब्लाउज और हल्की ज्वेलरी पहनकर आप एक क्लासी और प्रोफेशनल लुक पा सकती हैं। कई कॉर्पोरेट और शिक्षण संस्थानों में कॉटन साड़ी को आज भी सबसे सुसंस्कृत और सम्मानजनक पहनावे के रूप में देखा जाता है।

स्ट्रेट कुर्ता विद प्लाजो

स्ट्रेट कट कुर्ता और प्लाजो का कॉम्बिनेशन भी ऑफिस के लिए बेहद आरामदायक और स्टाइलिश माना जाता है। प्लाजो पैंट का ढीला और फ्लोई डिजाइन गर्मियों में हवा के संचार को आसान बनाता है, जिससे पूरे दिन आराम महसूस होता है। स्ट्रेट कुर्ता के साथ प्लेन या हल्के प्रिंट वाले प्लाजो पहनने से लुक बेहद संतुलित दिखाई देता है। यह आउटफिट खासकर उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जो दिनभर काम में व्यस्त रहती हैं और आराम को प्राथमिकता देती हैं। इसके साथ हल्की जूती या फ्लैट सैंडल पहनकर आप अपने ऑफिस लुक को सहज और आकर्षक बना सकती हैं।

ए-लाइन कुर्ता विद ट्राउजर

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए ए-लाइन कुर्ता एक बेहद लोकप्रिय और सुविधाजनक विकल्प बन चुका है। इस डिजाइन की खास बात यह है कि यह लगभग हर बॉडी टाइप पर अच्छी तरह फिट बैठता है और शरीर को संतुलित आकार देता है।

ए-लाइन कुर्ता ऊपर से फिट और नीचे की ओर हल्का फैला हुआ होता है, जिससे चलने-फिरने में भी आराम मिलता है। जब इसे ट्राउजर या स्ट्रेट पैंट के साथ पहना जाता है, तो यह आउटफिट एक मॉडर्न और प्रोफेशनल लुक देता है। अगर आप इसे और ज्यादा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो इसके साथ ब्लॉक हील्स, कोल्हापुरी सैंडल या सिंपल फ्लैट्स पहन सकती हैं। हल्की घड़ी और छोटे स्टड ईयररिंग्स इस लुक को पूरा करने के लिए काफी हैं।

कॉटन कुर्ता विद जींस

आजकल ऑफिस फैशन में इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपके ऑफिस का ड्रेस कोड थोड़ा कैजुअल है, तो कॉटन कुर्ता के साथ जींस पहनना एक स्मार्ट विकल्प हो सकता है। लॉन्ग या मिड-लेंथ कुर्ता के साथ स्ट्रेट या स्लिम फिट जींस पहनने से एक सिंपल, लेकिन ट्रेंडी लुक मिलता है। यह स्टाइल खासतौर पर उन युवतियों के बीच लोकप्रिय है, जो पारंपरिक और आधुनिक फैशन का मिश्रण पसंद करती हैं। इस लुक को पूरा करने के लिए आप स्नीकर्स, बैले फ्लैट्स या लोफर्स पहन सकती हैं। इसके साथ एक स्लीक बैग और हल्का मेकअप आपके व्यक्तित्व को और निखार देगा।

आउटफिट चुनते समय रखें इन बातों का ध्यान

ऑफिस के लिए कपड़े चुनते समय केवल फैशन ही नहीं, बल्कि कुछ व्यावहारिक बातों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है।

- हल्के रंग चुनें– गर्मियों में पेस्टल और सॉफ्ट रंग ज्यादा आरामदायक होते हैं।
- फैब्रिक का ध्यान रखें – कॉटन, लिनन या खादी जैसे प्राकृतिक फैब्रिक शरीर को ठंडक देते हैं।
- कम्फर्ट सबसे जरूरी – ऐसे कपड़े चुनें, जिनमें आप पूरे दिन सहज महसूस करें।
- ज्यादा भारी कढ़ाई से बचें – ऑफिस आउटफिट में सादगी ही सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है।

गर्मियों में ऑफिस के लिए सही आउटफिट चुनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन यदि आप सही फैब्रिक और डिजाइन का चयन करें, तो यह काम बेहद आसान हो जाता है। कॉटन सूट, ए-लाइन कुर्ता, एथनिक प्रिंटेड डिजाइन, प्लाजो सेट, कुर्ता-जींस या कॉटन साड़ी ये सभी विकल्प आपको आराम, स्टाइल और प्रोफेशनल लुक एक साथ प्रदान कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आपका आउटफिट आपकी व्यक्तित्व के अनुरूप हो और उसमें आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही कपड़ों का चयन न केवल आपकी उपस्थिति को प्रभावशाली बनाता है, बल्कि आपके कामकाजी दिन को भी ज्यादा सहज और सुखद बना देता है।

स्मार्ट पेरेंटिंग: बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्गदर्शन

बच्चों का बचपन केवल खेलने-कूदने का समय नहीं होता, बल्कि यह उनके संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला भी होता है। इसी दौर में उनके विचार, आदतें और संस्कार आकार लेते हैं, जो आगे चलकर उनके जीवन की दिशा तय करते हैं। माता-पिता के लिए यह समय जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी, क्योंकि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाना आसान नहीं होता। आज के बदलते दौर में जहां तकनीक और बाहरी प्रभाव तेजी से बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं, वहां अच्छे संस्कारों की भूमिका और भी बढ़ जाती है। यदि बचपन में ही बच्चों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए, तो वे न केवल सफल, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बन सकते हैं।

सम्मान की भावना का विकास

बच्चों को बचपन से ही बड़ों के प्रति सम्मान और आदर का भाव सिखाना आवश्यक है। यह केवल शिष्टाचार का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके संस्कारों की पहचान भी होता है। जब बच्चे बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन का महत्व समझते हैं, तो वे जीवन के कठिन निर्णयों में भी सही रास्ता चुनने में सक्षम होते हैं। विनम्रता और सम्मान का यह गुण उन्हें समाज में प्रिय बनाता है।

परिश्रम की आदत डालना

जीवन में सफलता पाने के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर उपलब्धि के पीछे मेहनत छिपी होती है। कहानियों, उदाहरणों और दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से उन्हें परिश्रम का महत्व सिखाया जा सकता है। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ईमानदारी की नींव मजबूत करना

ईमानदारी एक ऐसा गुण है, जो व्यक्ति को जीवनभर सही दिशा में बनाए रखता है। बच्चों को बचपन से ही सच बोलने और सही आचरण करने की प्रेरणा देनी चाहिए। यदि वे ईमानदारी को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो भविष्य में वे किसी भी परिस्थिति में गलत रास्ता अपनाने से बचेंगे और समाज में विश्वसनीय बनेंगे।

असफलता से सीखने की समझ

असफलता जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसे स्वीकार करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता से डरना नहीं, बल्कि उससे सीख लेना चाहिए। जब वे समझेंगे कि हर असफलता उन्हें कुछ नया सिखाती है, तो वे चुनौतियों का सामना अधिक साहस और धैर्य के साथ कर पाएंगे।

समय प्रबंधन की समझ

समय का सही उपयोग करना एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। बच्चों को शुरुआत से ही समय की कीमत समझानी चाहिए, ताकि वे अपने कार्यों को सही ढंग से व्यवस्थित कर सकें। पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बनाना सिखाकर उन्हें अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित किया जा सकता है। यह आदत आगे चलकर उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होती है।

चेहरा धोने के लिए इस्तेमाल करें घरेलू उत्पाद खिल उठेगी त्वचा

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

आज के दौर में चमकती और बेदाग त्वचा हर किसी की चाहत है, लेकिन इस चाहत को पूरा करने के लिए हम अक्सर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लुभावने विज्ञापनों के जाल में फंस जाते हैं। टेलीविजन और सोशल मीडिया पर दिखने वाले ये विज्ञापन हमें महंगे और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पादों को खरीदने के लिए मजबूर कर देते हैं। वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश उत्पादों में कठोर रसायनों का उपयोग किया जाता है।

लंबे समय तक इन केमिकल युक्त फेस वॉश और क्रीम का इस्तेमाल करने से चेहरे पर दाग-धब्बे, झाइयां और कील-मुंहासे उभरने लगते हैं। स्थिति तब और बिगड़ जाती है, जब इन समस्याओं को छिपाने के लिए हम और अधिक कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जिससे त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खो देती है और बेजान दिखने लगती है। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ और हर्बल क्वीन शहनाज हुसैन का मानना है कि सुंदरता का असली राज रसायनों में नहीं, बल्कि हमारी रसोई में मौजूद प्राकृतिक और हर्बल उत्पादों में छिपा है। यदि हम अपनी दिनचर्या में घरेलू उपचारों को शामिल करें, तो न केवल जेब पर बोझ कम होगा, बल्कि त्वचा को भी स्थायी और सुरक्षित निखार मिलेगा।

दूध: प्रकृति का सबसे कोमल क्लींजर

दूध को सदियों से सौंदर्य निखारने का सबसे उत्तम साधन माना गया है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने और उसे गहराई से पोषण देने में सक्षम है।

- **हल्दी और दूध का फेस पैक :** हल्दी अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जानी जाती है। आधा छोटा चम्मच हल्दी में दो चम्मच दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर पैक की तरह लगाएं और सूखने दें। जब यह हल्का सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धीरे-धीरे रगड़ते हुए धो लें। यह पैक न केवल रंगत साफ करता है, बल्कि त्वचा के संक्रमण को भी रोकता है।
- **कच्चा दूध और क्लींजिंग :** यदि आप फेस वॉश का विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो कच्चा दूध सबसे बेहतर है। एक कॉटन पैड की मदद से कच्चा दूध पूरे चेहरे पर लगाएं और कम से कम पांच मिनट तक हल्की मालिश करें। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें। नियमित इस्तेमाल से कील-मुंहासे कम होते हैं और त्वचा रेशम जैसी मुलायम हो जाती है।

दही: फ्रेशनेस और टैनिंग का काल

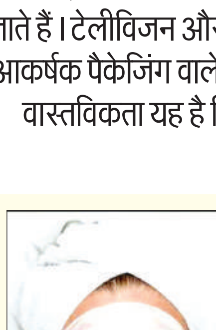

दही केवल सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा के पीएच संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अद्भुत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को भीतर से ठंडा रखते हैं।

- **समय का महत्व :** दही लगाने का सबसे सही समय सुबह या रात का होता है। सुबह दही लगाने से त्वचा दिनभर खिली-खिली रहती है, वहीं रात को लगाने से दिनभर की धूल-मिट्टी और प्रदूषण आसानी से साफ हो जाता है।
- **बेसन, दही और हल्दी का पारंपरिक उबटन :** पुराने समय से चले आ रहे इस नुस्खे का कोई मुकाबला नहीं है। दो चम्मच दही में दो चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। यह पेस्ट हर तरह की स्किन के लिए अनुकूल है। दही नमी देती है, हल्दी चमक लाती है और बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। इसे 20-25 मिनट लगाकर रखें और फिर सादे पानी से धो लें।

एलोवेरा: हमारी त्वचा का सुरक्षा कवच

एलोवेरा या घृतकुमारी एक ऐसा जादुई पौधा है, जो नमी का भंडार है। गर्मियों के मौसम में यह त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यह सूर्य की किरणों से होने वाली जलन को शांत करता है।

- **ताजे जेल का उपयोग :** शहनाज हुसैन के अनुसार, पौधे से सीधे निकाली गई लुगदी सबसे अधिक प्रभावशाली होती है। एलोवेरा की पत्ती को अच्छी तरह धोकर उसका जेल निकालें और 20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। यह बिना चिपचिपाहट के त्वचा को हाइड्रेट रखता है और बढ़ती उम्र के निशानों को कम करने में मदद करता है।

- **एलो-बादाम नाइट क्रीम :** यदि आपकी त्वचा बहुत रूखी रहती है, तो एक कटोरी में दो चम्मच एलोवेरा जेल और दो चम्मच बादाम का तेल मिलाएं। रात को सोने से पहले इस मिश्रण से चेहरे की मालिश करें। यह मिश्रण रात भर त्वचा की मरम्मत करता है और उसे युवा बनाए रखता है।

स्वच्छता और धैर्य है जरूरी

घरेलू और हर्बल उत्पादों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। हालांकि शहनाज हुसैन स्वच्छता पर विशेष जोर देती हैं। किसी भी घरेलू उपचार को अपनाने से पहले चेहरे और उपयोग की जाने वाली सामग्री (जैसे एलोवेरा की पत्तियां) को अच्छी तरह साफ करना अनिवार्य है। प्राकृतिक उपचार रातों-रात जादू नहीं करते, लेकिन इनका नियमित उपयोग आपको ऐसी स्थायी सुंदरता प्रदान करता है, जो किसी भी महंगे कॉस्मेटिक से संभव नहीं है।

खाना खजाना

खस्ता करारी मूंग दाल की बाटी

खस्ता करारी मूंग दाल मसाला बाटी सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक स्वाद-यात्रा का अनुभव है। देसी घी की खुशबू, सोंधी-सोंधी बाटी और मसालेदार मूंग दाल का संगम हर खाने वाले को लुभा लेता है। यह डिश खास मौकों से लेकर रोजमर्रा के खाने तक में अपनी अलग पहचान रखती है। घर पर आसानी से बनने वाली यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पौष्टिकता का भी बेहतरीन मेल है। अगर आप भी अपने किचन में रेस्टोरेंट जैसा राजस्थानी स्वाद लाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

सामग्री

- गेहूं का आटा – 2 कप
- सूजी – 2 टेबल स्पून
- घी – 4 टेबल स्पून
- अजवाइन– टी स्पून
- नमक– स्वादानुसार
- दूध/पानी – जरूरत अनुसार
- मूंग दाल मसाला के लिए
- धुली मूंग दाल – 1 कप (2-3 घंटे भिगोई हुई)
- प्याज– 1 बारीक कटा
- टमाटर – 2 पिसे हुए
- हरी मिर्च – 1-2 बारीक कटी
- अदरक-लहसुन पेस्ट – 1 टी स्पून
- जीरा – 1 टी स्पून
- हींग – चुटकी भर
- हल्दी – टी स्पून
- धनिया पाउडर – 1 टी स्पून
- लाल मिर्च – स्वादानुसार गरम मसाला – टी स्पून
- घी– 2 टेबल स्पून
- हरा धनिया – सजाने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा और सूजी लें। इसमें नमक, अजवाइन और घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मसलें ताकि मिश्रण में मोयन अच्छी तरह मिल जाए। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी या दूध डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा ज्यादा नरम न हो, तभी बाटी खस्ता बनेगी। गूंथे हुए आटे को 10-15 मिनट ढककर रख दें। इसके बाद मध्यम आकार की गोल-गोल बाटियां बना लें और हल्का सा दबा दें।

अब इन बाटियों को पहले से गरम किए हुए ओवन में 180 सी पर 30-35 मिनट तक बेक करें। बीच-बीच में पलटते रहें ताकि सभी तरफ से समान रूप से सुनहरी हो जाएं। यदि ओवन उपलब्ध न हो, तो आप कुकर (बिना सीटी) या अप्पे पैन में धीमी आंच पर भी इन्हें सेक सकते हैं। जब बाटियां बाहर से कुरकुरी और अंदर से पूरी तरह सिक जाएं, तो इन्हें निकालकर तुरंत गर्म घी में डुबो दें, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

मूंग दाल मसाला बनाने की विधि

सबसे पहले भिगोई हुई मूंग दाल को कुकर में डालकर 2-3 सीटी आने तक नरम उबाल लें। ध्यान रखें कि दाल अधिक गल न जाए, बल्कि दानेदार बनी रहे। अब एक कड़ाही में घी गरम करें। इसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालकर तड़का लगाएं। जैसे ही खुशबू आने लगे, बारीक कटा प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं ताकि कच्चापन खत्म हो जाए। अब टमाटर की प्यूरी डालें और धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मसाले से घी अलग न होने लगे। इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसाले को अच्छे से भूनें। अब उबली हुई दाल डालें और जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाएं। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं ताकि मसाले का स्वाद दाल में अच्छी तरह समा जाए। अंत में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

परोसने का तरीका

गरमा-गरम बाटियों को हल्का सा तोड़कर प्लेट में रखें और ऊपर से तैयार मूंग दाल मसाला डालें। इसके साथ चूरमा, लहसुन की चटनी और कच्चे प्याज परोसें। घी की खुशबू और मसालों के लाजवाब मेल के साथ यह व्यंजन आपको शुद्ध राजस्थानी स्वाद का असली आनंद देगा।